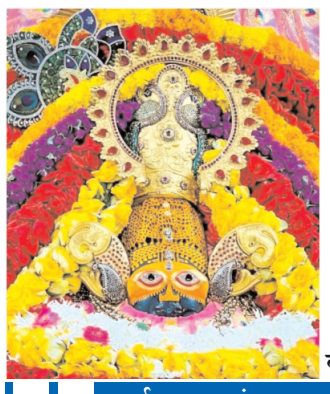

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:297। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 18 जून 2026 (गुरुवार) ||

सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

'भारत का इतिहास गुलामी का नहीं'

• बल्कि आक्रमणकारियों के खिलाफ निरंतर संघर्ष का है - मोहन भागवत

एजेंसी

उदयपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि भारत का इतिहास गुलामी का नहीं, बल्कि आक्रमणकारियों के खिलाफ निरंतर संघर्ष का है। भागवत ने कहा कि हल्दीघाटी का युद्ध केवल महाराणा प्रताप या उनकी सेना का संघर्ष नहीं था बल्कि यह पूरे समाज के सामूहिक प्रतिरोध का प्रतीक था। उपलब्ध ऐतिहासिक तथ्य और मुगल इतिहासकारों के विवरण से यह स्पष्ट होता है कि हल्दीघाटी की विजय महाराणा प्रताप की थी। भागवत बुधवार को उदयपुर के गांधी मैदान में महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती और हल्दीघाटी विजय की 450वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित 'राष्ट्र चेतना संकल्प सभा' ??को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धा और

गौरव के साथ मनाई जाती है। यह इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र उन महान हस्तियों को याद रखता है, जिन्होंने आत्मसम्मान, स्वतंत्रता और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष किया।

उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध में मुगल साम्राज्य सेना के आकार, संसाधनों और शस्त्रों के मामले में श्रेष्ठ था। महाराणा प्रताप के पास सीमित संसाधन थे, धन की कमी थी और उनकी सेना अपेक्षाकृत छोटी थी, फिर भी उन्होंने संघर्ष का मार्ग नहीं छोड़ा। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारतीय समाज ने कभी भी आसानी से अधीनता स्वीकार नहीं की है। जब भी किसी आक्रमणकारी ने इस भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया, प्रतिरोध की प्रक्रिया तुरंत शुरू हो गई। विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं को समय-समय पर एक विशिष्ट कथा के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। हल्दीघाटी के युद्ध के संदर्भ में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि मुगल इतिहासकारों के वृत्तांतों में स्वयं यह उल्लेख है कि युद्ध के दौरान मुगल सेना को पीछे हटने के लिए विवश होना पड़ा था। यदि मुगल सेना को संघर्ष के विभिन्न चरणों में निरंतर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और युद्ध के बाद भी वे भय और असुरक्षा की स्थिति में रहे, तो यह विचार करना आवश्यक है कि वास्तव में विजय किसकी हुई।

युद्ध की विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा कि प्रारंभिक आक्रमण के दौरान मुगल सेना को पीछे हटने के लिए विवश होना पड़ा था। दूसरे चरण में, महाराणा प्रताप की सेना के शौर्य का ऐसा प्रभाव पड़ा कि शत्रु पक्ष के प्रमुख योद्धाओं को भारी क्षति हुई। युद्ध के तीसरे चरण के बाद, मुगल सेना की हालत ऐसी हो गई थी कि वह खुलेआम आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं कर पा रही थी और उसने आत्मरक्षा पर ही ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने चेतक के असाधारण साहस और युद्ध कौशल की भी प्रशंसा की।

बंगाल के बांकुड़ा में तृणमूल कांग्रेस को झटका

मेयर अलका सेन मजूमदार ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

बांकुड़ा। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। राज्य में तृणमूल कांग्रेस को लगातार झटके लगने के बीच बांकुड़ा नगरनिगम की अलका सेन मजूमदार ने अचानक मेयर पद से इस्तीफा दे दिया। बुधवार को वह बांकुड़ा जिला एसडीओ को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस घटना को लेकर जिले की राजनीतिक अटकलें तेज हो गई हैं।

इस्तीफे के बाद अलका सेन मजूमदार ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी थी, उसे उन्होंने पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों और संगठन के निर्णय का सम्मान करते हुए मेयर पद से इस्तीफा दिया है।

साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में पार्टी उन्हें जो भी जिम्मेदारी सौंपेगी, वह उसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाएंगी। अलका सेन मजूमदार ने वर्ष 2022 में तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व में नगरनिगम बोर्ड के गठन के बाद मेयर का पद संभाला था। उनके कार्यकाल के दौरान बांकुड़ा नगरनिगम कई बार

विवादों और राजनीतिक खींचतान के कारण चर्चा में रहा। नगरनिगम बोर्ड के भीतर मतभेद, पार्षदों की नाराजगी और प्रशासनिक फैसलों को लेकर उठे सवालों ने कई बार संगठन और प्रशासन के सामने चुनौतियां खड़ी कीं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे समय में मेयर का इस्तीफा कई सवाल खड़े करता है, जब राज्य में तृणमूल कांग्रेस को लगातार संगठनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

हालांकि, अलका सेन मजूमदार ने अपने इस्तीफे को पूरी तरह व्यक्तिगत कारणों से जुड़ा बताया है, लेकिन विपक्षी दल इसे तृणमूल कांग्रेस के भीतर बढ़ते असंतोष से जोड़कर देख रहे हैं। फिलहाल, तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस मामले पर कोई विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं आई है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि पार्टी बांकुड़ा नगरनिगम के नए मेयर के रूप में किसे जिम्मेदारी सौंपती है और क्या यह इस्तीफा केवल व्यक्तिगत कारणों तक सीमित है या इसके पीछे कोई बड़ा राजनीतिक संदेश छिपा है।

जी-7 समिट - पीएम मोदी और जर्मन चांसलर मर्ज की अहम मुलाकात

व्यापार और रक्षा सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

एजेंसी

एवियन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को फ्रांस के एवियन में जी7 समिट के दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग को अधिक मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया। चांसलर मर्ज ने प्रधानमंत्री को इस साल के आखिर में जर्मनी में होने वाली 8वीं भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी बातचीत (आईजीसी) के लिए आमंत्रित किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी में आई नई गति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने व्यापार और

निवेश, रक्षा और सुरक्षा, हरित और टिकाऊ विकास, तकनीक, इनोवेशन, शिक्षा और आवाजाही के क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।

उन्होंने रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप पर हस्ताक्षर और जर्मनी से होकर गुजरने वाले भारतीय नागरिकों के लिए ट्रांजिट वीज़ा छूट को लागू करने का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

इनमें पश्चिम एशिया की स्थिति और रूस-यूक्रेन संघर्ष शामिल हैं। उन्होंने पश्चिम एशिया में संघर्ष को खत्म करने के लिए बनी सहमति का भी स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि भारत और जर्मनी 2026 में अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाएंगे। इस साल दोनों नेताओं के बीच यह दूसरी मुलाकात है।

बदायूं में हाईवे पर ट्रैक्टरों ने ई रिक्शा सवारों को रौंदा, छह महिलाओं की मौत

निर्माणाधीन हाइवे पर रेस लगाने के दौरान हुआ हादसा, दोनों चालक फरार

एजेंसी

बदायूं। उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले के उझानी कोतवाली क्षेत्र में बुधवार दोपहर को हाइवे पर रेस लगा रहे ट्रैक्टरों ने एक ई-रिक्शा को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में ई रिक्शा सवार छह महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं।

घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय और एसएसपी अंकिता शर्मा भी घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे की जानकारी ली। डीएम ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए है। ट्रैक्टर चालकों को पकड़ लिया गया है।

जिलाधिकारी राय ने बताया कि पुलिस की जांच में यह पता चला है

कि कछला और उझानी के बीच फूलपुर क्षेत्र में बुधवार दोपहर हाईवे पर दो ट्रैक्टर चालक रेस लगा रहे थे। इसी बीच तेज रफ्तार ट्रैक्टरों ने एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा पर सवार महिलाएं व अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा, जहां छह महिलाओं को मृत घोषित कर दिया गया। मरने वाली महिलाओं की पहचान कछला की मुरावन मोहल्ला निवासी राजकुमारी (55), गंगाश्री व रेवती (80), प्रेम देवी (45) नारायणी देवी (32) और आरती के रूप में हुई है। हादसे में रिक्शा चालक सनी (32), डाल सिंह (58) समेत तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

बदायूं में हुए भीषण पर पीएम मोदी और सीएम योगी ने जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुःख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर दुःख व्यक्त किया और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। पीएमओ के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के अकाउंट से प्रधानमंत्री की तरफ से लिखा गया कि उत्तर प्रदेश के बदायूं में हुए हादसे में लोगों की जान जाना बेहद दुखद है। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस घटना पर दुःख व्यक्त किया और अधिकारियों को इलाज की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। सीएम योगी ने 'एक्स' पर लिखा कि जनपद बदायूं में दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। उन्होंने आगे लिखा कि जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के लिए निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति, शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

मप्र विधानसभा के मानसून सत्र में पेश होगा यूसीसी विधेयक : मोहन यादव

'भगवान महाकाल ने चाहा तो विधानसभा के इसी सत्र में समान नागरिक संहिता विधेयक पारित होगा'

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विधानसभा के मानसून सत्र में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि बाबा महाकाल के आशीर्वाद से यह विधेयक इसी सत्र में पारित हो जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को विधानसभा परिसर में पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश नाथ काटजू की जयंती पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि विधानसभा के आगामी सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण और समसामयिक विषयों को लेकर आ रही है। उन्होंने कहा कि देश में एक समान कानून लागू करने की भावना में कुछ भी गलत नहीं है और यह समाज में समानता लाने का प्रयास है। उत्तराखंड, गुजरात और असम जैसे राज्यों में यूसीसी लागू

किया जा चुका है। मध्य प्रदेश भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। समान नागरिक संहिता को विधानसभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें जनजातीय समुदाय अलग रहेगा। कमेटी राय ले रही है। उन्होंने कहा कि भगवान महाकाल ने चाहा तो विधानसभा के इसी सत्र में समान नागरिक संहिता विधेयक पारित होगा और मध्य प्रदेश भी जल्द ही इस कानून को लागू करने वाला राज्य बन जाएगा।

मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। यह पांच दिवसीय सत्र 24 जुलाई तक चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा के अनुरूप प्रदेश में समान नागरिक संहिता की व्यवहारिकता जांचने और इसका मसौदा तैयार करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। इस समिति में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी शत्रुघ्न सिंह, कानूनी विशेषज्ञ अनूप नायर, शिक्षाविद् गोपाल शर्मा और सामाजिक कार्यकर्ता बुद्धपाल सिंह को शामिल किया गया है।

चेन्नई एयरपोर्ट पर करीब 5 करोड़ रुपये की क्रिस्टल मेथ बरामद

तस्कर पार्सल छोड़कर फरार

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग लगभग पांच करोड़ मूल्य की मेथामफेटामाइन (क्रिस्टल मेथ) की खेप जब्त की है। यह मादक पदार्थ एक लावारिस पार्सल से बरामद किया गया, जिसे विदेश भेजे जाने की योजना थी। घटना के बाद पार्सल छोड़कर फरार हुए लोगों की तलाश तेज कर दी गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, हवाई अड्डे पर नियमित जांच के दौरान कस्टम अधिकारियों को एक संदिग्ध लावारिस पार्सल मिला। संदेह होने पर जब उसकी गहन जांच की गई, तो उसमें बड़ी मात्रा में क्रिस्टल मेथ छिपी हुई पाई गई। इसके बाद नारकोटिक्स कंट्रोल और कस्टम विभाग की संयुक्त टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ को अपने कब्जे में ले लिया और

विस्तृत जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह खेप कार्गो विमान के माध्यम से मलेशिया भेजी जानी थी। मामले के खुलासे के बाद हवाई अड्डे पर यात्रियों और कार्गो सामान की जांच को और सख्त कर दिया गया है। अधिकारियों को आशंका है कि जांच की बढ़ती सख्ती के कारण तस्कर पार्सल छोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद हवाई अड्डे परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों के यात्रा विवरण और अन्य दस्तावेजों की भी बारीकी से जांच की जा रही है।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा समीक्षा करने केंद्रीय गृह मंत्रालय का प्रतिनिधिमंडल 20-21 जून को जम्मू-कश्मीर का करेगा दौरा

यह टीम 57 दिन की अमरनाथ यात्रा के लिए किए गए जमीनी इंतज़ामों की समीक्षा करेगी

एजेंसी

जम्मू। अमरनाथ यात्रा की तैयारियां अपने अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। ऐसे में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल 20 और 21 जून को जम्मू-कश्मीर का दौरा करेगा, ताकि सुरक्षा और दूसरे इंतज़ामों की समीक्षा की जा सके।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में सीआरपीएफ, बीएसएफ और एसएसबी समेत बड़े सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के डायरेक्टर जनरल और सीनियर ऑफिसर के अलावा इंटेलिजेंस ब्यूरो और होम मिनिस्ट्री के सीनियर ऑफिसर भी शामिल होंगे। यह टीम 57 दिन की अमरनाथ यात्रा के लिए किए गए जमीनी इंतज़ामों की समीक्षा करेगी, जो 3 जुलाई से शुरू होगी और 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षा बंधन के मौके पर संपन्न होगी। अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक लगभग 90 प्रतिशत सुरक्षा बलों की तैनाती की जा चुकी है, जबकि बाकी टुकड़ियां 20 जून से पहले अपनी-अपनी जगहों पर पहुंच जाएंगी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यात्रा के लिए पैरामिलिट्री फोर्स की 670 कंपनियों की तैनाती को मंजूरी दे दी है, जिसमें से ज़्यादातर जवान कश्मीर घाटी में तैनात किए गए हैं, ताकि मल्टी-लेयर सिक्योरिटी फ्रेमवर्क को मज़बूत किया जा सके। अभी श्रीनगर शहर के साथ-साथ अनंतनाग और गांदरबल दोनों रूट पर सिक्योरिटी ड्रिल की जा रही हैं। श्रीनगर शहर में होटलों और दुकानों की तलाशी ली जा रही है। हर आने-जाने वाले की भी तलाशी ली जा रही है। अधिकारी कई समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। यात्रियों के आने और यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन में लगातार बढ़ोतरी के साथ अधिकारियों को इस साल भक्तों की भारी भीड़ की उम्मीद है।

हर विधानसभा क्षेत्र में 'तेलंगाना पब्लिक स्कूल' खोले जाएंगे: मुख्यमंत्री रेड्डी

एजेंसी

हैदराबाद। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को रंगा रेड्डी जिले के अरुतला में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस राज्य द्वारा संचालित 'तेलंगाना पब्लिक स्कूल' (टीपीएस) का उद्घाटन किया। उन्होंने घोषणा की कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में एक टीपीएस स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये स्कूल छात्रों को खेलों का प्रशिक्षण भी देंगे ताकि भविष्य में भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ी तैयार हो सकें। इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना का भविष्य कक्षाओं में निहित है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का भविष्य कांच से सजे महलों या रंगीन दीवारों में नहीं है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि यह कक्षाओं में निहित है। मुख्यमंत्री ने 15 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित अरुतला टीपीएस को तेलंगाना के सभी सरकारी स्कूलों के छात्रों को समर्पित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसी भावना को राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे 27 लाख छात्रों के लाभ के लिए आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने विद्यालय परिसर का दौरा कर डिजिटल कक्षाओं, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, आधुनिक रसोई और भोजन कक्ष का निरीक्षण किया और छात्रों के साथ नाश्ता किया।

'एक देश, एक चुनाव', 'स्वदेशी' और नागरिक कर्तव्य विकसित भारत के आधारस्तंभ : शिवराज

'आज भारत विश्व मंच पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है'

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा महानगर द्वारा राजधानी पटना में आयोजित 'प्रबुद्ध सम्मेलन' को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व मंच पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। सम्मेलन में उपस्थित बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति राष्ट्र और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि लोग उन्हें मंत्री या बड़ा नेता कहते हैं, लेकिन वे स्वयं को हमेशा 'कार्यकर्ताओं का कार्यकर्ता' मानते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी पहचान है।

अपने संबोधन में उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पुनर्जागरण और विश्वगुरु बनने का जो सपना उन्होंने देखा था, वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत वैभवशाली, गौरवशाली, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

अहमदाबाद, (गुरुवार)
18 जून 2026

पानी के कनेक्शन का खुलासा? नगर निगम की जांच में अवैध कनेक्शन का पता चला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। पिछले कुछ दिनों से झालोद शहर के अलग-अलग इलाकों में पीने के पानी की दिक्कत और सही प्रेशर से पानी न मिलने की शिकायतें लगातार आ रही थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम की टीम ने पानी सप्लाई सिस्टम की जांच की और कुछ जगहों पर कथित 'घोस्ट' पानी के कनेक्शन सीधे मेन पानी सप्लाई लाइन से गैर-कानूनी तरीके से जुड़े हुए पाए गए। शुरुआती जांच के मुताबिक, यह पता चला है कि नगर निगम द्वारा मंजूर किए गए रेगुलर पानी के कनेक्शन के अलावा, कुछ जगहों पर सीधे मेन पानी की लाइन से बिना इजाज़त कनेक्शन किए गए हैं। जिससे दूसरे इलाकों में पानी का प्रेशर कम होने और पानी की सप्लाई पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। नगर पालिका ने श्याम विहार, पुष्पकुंज, हनुमान नगर, पुलिस लाइन, गवर्नमेंट कॉलोनी, सर्वोदय विशारा, ठक्कर बापा नगर और नंदनवन सोसायटी समेत कई इलाकों में रोज़ाना पानी की दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए जांच की। जांच के दौरान कुछ संदिग्ध और बिना इजाज़त के पानी के कनेक्शन मिले और पूरा मामला चर्चा का विषय बन गया है। ये बिना इजाज़त के पानी के कनेक्शन किसने और किस परमिशन के आधार पर दिए थे, यह अब जांच का मुख्य विषय बन गया है। शहरवासियों में यह भी बहस है कि क्या ऐसे कनेक्शन किसी ज़िम्मेदार व्यक्ति की जानकारी या सहयोग से दिए गए थे या कुछ लोगों ने अपनी मर्ज़ी से गैर-कानूनी तरीके से पानी की लाइन से कनेक्शन ले लिया था।

नगर पालिका के रिकॉर्ड के मुताबिक, पता चला है कि इस बात की जांच की जा रही है कि इन कथित गैर-कानूनी कनेक्शन वाले ग्राहक पानी का टैक्स देते हैं या नहीं, और क्या नगर पालिका को रेवेन्यू का नुकसान हुआ है। अगर गैर-कानूनी कनेक्शन से रेगुलर पानी इस्तेमाल किया जा रहा है और बदले में कोई टैक्स या चार्ज नहीं दिया गया है, तो इसे नगर पालिका के रेवेन्यू की संभावित चोरी माना जा सकता है। हालांकि, इस मामले पर आखिरी फैसला ऑफिशियल जांच के बाद ही साफ हो पाएगा। नगर निगम के सूत्रों के मुताबिक, जांच में जो लोग गैर-कानूनी तरीके से पानी के कनेक्शन लेते पाए जाएंगे, उनके खिलाफ नियमों और कानूनी प्रावधानों के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही, ऐसे बिना इजाज़त वाले कनेक्शन हटाने और पानी की सप्लाई सिस्टम को ठीक करने की कोशिश की जाएगी। शहरवासियों की मांग है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की जाए और अगर कोई व्यक्ति या जिम्मेदार लोग इसमें शामिल पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ भी उचित कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं में गड़बड़ी को रोका जा सके।*

झालोद में नया पानी का कनेक्शन तैयार, लेकिन 27 दिन से बिजली कनेक्शन नहीं,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

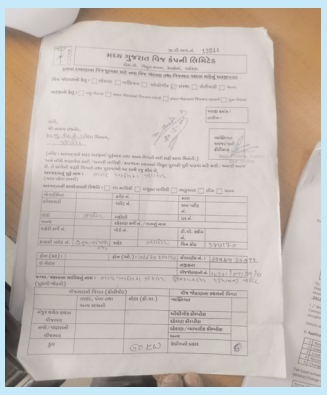

झालोद। झालोद शहर में वनकटलाई मंदिर के पास नगर पालिका ने आस-पास के इलाकों में रेगुलर और सही प्रेशर से पीने का पानी देने के लिए एक नया पानी का कनेक्शन बनाया है। उम्मीद है कि इस कनेक्शन के चालू होने के बाद कई इलाकों में पानी की सप्लाई की समस्या हल हो जाएगी। हालांकि, बिजली कनेक्शन न होने की यह पब्लिक बेनिफिट वाली सुविधा अभी तक शुरू नहीं हो पाई है। दाहोद जिले के MP ने भी इस नए पानी के कनेक्शन का दौरा किया और संबंधित अधिकारियों को पब्लिक वेलफेयर के इस ज़रूरी प्रोजेक्ट को तुरंत लागू करने के निर्देश दिए। हालांकि, कनेक्शन आज तक शुरू नहीं हुआ है। नगर पालिका ने 60 KV पावर कनेक्शन के लिए MGVCL को 20-05-2026 को अप्लाई किया था। लेकिन एप्लीकेशन के 27 दिन पूरे होने के बावजूद बिजली कनेक्शन नहीं मिला है। इस वजह से, लोगों की भलाई के लिए बनाई गई स्कीम बेकार पड़ी है। MGVCL की परफॉर्मेंस पर सवाल उठ रहे हैं क्योंकि पानी जैसी ज़रूरी और प्राइमरी सुविधाओं वाले प्रोजेक्ट्स को भी समय पर बिजली कनेक्शन नहीं मिल रहे हैं। लोकल लोगों के मुताबिक, अधिकारी बार-बार 'आज या कल कनेक्शन मिल जाएगा' जैसे जुबानी भरोसे दे रहे हैं, लेकिन असल काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है। गर्मी की इस चिलचिलाती धूप में पानी की डिमांड बढ़ गई है। अगर ऐसे समय में नई पानी की स्कीम शुरू हो जाती है, तो कई इलाकों में पानी की सप्लाई ज़्यादा सही और प्रेशर से हो सकती है। लेकिन, सिर्फ़ बिजली कनेक्शन में हो रही देरी की वजह से लोगों को इसका फ़ायदा नहीं मिल पा रहा है। लोगों की सुविधा के लिए करोड़ों रुपये की लागत से बनाई गई पानी की स्कीम समय पर चालू नहीं हो पा रही है, जिससे लोगों में नाराज़गी है। अगर पानी जैसी बेसिक सुविधा के लिए भी बिजली कनेक्शन मिलने में हफ़्तों की देरी हो रही है, तो सिस्टम के काम करने के तरीके पर गंभीर सवाल उठते हैं। लोगों ने MGVCL के बड़े अधिकारियों से तुरंत दखल देने की मांग की है ताकि नई पानी की सप्लाई के लिए बिजली कनेक्शन दिया जा सके और लोगों के हित की इस ज़रूरी सुविधा को जल्द से जल्द शुरू किया जा सके।

सिविल हॉस्पिटल में असामाजिक तत्वों का आतंक: मरीज़ और डॉक्टर डर के साये में!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। एक गंभीर स्थिति पैदा हो गई है जहाँ सिविल हॉस्पिटल, जहाँ गरीब और ज़रूरतमंद मरीज़ ठीक होने की उम्मीद में आते हैं, अब असामाजिक तत्वों का अड्डा बन गया है। हॉस्पिटल परिसर में असामाजिक और असामाजिक तत्वों के आतंक के कारण मरीज़, उनके रिश्तेदार और ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ़ बहुत डर के साये में जी रहे हैं। मारपीट और तोड़फोड़ की लगातार घटनाओं ने हॉस्पिटल प्रशासन और स्थानीय पुलिस के सुरक्षा इंतज़ामों को अस्त-व्यस्त कर दिया है।

इमरजेंसी के दौरान डॉक्टरों पर हमले और धमकियाँ मिली जानकारी के अनुसार, असामाजिक तत्वों द्वारा परेशान करने की सबसे आम जगह हॉस्पिटल का ट्रॉमा सेंटर (इमरजेंसी वार्ड) और OPD एरिया है। अक्सर सिविल हॉस्पिटल में शराब के नशे में या किसी आपसी झगड़े की वजह से इलाज के लिए आने वाले लोग वहां मौजूद डॉक्टरों पर जल्दी इलाज करने का दबाव बनाते हैं। अगर मेडिकल स्टाफ नियम के हिसाब से काम करता है, तो उनके साथ गाली-गलौज की जाती है, जान से मारने की धमकी दी जाती है और कभी-कभी तो ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों पर जानलेवा हमले भी किए गए हैं। इस गुंडागर्दी की वजह से डॉक्टरों को अक्सर हड़ताल पर जाना पड़ता है, जिसका सीधा असर गरीब मरीजों के इलाज पर पड़ता है। सिविल हॉस्पिटल के बड़े कैंपस में असामाजिक तत्व रात में अंधेरे का फायदा उठाकर चोरी, डकैती और छेड़छाड़ जैसी वारदातों को अंजाम देते हैं। दूर-दराज के गांवों से आकर बरामदे या खुले में सोने वाले गरीब मरीजों के रिश्तेदारों के मोबाइल फोन, कैश और कीमती सामान की चोरी यहां रोज की बात हो गई है। महिला मरीजों और महिला स्टाफ की सुरक्षा को भी बड़ा खतरा है। हॉस्पिटल की सुरक्षा के लिए तैनात प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड इन असामाजिक तत्वों के सामने पूरी तरह बेबस नजर आते हैं। चूंकि गार्ड के पास कोई हथियार या अधिकार नहीं होता, इसलिए जब भी कोई बड़ा हंगामा होता है, तो वे भी अपनी जान बचाने के लिए एक तरफ हट जाते हैं। लोगों का आरोप है.

मेहसाणा खाकी की इज़्ज़त नीलाम

SP और LCB PI के 'वहिवटदार' ने पूरे ज़िले को शराब और जुए का अड्डा बना दिया!

करोड़ों के 'हप्ता राज' का सनसनीखेज खुलासा: पुलिसकर्मी तरुण डाभी के 'दूसरे SP जैसे रुआब और बदनाम बूटलेगर इमरान सलाखों के पीछे से पूरा नेटवर्क चलाते हैं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

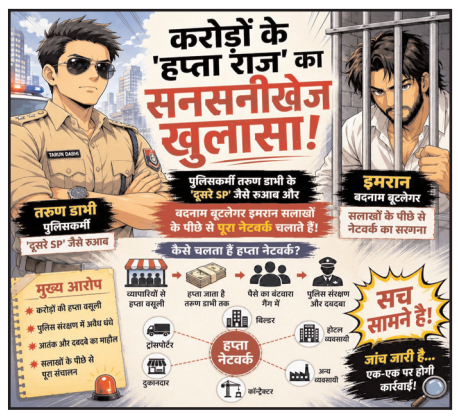

मेहसाणा। क्या ज़ाकिर-यूसुफ़ के लाखों के जुए के अड्डे और केमिकल वाली ज़हरीली शराब से मेहसाणा में एक और लट्ठा कांड की तैयारी हो रही है? सबूत देने के बाद भी SMC, रेंज IG और हायर वहिवटदार चुप क्यों हैं? क्या पूरा सिस्टम ही काला है? महानगर मेट्रो टीम एक बहुत ही चौंकाने वाला और चौंकाने वाला खुलासा करने जा रही है जो गुजरात में शराबबंदी के सख्त कानूनों की पोल खोल देगा। गांधीनगर की नाक के नीचे बसा मेहसाणा ज़िला अब असामाजिक गतिविधियों और अपराधियों का अड्डा बन गया है। पिछले कुछ सालों से मेहसाणा में विदेशी शराब, केमिकल वाली देसी शराब और हाई-प्रोफाइल जुए के अड्डे बिना किसी डर के यहां-वहां घूम रहे हैं। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि वहां के लोग अब मेहसाणा को 'मिनी गोवा' कहने लगे हैं! सवाल उठता है कि गांधीनगर के इतने पास इतना बड़ा पाप किसके आशीर्वाद से हो रहा है? तो सुनिए... गंभीर आरोप लगे हैं कि मेहसाणा जिले के कथित वहिवटदार SP हिमाशु सोलंकी, LCB PI कामड़िया और रेंज ढ्ढत्र इस पूरे रैकेट और काली कमाई में सीधे तौर पर शामिल हैं। खाकी की आड़ में चल रहे करोड़ों रुपये के इस वसूली के साम्राज्य का असली चेहरा अब सामने आ गया है। सूत्रों से मिली तीखी जानकारी के मुताबिक, इस पूरे नेटवर्क का कम्युनिकेशन दो कथित वहिवटदार के हाथ में है तरुण डाभी (पुलिस ऑफिसर) वह पुलिस डिपार्टमेंट में काम करते हैं, लेकिन पूरे जिले में वहिवटदार के नाम से जाने जाते हैं। इनका हुलिया जिले के 'दूसरे SP जैसा है! करोड़ों के इस राज में अंधे हो चुके इस पुलिस अधिकारी के बारे में चर्चा है कि इसने अपने स्वार्थ के लिए कई ईमानदार

पुलिस कर्मियों की बलि चढ़ा दी है। पूरा शक है कि सालों से तानाशाही राज चलाने वाले तरुण डाभी के पीछे किसी बड़े नेता का हाथ है। बूटलेगर इमरान इस पूरे मामले का सबसे बड़ा और शर्मनाक खुलासा यह है कि इमरान, जिस पर कथित तौर पर पूरी रेंज का चार्ज है, इस समय कडी सब जेल में बंद है! यह बड़ा शराब बूटलेगर भले ही सलाखों के पीछे है, लेकिन जेल के अंदर उसे AC, TV समेत हर तरह की VIP सुविधाएं दी जा रही हैं। यह अपराधी जेल के अंदर बैठकर ही पूरा नेटवर्क चला रहा है और बड़े अधिकारी चुपचाप सहमति दे रहे हैं नंदासन पुलिस एरिया (राजपुर गांव) कलापी होटल के पीछे एक खुले मैदान में, ज़ाकिर और यूसुफ नाम के लोग राजकोट, अहमदाबाद और नॉर्थ गुजरात के बड़े जुआरियों को करोड़ों का हाई-प्रोफाइल जुआ खेलने के लिए बुलाते हैं। सनसनीखेज आरोप है कि इस अड्डे को चलाने के लिए एडमिनिस्ट्रेटर तरुण डाभी को सीधे 1,00,000 (एक लाख) रुपये की रोज़ाना की किश्त दी जा रही है। बावलू पुलिस लिमिट (लोर गांव): रमेश ठाकोर ठाकोरवास के बगल में एक खुले मैदान में बड़े पैमाने पर जुए का अड्डा चलाता है, जिसकी रोज़ाना की किश्त 1,50,000 (डेढ़ लाख) रुपये बताई जाती है। गोज़रिया रेलवे गेट यहां, बेचर ठाकोर ठाकोरवास के पास खुलेआम और सरेआम अंग्रेजी शराब बेचता है। भैसरिया और लिंच गांव: भैसरिया में विरसंगजी ठाकोर और लिंच गांव में सुरेश ठाकोर खाकी के डर के बिना अंग्रेजी शराब का काला धंधा चला रहे हैं। राजस्थान के 'बिश्नोई गैंग' और आशु अग्रवाल से सीधा कनेक्शन? आरोपों का लिंक इतना मज़बूत है कि कथित वहिवटदार तरुण डाभी पूरे ज़िले में शराब की तस्करी के लिए राजस्थान के बदनाम माफिया के सीधे संपर्क में है। आबू के आशु अग्रवाल और सांचोर के बदनाम 'बिश्नोई गैंग' से कंटेनर और लग्ज़री कारों में भरकर शराब मेहसाणा की सीमाओं में तस्करी की जाती है। चूंकि इस काले धंधे से हर महीने करोड़ों रुपये इकट्ठा होते हैं और 'एडमिनिस्ट्रेशन' रेंज IG, मेहसाणा ज़िला पुलिस चीफ़ और LCB PI तक जाता है, इसलिए ज़िले के किसी भी पुलिस स्टेशन में इन ठिकानों पर रेड करने की हिम्मत नहीं है!

केमिकल वाली देसी शराब की भट्टियां: क्या एक और लट्ठा कांड करने का प्लान है?

अंग्रेजी शराब तो ठीक है, लेकिन ज़िले में जगह-जगह देसी शराब की भट्टियां भी फल-फूल रही हैं, जिनमें इंसानी जान को खतरे में डालने वाले जानलेवा केमिकल का इस्तेमाल हो रहा है। अगर इस ज़हरीली केमिकल वाली शराब की वजह से मेहसाणा ज़िले में दंगा होता है और गरीब और बेगुनाह लोग मरते हैं, तो इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है? SP हिमाशु सोलंकी, LCB PI कामड़िया या रेंज IG?

महानगर मेट्रो के प्रेजेंटेशन के बावजूद सिस्टम गहरी नींद में है! क्या पूरी दाल ही काली है?

महानगर मेट्रो टीम ने इस गंभीर और ज्वलंत स्थिति के बारे में LCB PI कामड़िया के सामने काफ़ी सबूतों के साथ जुबानी प्रेजेंटेशन दिया। इतना ही नहीं, ज़िला पुलिस चीफ़ को खुद जाकर बताने के अलावा, सभी सही सबूतों के साथ ईमेल से भी एक लिखी हुई शिकायत भेजी गई। इसके अलावा, गांधीनगर स्टेट मॉनिटरिंग सेल को भी इस बारे में बताया गया। लेकिन सबसे शर्मनाक और शक की बात यह है कि इतने दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक एक भी जगह कोई एक्शन नहीं लिया गया है! यह रहस्यमयी चुप्पी साबित करती है कि मेहसाणा पुलिस और शराब तस्करों के बीच कितनी गहरी मिलीभगत है। यहाँ दाल में कुछ भी काला नहीं है, पूरी दाल ही काली है! पुलिस डिपार्टमेंट पर दाग बन चुके एडमिनिस्ट्रेटर तरुण डाभी और जेल से पूरा रैकेट चला रहे इमरान के खिलाफ तुरंत जांच की ज़रूरत है। अगर राज्य के पुलिस चीफ और राज्य अगर मॉनिटरिंग सेल इस पूरे एक्सटॉर्शन स्कैम की निष्पक्ष जांच करे, तो खाकी वर्दी के पीछे छिपे कई बड़े सिर सलाखों के पीछे जा सकते हैं। क्या होम डिपार्टमेंट और राज्य सरकार इन कथित वहिवटदार और पूरे एक्सटॉर्शन रैकेट पर बुलडोजर चलाएगी? या मेहसाणा में कानून का झंडा खुलेआम लहराता रहेगा? जनता अब दहशत में है और जवाब मांग रही है!

कोटडा संगानी के सिसक गांव के पास भादर नदी के किनारे अवैध रेत खनन पकड़ा गया: ग्रामीण SOG की रेड, ट्रैक्टर और एक्सकेवेटर ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट के ग्रामीण इलाके में पुलिस ने खनिज चोरों पर नज़र रखी हुई है। राजकोट रेंज के ढ्ढत्र निर्लिप्त राय और ज़िला पुलिस प्रमुख विजय सिंह गुर्जर के निर्देशों और गाइडेंस में, अवैध खनन और ट्रांसपोर्टेशन की गतिविधियों को खत्म करने के लिए एक खास अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत, जब स्ह्वत्र ब्रांच के अधिकारी और कर्मचारी कोटडा संगानी इलाके में गश्त पर थे, तो हेड कांस्टेबल रणजीतसिंह धांधल और विपुलभाई गोहिल को प्राइवेट तौर पर यह खास जानकारी मिली कि कोटडा संगानी तालुका के सिसक गांव के बाहरी इलाके में भादर नदी के पास अवैध रेत खनन और ट्रांसपोर्टेशन की गतिविधियां चल रही हैं। इस जानकारी के आधार

पर, टीम ने तुरंत एक सफल रेड मारी। पुलिस ने मौके से आरोपी जनकभाई बावाभाई डोवे (निवासी गांव-सतापर, ता. कोटडा सांगाणी), जो रेत का गैर-कानूनी खनन और ट्रांसपोर्ट कर रहा था, को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। इस रेड के दौरान, पुलिस ने मौके से गैर-कानूनी खनन में इस्तेमाल होने वाली दो गाड़ियां, जिसमें एक ट्रैक्टर और एक एक्सकेवेटर शामिल है, जब्त की हैं। इन सभी गाड़ियों को रूङ्क. एक्ट (स्ङ्क.ष्ह्) 207 के तहत हिरासत में लिया गया है, और आगे के जुर्माने और कंपाउंडिंग फाइन के लिए रिपोर्ट देने के बाद, उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भूस्तर शास्त्री श्री, माइंस एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट, राजकोट को सौंप दिया गया है। यह सफल ऑपरेशन PI F.A. पारगी, PSI G.J. ज़ाला, और P.B. मिश्रा और हेड कांस्टेबल मयूरभाई विरदा ने किया। इस पूरे ऑपरेशन में सटीक खुफिया जानकारी हासिल करने में रणजीत सिंह धांधल और विपुलभाई गोहिल ने अहम भूमिका निभाई।

डभोई के अहम तरसाना चौराहे से दिशा बताने वाला साइनबोर्ड गायब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। डभोई का सबसे व्यस्त और अहम तरसाना चौराहा हाल ही में एक्सीडेंट ज़ोन और गाड़ी चलाने वालों के लिए कंफ्यूजन का सेंटर बन गया है। दस दिन पहले आए तूफ़ान की वजह से यहां लगा दिशा बताने वाला साइनबोर्ड (जिस पर वाघोडिया लिखा था, इस तरफ जाएं) गिर गया और तब से वहां से गायब है। इस घटना को 10 दिन जैसा लंबा समय बीत जाने के बाद भी स्टेट हाईवे डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने नया बोर्ड लगाने की ज़हमत नहीं उठाई है। डभोई का तरसाना चौराहा सिर्फ़ एक लोकल जंक्शन नहीं है, बल्कि वाघोडिया, बोडेली, वडोदरा और डभोई जाने वाली सड़कों समेत चार अहम रास्तों को जोड़ने वाला मेन लिंक है। यहां से दिन-रात हज़ारों गाड़ियां गुज़रती हैं। लोकल लोगों को तो रास्ता पता है, लेकिन बाहर के इलाकों से आने वाले ड्राइवरों को रात में बहुत परेशानी होती है। डायरेक्शन बोर्ड न होने की वजह से ड्राइवर गलत रास्ता पकड़ लेते हैं या रास्ता ढूंढने के लिए अपनी गाड़ियां बीच रास्ते में खड़ी करनी पड़ती हैं। इस मेन चौराहे पर पहले भी कई छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं। रात के अंधेरे में बिना डायरेक्शन वाली गाड़ियां अचानक ब्रेक लगा देती हैं या गलत दिशा में मुड़ जाती हैं, जिससे गंभीर हादसों का खतरा लगातार बना रहता है।

पहली नज़र के प्यार का दुखद अंत: प्रिंसिपल ने खुद अपनी टीचर पत्नी को पत्थर मारकर मार डाला, पेट्रोल डालकर जला दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। गुजरात में लव मैरिज के पवित्र रिश्ते को कलंकित करने वाला एक बहुत ही सनसनीखेज और बेरहमी से किया गया मर्डर सामने आया है। जिसमें एक स्कूल के प्रिंसिपल ने खुद अपनी टीचर पत्नी को पत्थर मारकर बेरहमी से मार डाला। इतना ही नहीं, गुनाह छिपाने के लिए कातिल पति ने अपनी पत्नी के शरीर पर पेट्रोल डालकर जला दिया। हालांकि, वह कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सका। पति के शरीर पर रहस्यमयी चोट के निशान और मोबाइल लोकेशन ने पुलिस के सामने इस पूरे भयानक मर्डर केस को सामने ला दिया है। लव मैरिज के बाद परिवार में झगड़ा सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक टीचर और उसके प्रिंसिपल पति को कुछ समय पहले पहली नज़र में प्यार हो गया था और फिर दोनों ने बड़ी धूमधाम से शादी कर ली। हालांकि दोनों शिक्षा जगत से जुड़े हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से परिवार की बातों को लेकर उनके बीच काफी झगड़ा और बहस होती रहती थी। किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था घटना की जानकारी यह है कि पति अपनी पत्नी को एक सुनसान और सुनसान जगह पर ले गया था। वहां दोनों के बीच तीखी बहस हो गई। गुस्से में प्रिंसिपल पति ने वहां पड़े भारी पत्थरों को अपनी पत्नी के सिर और शरीर पर फेंक दिया, जिससे टीचर पत्नी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। उसकी पहचान छिपाने और सबूत मिटाने के लिए कातिल ने अपने साथ लाया पेट्रोल लाश पर छिड़ककर आग लगा दी। शुरू में पति ने पुलिस को गुमराह करने की पूरी कोशिश की और पूरी घटना को हादसा या लेकिन वह पुलिस की पैनी नज़रों से बच नहीं सका शरीर पर चोट के निशानि कए गए.

किसान कांग्रेस पूरे देश में आर-पार के मूड में: 30 जून को पूरे गुजरात में नाकाबंदी, AAP और BJP पर तीखे हमले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। किसानों के अधिकार सत्याग्रह के बाद अब गुजरात में किसानों के पेंडिंग मुद्दों को लेकर किसान कांग्रेस की तरफ से लंबे और पक्के संघर्ष का ऐलान किया गया है। अखिल भारतीय सेवा दल के नेशनल प्रेसिडेंट लालजीभाई देसाई और गुजरात प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रेसिडेंट जयेश पटेल ने एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में अगली स्ट्रैटेजी का ऐलान किया है, जिसमें 30 जून को पूरे राज्य में सड़कें जाम करने के बड़े प्रोग्राम का ऐलान किया गया है। AAP BJP की टीम साबित हुई, पीठ में छुरा घोंपा: लालजीभाई देसाई आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए अखिल भारतीय सेवा दल के नेशनल प्रेसिडेंट लालजीभाई देसाई ने कहा किसान आंदोलन में साफ तौर पर BJP की B टीम साबित हुई है। कांग्रेस के साथी पिछले 6 महीने से गांव-गांव जाकर किसानों से मिल रहे हैं और सोमनाथ से टंकारा तक ट्रैक्टर यात्राएं निकाल चुके हैं। खेतों के बीच सोने की थाली में लोहे की कील लगाकर सरकार ने जो नाइंसाफी की है, उसके खिलाफ हमारी लड़ाई की वजह से ही 38 लाख रुपये प्रति पोल की जगह 55 लाख रुपये प्रति बिजली पोल का ऑफर दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि बिजली के पोल लगाने में किसानों के साथ मनमानी नहीं की जाएगी। 2013 के कानून के मुताबिक, जमीन की कीमत बाजार भाव से 4 गुना होनी चाहिए। जब ??किसान कांग्रेस संघर्ष समिति के तत्वावधान में 1111 ट्रैक्टर रैली का ऐलान हुआ तो बीजेपी और उसके सहयोगी संगठन भारतीय किसान संघ ने हंगामा खड़ा कर दिया। हमने आम आदमी पार्टी से साफ कह दिया था कि अगर सपोर्ट करना है तो किसानों के खेतों में जाकर दो, लेकिन अगले ही दिन ट्रैक्टर रैली में शामिल होने का ऐलान करके आपने सिर्फ पॉलिटिकल स्टंट किया है और किसानों की पीठ में छुरा घोंपा है। हम शांत रहे ताकि पुलिस और किसानों के बीच लाठीचार्ज न हो और मर जवान, मर किसान जैसी स्थिति पैदा न हो। पहले लालजी देसाई या पालभाई अंबलिया जेल गए होंगे, लेकिन हमने किसानों पर कोई जुल्म नहीं होने दिया। भले ही पालभाई अंबलिया को चूने से बांधकर पीटा गया, हमने किसानों पर कोई असर नहीं होने दिया। अब हमें आप पर कोई भरोसा नहीं है। हम किसानों के मुद्दे पर जान से मारने की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं और सरकार को घेरने का पक्का इरादा कर लिया है। अब से सारी लड़ाइयों का नेतृत्व किसान कांग्रेस करेगी। जिन्हें हम पर भरोसा है वे हमारे साथ आ सकते हैं, बाकी किसी दूसरी पार्टी में जा सकते हैं, लेकिन हम लड़ते रहेंगे। गुजरात प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष जयेश पटेल ने आने वाले आंदोलन की रूपरेखा बताते हुए कहा कि किसानों के मुद्दों पर एक बड़ा आंदोलन बना था, लेकिन आम आदमी पार्टी ने इस आंदोलन को गुमराह करने की कोशिश की। 15 जून की प्लानिंग अधूरी नहीं है, बल्कि अब और भी खास प्लान बनाए जाएंगे। किसानों के मसलों को सुलझाने के लिए किसान कांग्रेस पहले तालुका लेवल पर अर्जी और धरना प्रदर्शन करेगी और उसके बाद फिर से एक बड़ी किसान ट्रैक्टर रैली निकाली जाएगी। उन्होंने साफ ऐलान किया कि 30 जून को पूरे राज्य में चक्का जाम प्रोग्राम किया जाएगा। किसान कांग्रेस तब तक लड़ती रहेगी जब तक किसानों के ज़रूरी मसले पूरी तरह से हल नहीं हो जाते। हम असेंबली घेरने नहीं जा रहे हैं बल्कि सरकार को अल्टीमेटम देने जा रहे हैं। हमने पहले ही साफ कर दिया था कि हम कानून अपने हाथ में नहीं लेंगे, क्योंकि आंदोलन की एक खास पॉलिसी होती है, हम गोडसे की पॉलिसी से नहीं लड़ने जा रहे हैं। ओगंज वाली जगह सिर्फ आराम करने के लिए थी, लेकिन आम आदमी पार्टी ने किसानों को यह कहकर गुमराह किया कि वहां मीटिंग है। वे लाठीचार्ज करने और राज्य में अफरा-तफरी मचाने की कोशिश कर रहे थे।

आज़ादी के 78 साल बाद भी गांव अंधेरे में जी रहे हैं! मीराखेड़ी-कलीगाम के कई गांवों में बिजली नहीं, बच्चों का विकास और डिजिटल भविष्य दोनों अंधेरे में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोद। एक तरफ देश 'डिजिटल इंडिया', 'स्मार्ट विलेज' और मॉडर्न डेवलपमेंट की बात कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ दाहोद जिले के मीराखेड़ी, कलीगाम और आस-पास के गांवों के कई परिवार आज भी बिजली जैसी बेसिक सुविधाओं से महरूम हैं। आज़ादी के 78 साल पूरे होने के बावजूद भी कई घरों में अभी तक बिजली नहीं पहुंची है, जिससे गांव वालों में बहुत गुस्सा और निराशा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बिजली विभाग, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को कई बार लिखकर और बोलकर बताने के बाद भी समस्या का कोई पक्का हल नहीं निकला है। नतीजतन, 100 से ज़्यादा परिवार आज भी अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। डिजिटल ज़माने में मोबाइल फ़ोन चार्ज करने के लिए भी भटकना पड़ता है। आज मोबाइल फ़ोन पढ़ाई, जानकारी और सरकारी

सर्विस पाने का एक ज़रूरी ज़रिया बन गया है। लेकिन बिजली न होने की वजह से गाँव वालों को अपने मोबाइल फ़ोन चार्ज करने के लिए दूसरे गाँव या जान-पहचान वालों के घर जाना पड़ता है। जहाँ पूरी दुनिया टेक्नोलॉजी के साथ आगे बढ़ रही है, वहीं इस इलाके के लोग आज भी बेसिक सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं। बिजली न होने की वजह से स्टूडेंट्स को रात में पढ़ाई करने में बहुत दिक्कत होती है। चाहे एग्जाम की तैयारी हो या ऑनलाइन पढ़ाई, बिना बिजली वाले बच्चे दूसरे स्टूडेंट्स से पीछे रह जाते हैं। डिजिटल पढ़ाई के ज़माने में इन बच्चों को इंटरनेट, ऑनलाइन क्लास और टेक्नोलॉजी से दूर रहना पड़ता है, जो उनके हर तरह के विकास में रुकावट बन रहा है। अंधेरे में खाना बनाना, बच्चों और बुज़ुर्गों का ध्यान रखना और रात में कीड़ों और ज़हरीले जानवरों का डर - यह सब गाँव वालों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बन गया है। खासकर महिलाओं को शाम के बाद ज़्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। गाँव वालों के मुताबिक, कुछ साल पहले मीराखेड़ी में एक मॉडल स्कूल बनाया गया था। प्रभावित इलाके से सिर्फ़ 500 मीटर दूर इस स्कूल में बिजली की सुविधा है, लेकिन आस-पास रहने वाले गरीब परिवारों के घरों में बिजली नहीं पहुंची है। यह बात विकास के दावों पर कई सवाल खड़े कर रही है। सरकार हर घर में बिजली पहुंचाने का दावा करती है, लेकिन मीराखेड़ी और कलिगाम की झुग्गियों में आज भी अंधेरा पसरा हुआ है। इन परिवारों को भले ही विकास के आंकड़ों में शामिल किया गया हो, लेकिन असल में इनके घरों में अभी तक एक भी बल्ब नहीं जला है। सवाल यह है कि विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच क्या ये परिवार आज भी सरकारी सिस्टम की नज़र से दूर हैं? इस बारे में मीडिया टीम ने MGVCL के एक अधिकारी से संपर्क किया। उन्होंने कहा कि तुरंत सर्वे किया जाएगा और नियम के मुताबिक सभी योग्य घरों में बिजली पहुंचाने के लिए ज़रूरी कार्रवाई की जाएगी। प्रभावित गांववालों ने मांग की है कि तुरंत सर्वे किया जाए और सभी घरों में बिजली पहुंचाई जाए। गांववालों का कहना है कि अब सिर्फ़ भरोसे की नहीं, बल्कि असल में कार्रवाई की ज़रूरत है ताकि उनके बच्चे भी डिजिटल युग से जुड़ सकें और गांवों से अंधेरा खत्म हो।

संक्षिप्त न्यूज

अहमदाबाद ट्रैफिक पुलिस एक बार फिर रिश्वतखोरी के विवाद में फंस गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। हाटकेश्वर बीट ट्रैफिक चौकी पर तैनात एक पुलिसकर्मी को वाहन चालक से 500 रुपये की रिश्वत लेते हुए कैमरे में रंगे हाथों कैद किया गया है। मीडियाकर्मियों द्वारा किए गए एक रियलिटी चेक के दौरान यह भ्रष्टाचार सामने आया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस चौकी पर आए दिन वाहन चालकों को डरा-धमकाकर 100, 200 और 500 रुपये की अवैध वसूली की जाती है।

आपसी सहमति से पार्टनर की अदला बदली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। आजकल 'वाइफ स्वैपिंग' (पत्नियों की अदला-बदली) को लेकर काफी बहस छिड़ी है। सवाल यह उठ रहा है कि इसे 'हस्बैंड स्वैपिंग' क्यों नहीं कहा जाता? पुरुष पार्टनर बदले तो समाज उसे सामान्य मानता है, लेकिन महिला बदले तो संस्कृति खतरे में आ जाती है। दुनिया के किसी कानून में इसे मान्यता नहीं है, लेकिन पति-पच्ची दोनों की आपसी सहमति (कंसेंट) होने के कारण पुलिस केस होना मुश्किल होता है। महानगरों में सीक्रेट या स्वैपिंग पार्टियों के नाम पर यह आज भी चलता है। जहाँ चाबियाँ बदलकर दूसरे की पत्नी के साथ रात बिताई जाती थी। इस्लाम में भी एक से अधिक पार्टनर के उदाहरण मिलते हैं।

गीर में थार गाड़ी से अवैध सिंह दर्शन का भंडाफोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गीर. सोमनाथ के संरक्षित जंगल में अवैध रूप से सिंह दर्शन (लायन शो) कराने का एक गंभीर मामला सामने आया है। वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध बिना नंबर प्लेट वाली थार गाड़ी को जब्त किया है। जब्त की गई इस लग्जरी थार गाड़ी पर 'मोरबी शहर भाजपा मंत्री' का बोर्ड लगा हुआ पाया गया है। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए गाड़ी पर नंबर प्लेट तो नहीं थी, लेकिन रौब जमाने के लिए राजनीतिक पद का बोर्ड जरूर लगा था। आम जनता में काफी गुस्सा है।

सूरत में डिमोलिशन के बाद महिलाओं की बदहाली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत . विवादित डिमोलिशन (तोड़फोड़) के बाद पीड़ित परिवारों की स्थिति बेहद खराब हो गई है। पिछले 15 दिनों से बेघर हुए लोग, खासकर महिलाएं और बच्चे, खुले में शौच जाने को मजबूर हैं। इससे स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्वच्छ भारत मिशन पर उठे सवाल पीड़ित महिलाओं ने भारी आक्रोश जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नारा 'घर-घर शौचालय' का था, लेकिन सूरत कॉर्पोरेशन की कार्रवाई के कारण उनका सब कुछ छिन गया है। पिछले 15 दिनों से कोई भी अधिकारी उनकी सुध लेने नहीं आया है, जिससे महिलाओं को बेहद शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। मोबाइल टॉयलेट की मांग पीड़ितों ने प्रशासन से तुरंत पीने के पानी और मोबाइल टॉयलेट है।

22 साल की महिला ने परिवार को फोन किया- 'मैंने ज़हर पी लिया'

डेढ़ साल की बेटी के साथ भावनगर से सूरत आकर जान दे दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत के वराछा इलाके में उमियाधाम मंदिर के पास एक बहुत ही दुखद और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। भावनगर से अपनी डेढ़ साल की मासूम बेटी के साथ सूरत आई 22 साल की महिला ने ज़हर निगलकर अपनी जान दे दी है। आत्महत्या करने से पहले महिला ने अपने परिवार को फोन करके कहा, 'मैंने ज़हर पी लिया है।' यह सुनकर परिवार के पैरों तले से ज़मीन खिसक गई। हालांकि, परिवार के सूरत पहुंचने से पहले ही महिला की मौत हो गई। लव मैरिज के कुछ समय बाद ही पति ने उसे छोड़ दिया मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक लड़की की शादी करीब 3 साल पहले अपनी पसंद के युवक से हुई थी। शादीशुदा ज़िंदगी के दौरान, उनके घर एक प्यारी सी बेटी पैदा हुई, जो अब डेढ़ साल की है। सब कुछ ठीक चल रहा था, लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था। कुछ समय पहले पत्नी के पति की असमय मौत हो गई। पति की मौत से लड़की गहरे सदमे में चली गई और मानसिक रूप से टूट गई। बेटी को लेकर भावनगर से सूरत आ गई पति की मौत के बाद अकेलापन और सदमा बर्दाश्त न कर पाने पर पत्नी अपनी डेढ़ साल की बेटी को लेकर भावनगर से सूरत आ गई। पता नहीं क्यों, उसने सूरत में कपिद्र सोसायटी और उमियाधाम मंदिर के पास के इलाके में ज़हर खा लिया। ज़हर खाने के बाद उसने तुरंत भावनगर में रहने वाले अपने परिवार को फ़ोन पर इस बारे में बताया। परिवार ने तुरंत सूरत में रहने वाले जान-पहचान वालों और पुलिस से संपर्क किया। मासूम बेटी से छिन गई मां की गोद घटना की खबर मिलते ही आस-पास के लोग और पुलिस मदद के लिए दौड़े और लड़की को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अच्छी बात ये है कि डेढ़ साल की बच्ची सुरक्षित है, लेकिन अपने पिता को खोने के बाद ये मासूम बच्ची पूरी तरह अनाथ हो गई है। पुलिस ने अब इस मामले में एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज कर लिया है और कानूनी जांच कर रही है, और परिवार भावनगर से सूरत के लिए निकल गया है। इस दुखद घटना के बाद पूरे इलाके में काफी हंगामा हुआ है।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना में एक और फूट की अटकलें

शिंदे ग्रुप के MLC का दावा - '7 MP हमारे टच में है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई/गुजरात। महाराष्ट्र की पॉलिटिक्स से एक बार फिर बेहद चौंकाने वाली और बड़ी खबर सामने आ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की लीडरशिप वाली शिवसेना में एक और बड़ी फूट की अटकलों ने ज़ोर पकड़ लिया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ग्रुप के एक सीनियर लेजिस्लेटिव काउंसिल मेंबर ने दावा किया है कि उद्धव ठाकरे ग्रुप के कम से कम 7 MP अभी लगातार उनके कॉन्टैक्ट में हैं और जल्द ही पार्टी छोड़ सकते हैं। इस दावे के बाद महाराष्ट्र समेत पूरे देश की पॉलिटिक्स गरमा गई है।

शिंदे ग्रुप के दावे से पॉलिटिकल भूचाल

शिवसेना लीडर और रूष्ट एकनाथ शिंदे के इस गुस्से ने ठाकरे कैंप में खलबली मचा दी है। शिंदे ग्रुप का दावा है कि उद्धव ठाकरे के काम करने के तरीके और पार्टी की आने वाली पॉलिसी से नाराज़ ये MP सत्ताधारी शिंदे ग्रुप और गठबंधन में शामिल होने के लिए बेचैन हैं। अगर यह दावा सच साबित होता है, तो लोकसभा चुनाव के बाद उद्धव ठाकरे के लिए यह अब तक का सबसे बड़ा झटका होगा।

उद्धव ठाकरे का पलटवार: 'जाना है तो खुशी से जा सकते हैं'

पार्टी में बगावत की अटकलों और शिंदे ग्रुप के दावों के बीच शिवसेना प्रेसिडेंट उद्धव ठाकरे ने भी अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने बागियों और पार्टी छोड़ने के मूड में नेताओं को कड़ी चेतावनी दी है। उद्धव ठाकरे ने रिपोर्टर्स से बातचीत में अग्रेसिव रुख अपनाते हुए कहा, 'जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वे खुशी-खुशी जा सकते हैं। हम किसी को रोकने वाले नहीं हैं।' उन्होंने आगे कहा कि जो लोग पार्टी के प्रति लॉयल नहीं हैं, उन्हें पार्टी की ज़रूरत नहीं है। क्या आने वाले दिन महाराष्ट्र की पॉलिटिक्स में कोई बड़ा उलटफेर लाएंगे? इससे पहले साल 2022 में एकनाथ शिंदे ने बड़े पैमाने पर बगावत करके शिवसेना को दो हिस्सों में बांट दिया था और BJP के साथ मिलकर सरकार बना ली थी। अब एक बार फिर लोकसभा सांसदों के टूटने की अटकलों ने ठाकरे ग्रुप की चिंता बढ़ा दी है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, आने वाले दिनों में महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा भूचाल आ सकता है।

आदित्य बनकर महिलाओं का शोषण करने वाले अपराधी के खिलाफ एक और FIR दर्ज, पुलिस का शिकंजा कसा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। हमेशा उन लोगों के खिलाफ आंखें मूंद ली हैं जो धर्म की आड़ में और नकली पहचान बनाकर मासूम महिलाओं का शिकार करते हैं। फिर, मेहसाणा के कड़ी और अहमदाबाद से जुड़े एक चौंकाने वाले मामले में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। अपनी असली पहचान छिपाकर हिंदू नाम 'आदित्य' रखकर महिलाओं का शारीरिक और मानसिक शोषण करने वाले शातिर अपराधी करीम सिपाई के खिलाफ एक और गंभीर अपराध की FIR दर्ज होने से कानून की पकड़ और मजबूत हो गई है।

धोखे का खेल: करीम 'आदित्य' कैसे बना?

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आरोपी करीम सिपाई सोशल मीडिया और दूसरे तरीकों से महिलाओं से संपर्क करता था। अपनी मुस्लिम पहचान छिपाकर वह अपना नाम 'आदित्य' दिखाता था और महिलाओं का भरोसा जीतता था। जानकारी मिली है कि उसने प्यार और रिश्तों का जाल बिछाकर कई महिलाओं का आर्थिक और शारीरिक शोषण किया है। पहले उसके खिलाफ एक क्राइम रजिस्टर हुआ था, लेकिन अब एक और पीड़ित महिला ने हिम्मत दिखाकर उसके खिलाफ कडी पुलिस स्टेशन में एक और शिकायत दर्ज कराई है। इस घटना के सामने आने के बाद कडी, मेहसाणा और अहमदाबाद समेत इलाकों में लोगों में भारी गुस्सा है। लोगों की मांग है कि बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले ऐसे अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

वडोदरा हलोल हाईवे खूनी: कोटांबी स्टेडियम के पास दिल दहला देने वाला हादसा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

वडोदरा। वडोदरा-हलोल हाईवे पर एक बहुत ही दिल दहला देने वाले और रोंगटे खड़े कर देने वाले हादसे की खबर सामने आई है। वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम के पास सुबह-सुबह एक काली लग्जरी बस और ट्रक के बीच हुए भयानक हादसे में 7 बेगुनाह यात्रियों की मौत हो गई है। हादसा इतना भयानक था कि बस का केबिन पूरी तरह पलट गया, लेकिन उसी केबिन में स्थापित देवाधिदेव महादेव की मूर्ति कांच टूटने के बावजूद पूरी तरह सही-सलामत रही! जिसे देखकर खुद पुलिस और बचावकर्मी भी दंग रह गए। ड्राइवर टायर चेक कर रहा था और तभी बस ने उसे टक्कर मार दी! मिली जानकारी के मुताबिक, हाईवे पर कोटांबी स्टेडियम के पास एक ट्रक ड्राइवर अपनी गाड़ी रोककर टायर चेक कर रहा था। उसी समय पीछे से पूरी स्पीड में आ रही एक प्राइवेट लग्जरी बस के ड्राइवर का स्टीयरिंग से कंट्रोल खो गया और बस सीधे ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। हादसे के समय बस में ज़्यादातर यात्री गहरी नींद में सो रहे थे। इस अचानक धमाके से चीख-पुकार और खून की नदियाँ बह निकलीं। यह नींद उन 7 बदनसीब सो रहे यात्रियों के लिए आखिरी साबित हुई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घायलों की चीख-पुकार से हाईवे गूंज उठा, सिस्टम चलने लगा घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, हाईवे पुलिस और 108 की टीमें मौके पर पहुँचीं।

ट्रैफिक नियम तोड़ना ठीक नहीं: साल में 5 से ज़्यादा ई-चालान काटे तो सीधे लाइसेंस सस्पेंड!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। अगर आप भी उन ड्राइवरों में से हैं जो ट्रैफिक नियमों को खेल समझते हैं और कहीं भी सिग्नल तोड़ते हैं या ओवरस्पीड चलाते हैं, तो अब सुधर जाइए! क्योंकि सरकार ने ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले अनुशासनहीन ड्राइवरों पर नकेल कसने के लिए अब तक के सबसे सख्त और कड़े नियम लागू किए हैं। नए कानून के मुताबिक, अगर आपके नाम पर एक ही साल में 5 या उससे ज़्यादा ई-चालान (मेमो) काटे जाते हैं, तो आपका ड्राइविंग लाइसेंस तुरंत सस्पेंड कर दिया जाएगा!

45 दिन के अंदर शिकायत करने का आखिरी मौका, नहीं तो बड़ा नुकसान!

सरकार के इस नए डिजिटल हमले के बीच ड्राइवरों को एक राहत भी दी गई है। अगर आपको लगता है कि कोई ई-चालान गलत तरीके से या किसी टेक्निकल खराबी की वजह से काटा गया है, तो आपके पास इसके खिलाफ शिकायत या ऑफिशियल रिप्रेजेंटेशन फाइल करने के लिए 45 दिन का समय होगा। लेकिन अगर इस समय में सही वजह या रिप्रेजेंटेशन नहीं दिया गया, तो चालान को फाइनल माना जाएगा और नियमों के मुताबिक सीधी कार्रवाई की जाएगी।

फाइन नहीं भरने पर गाड़ी 'व्हीकल पोर्टल' पर ब्लॉक कर दी जाएगी!

नए नियम इतने सख्त हैं कि अगर कोई गाड़ी चलाने वाला अपने ई-चालान का फाइन समय पर नहीं भरता है, तो उस गाड़ी को सरकारी 'व्हीकल पोर्टल' पर हमेशा के लिए ब्लॉक कर दिया जाएगा। गाड़ी ब्लॉक करने का सीधा मतलब है कि आप भविष्य में उस गाड़ी को बेच नहीं पाएंगे, उस पर लोन नहीं ले पाएंगे या नया इंश्योरेंस या फिटनेस सर्टिफिकेट भी नहीं बनवा पाएंगे। सभी गाड़ी चलाने वालों से अपील करता है कि वे फाइन और कानूनी झंझटों से बचने के लिए ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करें।

अयोध्या राम मंदिर में सिस्टमैटिक चोरी से अफरा-तफरी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुपर एक्शन मोड में, RSS और VHP के बीच वर्चस्व की लड़ाई के बीच गंभीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या/गुजरात। देश के करोड़ों भक्तों की आस्था के केंद्र अयोध्या के भव्य राम मंदिर से एक बहुत ही चौंकाने वाला और सनसनीखेज मामला सामने आया है। पता चला है कि राम मंदिर में कोई आम चोरी नहीं हुई, बल्कि तीन अलग-अलग लेवल पर बहुत ही सिस्टमैटिक और प्लान्ड बड़ा गेम खेला गया। इस घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद एक्शन में आ गए हैं और PMO की तरफ से मामले पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। दूसरी तरफ, इस घटना के तार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद के बीच वर्चस्व की अंदरूनी लड़ाई से जुड़े होने के शक ने राजनीतिक गरमाहट पैदा कर दी है। जांच एजेंसियों के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, राम मंदिर में यह घोटाला या चोरी एक दिन में नहीं हुई, बल्कि तीन अलग-अलग तरीकों से की गई:

1.डिजिटल और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन में हेराफेरी: मंदिर के दान और VIP पास प्रोसेस में टेक्निकल कमियों का इस्तेमाल किया गया।

2. मंदिर के अंदर कैश दान: गर्भगृह और दान पेटियों से आने वाले कैश का एक निश्चित हिस्सा सिस्टम के बाहर गायब कर दिया गया।

3.एडमिनिस्ट्रेटिव लेवल पर मिलीभगत: पास और कीमती सामान बांटने में अंदरूनी लेवल पर बड़ा भ्रष्टाचार किया गया।

50 से ज़्यादा कर्मचारी रडार पर, मास्टरमाइंड कौन है? इस हाई-प्रोफाइल मामले में मंदिर ट्रस्ट और एडमिनिस्ट्रेशन के 50 से ज़्यादा सीनियर और जूनियर कर्मचारी सिक्योरिटी और जांच एजेंसियों के रडार पर आ गए हैं। इन सभी संदिग्धों से कड़ी पूछताछ चल रही है और उनके बैंक अकाउंट और मोबाइल डिटेल्स खंगाले जा रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि राम मंदिर जैसे देश के सबसे हाई-सिक्योरिटी ज़ोन में इतनी बड़ी चोरी का असली 'मास्टरमाइंड' कौन है? किसके इशारे पर और किसके संरक्षण में यह पूरा खेल इतने लंबे समय से चल रहा था? राम मंदिर के कंस्ट्रक्शन और मैनेजमेंट में RSS और VHP हमेशा सबसे आगे रहे हैं। लेकिन इस घटना के सामने आने के बाद, मंदिर के एडमिनिस्ट्रेशन पर दबदबे के लिए दोनों संगठनों के बीच अंदरूनी लड़ाई सामने आ गई है। सवाल यह है कि क्या इस अंदरूनी तनाव और कमजोर एडमिनिस्ट्रेशन ने असामाजिक तत्वों या भ्रष्ट लोगों को इतना बड़ा खेल खेलने का मौका दिया? इस मामले में पार्टी और संगठन लेवल पर भी काफी नाराजगी और आंदोलन हुआ है। सुपर एक्शन में PM मोदी सख्त जांच के आदेश सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना को देश की साख और करोड़ों भक्तों की आस्था से जुड़ा मानते हुए बहुत गंभीरता से लिया है। PM मोदी ने P सरकार और सेंट्रल एजेंसियों को साफ आदेश दिए हैं कि इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, चाहे वह किसी भी पार्टी, संगठन या पद का हो। इस बात की पूरी संभावना है दिल्ली तक के बड़े लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा।

खेड़ा-नडियाडा LCB ने वासो पुलिस की सरपरस्ती में चल रहे विदेशी शराब के रैकेट पर छापा मारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा/नडियाडा। खेड़ा जिले के वासो पुलिस स्टेशन की सीमा से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने गुजरात में शराब बैन को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। खेड़ा-नडियाडा लोकल क्राइम ब्रांच ने वासो पुलिस की सरपरस्ती में लंबे समय से चल रहे विदेशी शराब के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। एक टिप-ऑफ के आधार पर, LCB पुलिस ने पलाना गांव के कुख्यात लिस्टेड बूटलेगर भूपेश उर्फ भूपेंद्र उर्फ भोपो उर्फ पिस्टल कांतिभाई पटेल के अवैध शराब के धंधे पर छापा मारा और बड़ी मात्रा में शराब जब्त की। इस पूरी रेड में सबसे बड़ा सवाल वासो पुलिस के काम पर उठा है। वासो पुलिस को पलाना गांव का लिस्टेड बूटलेगर 'भोपो पिस्टल' कस्बा रोड रोहितवास इलाके की तरफ, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति के सामने एक खेत में खुलेआम विदेशी शराब बेच रहा था। लोकल पुलिस स्टेशन की नाक यह अब शहर में चर्चा का विषय बन गया है और पुलिस की वासो पुलिस को मिलीभगत की ओर इशारा करता है। LCB पुलिस के मुताबिक, बूटलेगर ने शराब छिपाने के लिए एक अनोखा तरीका अपनाया था .

अंबाजी में करोड़ों का दिल दहला देने वाला ज़मीन घोटाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। तीर्थस्थल अंबाजी से सिर्फ़ साढ़े पाँच किलोमीटर दूर, हाईवे टच ने भू-माफ़ियाओं द्वारा करोड़ों रुपये की कीमती ज़मीन हड़पने का जो खेल खेला है, उसे सुनकर पुलिस वाले भी हैरान रह गए हैं। पैसे की भूख में अंधे हो चुके चालाक स्कैमरों ने एक मरी हुई औरत को सरकारी कागज़ों पर 'ज़िंदा' बना दिया! इतना ही नहीं, उन्होंने सिस्टम की आँखों में धूल झोंककर इस नकली औरत को सरियाम कलेक्टर ऑफ़िस में पेश भी कर दिया! इस अविश्वसनीय और चौंकाने वाले मामले की डिटेल्स यह हैं कि भू-माफ़ियाओं ने हाईवे के पास करोड़ों की ज़मीन अपने नाम करवाने के लिए पूरा नेटवर्क बना रखा था। एक ऐसी औरत के नाम पर नकली कागज़ात बनाए गए जो सालों पहले मर चुकी थी। हद तो तब हो गई जब इस कथित महिला को कलेक्टर ऑफिस के रजिस्ट्रार ऑफिस में लाया गया और ज़मीन के डॉक्यूमेंट से उसके अंगूठे के निशान भी मिटा दिए गए। सरकारी अधिकारी भी इस हाई-प्रोफाइल खेल को पहचानने में नाकाम रहे। इस काले धंधे का हिसाब यहीं खत्म नहीं होता।

अहमदाबाद के CG रोड पर ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्मार्ट सिटी अहमदाबाद के सबसे बिज़ी और पॉश CG रोड पर ट्रैफिक सेंस और कानून लागू करने को लेकर एक चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। पैदल चलने वालों की सुरक्षा के लिए करोड़ों की लागत से लगाया गया मॉडर्न 'पेलिकन ट्रैफिक सिग्नल' सिर्फ सजावट का सामान साबित हो रहा है। सिग्नल पर रेड लाइट होने के बावजूद ड्राइवर अपनी गाड़ियां रोकने के बजाय बेकाबू स्पीड से गाड़ी चला रहे हैं, जिससे बेकसूर पैदल चलने वालों की जान खतरे में पड़ रही है। इस पेलिकन सिग्नल की खासियत यह है कि जब कोई पैदल चलने वाला सड़क पार करना चाहता है, तो वह वहां लगे पुश बटन को दबाता है, गाड़ियों के लिए लाइट रेड हो जाती है और पैदल चलने वाला सुरक्षित सड़क पार कर सकता है। लेकिन ष्ट.ल. रोड पर हकीकत बिल्कुल अलग और डरावनी है। जैसे ही पैदल चलने वाले बटन दबाकर सड़क पार करने की कोशिश करते हैं, ड्राइवर सिग्नल तोड़कर रेड लाइट होने के बावजूद तेज़ी से गाड़ी भगा लेते हैं। इस गंभीर लापरवाही की वजह से कभी भी कोई बड़ा हादसा होने का डर बना रहता है। इस पूरे मामले के पीछे ड्राइवरों में ट्रैफिक नियमों के बारे में जागरूकता की भारी कमी और अनदेखी साफ़ दिखती है। ज़्यादातर ड्राइवरों को यह नहीं पता कि यह पेलिकन सिग्नल किस लिए है और लाइट रेड होते ही रुकना कानूनी ड्यूटी है।

जी-7 शिखर सम्मेलन में अमेरिका दिखा अलग थलग, दुनिया जता रही मोदी पर भरोसा

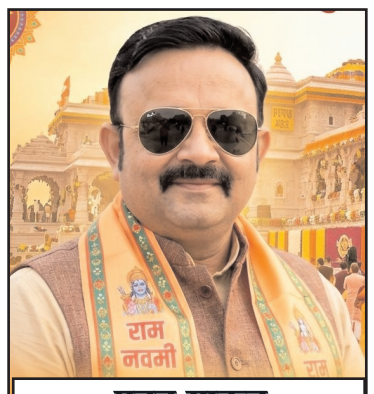

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

ईरान युद्ध के बाद पैदा हुई वैश्विक बेचैनी ने इस सम्मेलन को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। युद्धविराम की घोषणा के बावजूद तेल बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है, महंगाई को लेकर चिंता गहरा रही है और दुनिया की अर्थव्यवस्था फिर अनिश्चितता के मोड में पहुंचती दिखाई दे रही है।

जी-7 शिखर सम्मेलन इस बार वैश्विक अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और व्यापार का मंच नहीं बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था का आईना प्रतीत हुआ। फ्रांस में आयोजित इस सम्मेलन में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहुंचे तो उनके सामने वह यूरोप खड़ा था जो अब आंख मूंदकर वॉशिंगटन के पीछे चलने को तैयार नहीं दिखता। लंबे समय तक टैरिफ की धमकियां, कूटनीतिक दबाव, सार्वजनिक अपमान और अचानक फैसलों का सामना करने के बाद अब यूरोपीय देशों ने यह मान लिया है कि ट्रंप बदलती अमेरिकी सोच का स्थायी चेहरा हैं। यही कारण है कि इस बार जी-7 सम्मेलन पर सबसे गहरी छाया अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ती दूरी की रही।

देखा जाये तो ईरान युद्ध के बाद पैदा हुई वैश्विक बेचैनी ने इस सम्मेलन को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। युद्धविराम की घोषणा के बावजूद तेल बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है, महंगाई को लेकर चिंता गहरा रही है और दुनिया की अर्थव्यवस्था फिर अनिश्चितता के मोड में पहुंचती दिखाई दे रही है। ट्रंप इस सम्मेलन में यह साबित करने पहुंचे कि उनकी आक्रामक और टकराव वाली विदेश नीति परिणाम दे रही है। वह चाहते हैं कि दुनिया अमेरिकी प्राथमिकताओं को स्वीकार करे, चाहे मामला व्यापार का हो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का, सुरक्षा का या फिर चीन को घेरने की रणनीति का। लेकिन इस बार यूरोप का स्वर बदला हुआ है। वह अमेरिका के साथ तो रहना चाहता है, मगर उसकी हर बात पर सिर झुकाने को तैयार नहीं है।

देखा जाये तो यूरोप के भीतर यह बदलाव अचानक नहीं आया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों वर्षों से यूरोप की रणनीतिक स्वायत्तता की वकालत करते रहे हैं। उनका तर्क साफ है कि यूरोप को अपनी सुरक्षा और अपने हितों की रक्षा के लिए हमेशा अमेरिका पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इस बार सम्मेलन की मेजबानी कर रहे मैक्रों ने साफ शब्दों में कह दिया है कि यह ऐसा समय है जब अमेरिकी, रूसी और चीनी नेतृत्व यूरोप के हितों के खिलाफ खड़ा दिखाई देता है। इसलिए यूरोप को अब जागना होगा और अपने हितों की रक्षा खुद करनी होगी।

हालांकि मैक्रों की रणनीति केवल विरोध की नहीं है। उन्होंने ट्रंप के साथ निजी संबंध बनाए रखने की भी भरपूर कोशिश की है। कभी एफिल टावर पर भोज, कभी सैन्य परेड में विशेष सम्मान और कभी नोट्रे डेम कैथेड्रल के पुनरोद्धार समारोह में आमंत्रण देकर उन्होंने ट्रंप को साधने की कोशिश की है। लेकिन ईरान युद्ध और ग्रीनलैंड विवाद के बाद यूरोप में ट्रंप विरोध चरम पर पहुंच गया। एक समय तो हालात ऐसे बन गए थे कि यूरोपीय नेताओं को लगने लगा कि ट्रंप

डेनमार्क के अधीन ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए अमेरिकी सेना भेज सकते हैं। यह केवल एक भू-राजनीतिक विवाद नहीं था, बल्कि उस भरोसे के टूटने का प्रतीक था जिस पर दशकों से अटलांटिक गठबंधन टिका हुआ था।

दरअसल, ग्रीनलैंड प्रकरण ने यूरोप को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि कहीं नाटो की सबसे बड़ी सैन्य ताकत ही उसके लिए सबसे बड़ा खतरा न बन जाए। यही कारण है कि अब यूरोपीय देशों में यह बहस तेज हो गई है कि अगर अमेरिका हर वैश्विक संकट में नेतृत्व नहीं करता या करना नहीं चाहता, तो आगे की दुनिया कैसी होगी। इस चिंता ने नाटो और अटलांटिक गठबंधन की नींव तक को हिला दिया है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर भी इस बार दबाव में दिखे। घरेलू राजनीति में चुनौती झेल रहे स्टारमर को ईरान पर अमेरिकी हमलों का समर्थन न करने के कारण ट्रंप की नाराजगी का सामना करना पड़ा। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से ब्रिटेन का मजाक उड़ाया और उसे असहयोगी तक कह दिया। नतीजा यह हुआ कि ब्रेक्जिट के बाद अमेरिका के और करीब जाने की कोशिश कर रहा ब्रिटेन अब फिर यूरोप की ओर झुकता दिखाई दे रहा है।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, जिन्हें कभी ट्रंप का स्वाभाविक सहयोगी माना जाता था, वह भी अब दूरी बनाती नजर आ रही हैं। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची इस सम्मेलन में पहली बार शामिल हुईं और उन्होंने अमेरिका, यूरोप तथा पश्चिम एशिया के बीच संवाद की कड़ी बनने की कोशिश की। साफ है कि दुनिया अब केवल अमेरिकी नेतृत्व पर निर्भर रहने की बजाय बहुध्रुवीय संतुलन की तरफ बढ़ रही है।

देखा जाये तो ट्रंप की सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि वह निजी कूटनीति को सार्वजनिक तमाशे में बदल देते हैं। पिछले वर्ष नाटो प्रमुख मार्क रुटे के निजी संदेश सार्वजनिक कर उन्होंने यह दिखा दिया था कि यूरोपीय नेता निजी तौर पर अमेरिका के दबाव को स्वीकार करते हैं, भले ही सार्वजनिक मंचों पर विरोध का अभिनय करें। इस कारण अब यूरोपीय नेताओं के लिए संतुलन साधना और मुश्किल हो गया है। उन्हें अपने मतदाताओं को भी संतुष्ट रखना है और अमेरिका से रिश्ते भी नहीं बिगाड़ने हैं।

इसी उथल पुथल के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी इस सम्मेलन में विशेष महत्व रखती है। जब पश्चिमी दुनिया भीतर से विभाजित दिखाई दे रही है, तब भारत एक ऐसे संतुलित और भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभरा है जिस पर हर शक्ति केंद्र भरोसा करना चाहता है। मोदी ने रूस और अमेरिका दोनों से संबंध बनाए रखे, पश्चिम एशिया के संकटों में संतुलन साधा और ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूती से उठाया। यही वजह है कि आज दुनिया भारत को केवल एक बाजार नहीं, बल्कि स्थिर नेतृत्व वाली निर्णायक शक्ति के रूप में देख रही है।

देखा जाये तो मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी ताकत यही है कि उन्होंने भारत को किसी एक खेमे में सीमित नहीं होने दिया। अमेरिका से रणनीतिक साझेदारी भी कायम रखी और रूस के साथ पुराने रिश्ते भी नहीं टूटने दिए। पश्चिम एशिया में भारत की स्वीकार्यता बनी रही और यूरोप के साथ आर्थिक तथा तकनीकी सहयोग भी लगातार बढ़ता गया। जी-7 जैसे मंचों पर मोदी की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत केंद्र में आ चुका है। जब दुनिया अविश्वास, टकराव और अनिश्चितता से जूझ रही है, तब भारत संवाद, संतुलन और स्थिरता का चेहरा बनकर उभरा है। यही प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

बहरहाल, जी-7 शिखर सम्मेलन 2026 की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि गहरे मतभेदों और पश्चिमी देशों के भीतर बढ़ती अविश्वास की राजनीति के बावजूद संवाद की प्रक्रिया टूटी नहीं। ईरान संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था में पैदा हुए तनाव, तेल आपूर्ति को लेकर आशंकाओं और यूक्रेन युद्ध की लंबी खिंचती स्थिति के बीच सदस्य देशों ने कम से कम इस बात पर सहमति दिखाई कि बहुपक्षीय सहयोग को जिंदा रखना जरूरी है। सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक आर्थिक असंतुलन, आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा और विकासशील देशों के कर्ज संकट जैसे मुद्दों पर साझा चर्चा आगे बढ़ी। यूरोप ने अपनी सामरिक स्वायत्तता का स्वर बुलंद किया, जबकि अमेरिका ने भी यह संकेत दिया कि यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा जिम्मेदारियों में अधिक भागीदारी निभानी होगी। भारत, ब्राजील, केन्या और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की भागीदारी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि ग्लोबल साउथ को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकासशील देशों की आकांक्षाओं को मजबूती से उठाकर भारत की वैश्विक भूमिका को और मजबूत किया।

हालांकि सम्मेलन कई अहम मुद्दों पर ठोस नतीजे देने में विफल भी रहा। यूक्रेन युद्ध को लेकर कोई निर्णायक रोडमैप सामने नहीं आया, चीन को लेकर पश्चिमी देशों के भीतर मतभेद बने रहे और जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर विषय को जानबूझकर पीछे कर दिया गया ताकि अमेरिका और यूरोप के बीच टकराव नहीं बढ़े। ईरान समझौते पर भी स्पष्टता का अभाव रहा और ट्रंप की आक्रामक शैली के कारण साझा घोषणापत्र को लेकर एकजुटता कमजोर दिखाई दी। कुल मिलाकर यह सम्मेलन उपलब्धियों से अधिक बदलती विश्व राजनीति के अंतर्विरोधों का प्रतीक बनकर सामने आया, जहां संवाद तो जारी रहा लेकिन भरोसे का संकट अब भी गहराता दिखाई दिया।

संपादकीय

'विद्रह' को चुनौती

हाल के दिनों में पंजाब के बाद, हिमाचल के लिए भी नशीले पदार्थों का तेजी से बढ़ता दुरुपयोग एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन गया है। नशे के बढ़ते सेवन की जो समस्या कभी सीमावर्ती राज्यों व सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित मानी जाती थी, अब दुर्भाग्य से वह इस पहाड़ी राज्य के गांवों तक पहुंच गई है। जिससे कई परिवारों का अस्तित्व, लोगों की आजीविका और युवा पीढ़ी का भविष्य भी खतरे में नजर आ रहा है। ऐसे हालात में राज्य सरकार का वह फैसला एक नई उम्मीद की किरण लेकर आया है, जिसमें नशीले पदार्थों से मुक्ति के अभियान ह्यचिट्टा-मुक्त गांवह्ण में पंचायतों को शामिल करने का रणनीतिक निर्णय लिया गया है। सालों तक इस संकट को कानून व्यवस्था से जुड़ा प्रश्न माना जाता रहा है। नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने के लिये सप्लायरों व नशे की आदत का शिकार लोगों की गिरफ्तारी, नशीले पदार्थों की बरामदगी और पुलिस की कार्रवाई को प्राथमिकता बना लिया गया था। निस्संदेह, कानून के अनुपालन के बिना इस संकट का समाधान संभव भी नहीं था, लेकिन सिर्फ इन प्रयासों से सफलता कम ही मिली। नशीले पदार्थ बेचने वालों की गिरफ्तारी के बाद सप्लाई चेन तेजी से बदल जाती है। नशे के कारोबारी स्थानीय तंत्र की कमजोरी का लाभ उठाते और नये लोग नशे की लत की चपेट में आ जाते थे। इस संकट के बने रहने ने संकेत दिए कि यह समस्या सिर्फ कानूनी नहीं है बल्कि इसे एक सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े संकट के रूप में भी देखा जाना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी ग्रामीण समाज में पंचायतों की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पंचायतें ग्रामीण परिवेश में स्थानीय हालात को बेहतर ढंग से समझती हैं। वहीं दूसरी ओर उन्हें स्थानीय समुदायों का विश्वास भी हासिल होता है। वे गांव के लोगों के व्यवहार संबंधी बदलावों को आसानी से से पहचान सकती हैं। ऐसे बदलाव जिन्हें दूर बैठे प्रशासन व पुलिस के अधिकारी नहीं समझ सकते। इस बात में दो राय नहीं हो सकती कि यदि पंचायतों को प्रभावी अधिकार और संसाधन उपलब्ध करा दिए जाएं तो वे जागरूकता अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। साथ ही ग्रामीण परिवारों को समय रहते मदद लेने को प्रोत्साहित कर सकती हैं। इतना ही नहीं, वे इस जागरूकता अभियान का दायरा बढ़ाने और बेहतर परिणाम हासिल करने के लिये स्कूल तथा स्वास्थ्य कर्मियों के साथ सार्थक तालमेल स्थापित कर सकती हैं। साथ ही बिना किसी भेदभाव के, संवेदनशील ढंग से पुनर्वास के प्रयासों में मदद कर सकती हैं। वहीं दूसरी ओर गांव स्तर पर निगरानी समितियां बनाकर पंचायतें नशे की आपूर्ति श्रृंखला पर नजर रख सकती हैं। वे समय रहते कानून के क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियों को भी सतर्क करने में मददगार साबित हो सकती हैं।

चिंतन-मनन

संत की उदारता

विख्यात संत एकनाथ जी 12 वर्ष की अवस्था में ही अपने गुरु जनार्दन स्वामी के पास देवगढ़ पहुंच गए थे। गुरु ने उन्हें आश्रम के हिसाब-किताब का काम सौंप दिया। एक दिन जब एकनाथ जी ने हिसाब और रोकड़ का काम किया तो एक पाई की कमी नजर आई। खूब सोचने के बाद आखिरकार उन्हें आधी रात को एक पाई का हिसाब मिल गया तो उन्होंने उसी समय अपने गुरुजी को जाकर यह बात बताई। इस पर गुरु हंसे फिर बोले- बेटा! एक पाई की भूल मिलने से तुम इतने प्रसन्न हो और इस संसार के मायाजाल जैसी महाभूल को अपनाए हुए हो। इस पर कभी सोचा है?

यह सुनते ही एकनाथ जी के भीतर वैराग्य जागा और दुनिया के कामकाज से उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने उसी समय सब कुछ छोड़ देने का फैसला किया। वे अपने गुरु से दीक्षा लेकर पर्वत पर जाकर तपस्या करने लगे। तपस्या के बाद वे अपनी जन्मभूमि के निकट पिपलेश्वर महादेव में रहने लगे। पर थोड़े ही समय बाद वे विवाह कर गृह संन्यासी बन गए। एकनाथ जी ने गुरू के आदेश का पालन किया। विवाह के बाद उनके घर में नित्य कीर्तन होता और अन्न वितरण किया जाता। एक दिन कीर्तन में कुछ चोर आ गए। उन्होंने घर का सभी सामान समेट लिया। फिर उन्होंने देवमूर्ति के आभूषण चुराने का प्रयास किया। वहीं एकनाथ जी ध्यानमग्न बैठे थे। उन्होंने चोरों से कहा- तुम्हें इनकी बहुत अधिक आवश्यकता होगी अन्यथा इतनी रात गए भला कोई जोखिम क्यों उठाता? तुम सब मुसीबत के मारे लगते हो। चिंता मत करो। मुझसे जो मदद होगी, मैं करूंगा। यह कहते हुए उन्होंने अपनी उंगली की अंगूठी भी उतार कर उन्हें दे दी। यह देख चोर लज्जित हुए। वे एकनाथ जी के चरणों में गिर गए और उन्होंने कभी चोरी न करने का संकल्प लिया।

प्यार हमेशा महसूस करने से होता है! सिर्फ़ चेहरा देखकर ही कोई चुन सकता है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आज के डिजिटल ज़माने में, जहाँ रिश्ते सिर्फ़ 'लाइक', 'फ़िल्टर' और सोशल मीडिया के 'लेफ्ट-राइट स्लाइड' पर निर्भर हो गए हैं, किसी ने बहुत गहरी बात कही है: 'प्यार हमेशा महसूस करने से होता है, सिर्फ़ चेहरा देखकर ही कोई चुन सकता है!' ये दो लाइनें सिर्फ़ शब्द नहीं हैं, बल्कि आज के खो चुके सच्चे रिश्तों का आईना हैं। इंसान होने के नाते, हम अक्सर अट्रैक्शन और प्यार के बीच का फ़र्क भूल जाते हैं और यह गलती ज़िंदगी भर का अफ़सोस बन जाती है।

अट्रैक्शन और प्यार के बीच की पतली लाइन

जब हम किसी को पहली बार देखते हैं, तो हमारी नज़र उनके लुक, उनके कपड़ों और उनके चेहरे की खूबसूरती पर पड़ती है। यह इंसानी फितरत है। खूबसूरत चेहरे के अट्रैक्शन को 'अट्रैक्शन' कहते हैं, 'प्यार' नहीं। हम किसी चीज़ या इंसान को अपनी ज़िंदगी में जगह देने का फ़ैसला किसी का चेहरा देखकर कर सकते हैं, लेकिन हम उनके साथ पूरी ज़िंदगी बिता सकते हैं या नहीं, यह उनके स्वभाव पर निर्भर करता है। उनके रूप-रंग को देखकर किया गया फ़ैसला समय के साथ फीका पड़

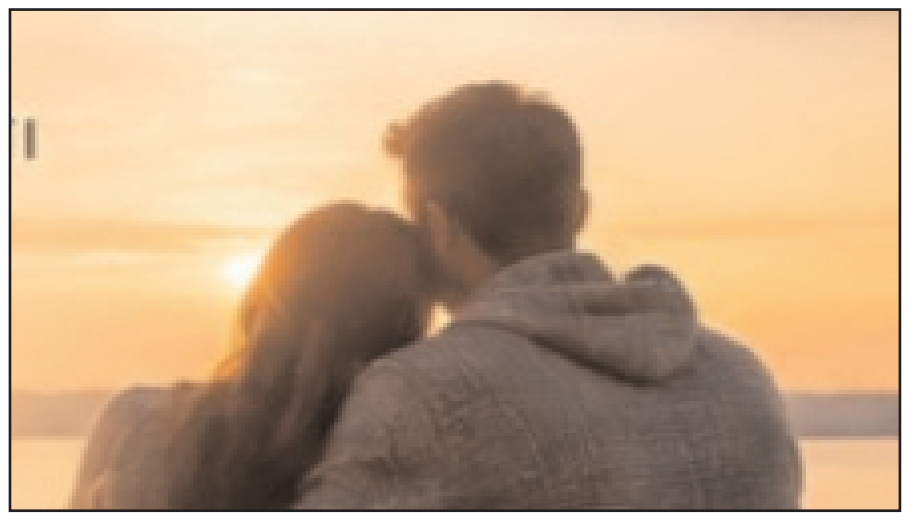

सकता है, क्योंकि उम्र के साथ चेहरे की चमक कम होना तय है। लेकिन जिस इंसान से प्यार होता है, उसके गुणों और स्वभाव के लिए प्यार समय के साथ और गहरा होता जाता है। स्वभाव का अनुभव क्या है? प्यार दिखाने की चीज़ नहीं है, यह महसूस करने का एहसास है। स्वभाव के अनुभव का मतलब है: मुश्किल समय में एक-दूसरे का साथ देना। सबसे मुश्किल शब्दों को भी समझने की काबिलियत। एक-दूसरे के सम्मान और आत्म-सम्मान की रक्षा करना। गलतियों को माफ़ करके साथ मिलकर आगे बढ़ने का एहसास। चेहरा कितना भी सुंदर क्यों न हो, अगर वाणी में मिठास, स्वभाव में घमंड और विचारों में कड़वाहट न हो, तो वह सुंदरता लोहे की तिजोरी में बंद पत्थर जैसी हो जाती है। इसके उलट, अगर कोई साधारण दिखने वाला इंसान दयालु, समझदार और वफ़ादार हो, तो उसकी मौजूदगी घर को स्वर्ग बना देती है। इतिहास और संस्कृति भी यही सिखाती है हमारी भारतीय संस्कृति और इतिहास गवाह है कि सच्चा प्यार कभी भी स्किन के रंग या चेहरे के नूर की शान नहीं रहा। चाहे मीराबाई का कृष्ण के लिए प्यार हो या राधा-कृष्ण का अद्वैत रिश्ता, वहां शरीर सेकेंडरी और आत्मा प्राइमरी थी। जब दो लोगों का नेचर, सोच और संस्कार एक-दूसरे से मिलते हैं, तभी प्यार का सच्चा पौधा उगता है। आज का यह अच्छा विचार हमें एक सीरियस मैसेज देता है कि लाइफ पार्टनर या दोस्त चुनते समय सिर्फ बाहरी आवरण देखकर धोखा न खाएं। चेहरा सिर्फ किताब का 'कवर पेज' होता है, यह आपको यह नहीं बताता कि किताब कैसी है। जैसे किताब पढ़ने के लिए उसके पन्ने पलटने पड़ते हैं, वैसे ही किसी इंसान को समझने के लिए उसके नेचर को महसूस करना पड़ता है। इसलिए, भले ही चुनाव आंखों से किया जाए, लेकिन प्यार को हमेशा दिल और नेचर के तराजू में तौलना चाहिए, क्योंकि खूबसूरत चेहरा किस्मत से मिल सकता है, लेकिन खूबसूरत नेचर सिर्फ कल्चर से ही मिल सकता है!

वेतन से आगे: विकसित भारत के लिए कुशल कार्यबल की तैयारी

डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम

कोयंबटूर में काम करने वाले युवा रवि को, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई में अपनी पहली औपचारिक नौकरी के छह महीने पूरे कर चुके हैं और हाल ही में अपनी मासिक तनख्वाह के अलावा उन्हें बैंक खाते में 7,500 रुपये मिले। लगातार छह महीने की नौकरी पूरी होने के बाद यह रकम अपने आप जारी कर दी गई। इससे पहले उनका परिवार सिर्फ. अनौपचारिक काम करता था, जिसमें कोई अनुबंध, भविष्य निधि में योगदान या नौकरी का कोई लिखित रिकॉर्ड नहीं होता था। यह पहला मौका था, जब उनकी नौकरी को आधिकारिक तौर पर दर्ज किया गया और उन्हें इस तरह का लाभ मिला। रवि को मिली यह धनराशि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के 'भाग अ' के तहत मिली पहली किस्त है। इस योजना को केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रधानमंत्री के रोजगार और कौशल पैकेज के हिस्से के तौर पर शुरू किया गया था। इस प्रावधान के तहत, ईपीएफओ में पंजीकृत कंपनियों में पहली बार नौकरी पाने वाले ऐसे कर्मचारी, जिनकी मासिक कमाई 1 लाख रुपये से कम है, उन्हें 15,000 रुपये तक का नकद प्रोत्साहन मिलता है। यह रकम दो किस्तों में दी जाती है: पहली किस्त लगातार छह महीने की नौकरी के बाद और दूसरी किस्त बारह महीने के बाद। इसके लिए शर्त यह है कि कर्मचारी को ईपीएफओ पोर्टल के जरिए वित्तीय साक्षरता का कोर्स पूरा करना होगा और यह राशि बचत के एक साधन में जमा की जाएगी, ताकि कर्मचारी को एक आर्थिक सुरक्षा मिल सके। रवि के लिए, ये छह महीने सिर्फ. योग्यता हासिल करने का समय नहीं थे। ये वो वक्त था, जिसमें उन्होंने अपने काम की जगह को समझा, अपने काम से जुड़ी बुनियादी कौशल और योग्यता सीखी और अपने लिए रोजगार का एक रिकॉर्ड बनाना शुरू किया, जो पहले कभी नहीं था। यह समय उनके नियोक्ता के लिए भी अहम था, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई थी और उसने अपने विस्तार के तहत रवि को काम पर रखा था। पीएम-वीबीआरवाई के भाग इ में प्रावधान है कि जो नियोक्ता अपनी मौजूदा बेसलाइन से ज्यादा रोजगार पैदा करते हैं, उन्हें हर अतिरिक्त कर्मचारी के लिए हर महीने 3,000 रुपये तक का सरकारी योगदान मिलता है। यह योगदान अलग-अलग क्षेत्रों में दो साल तक और विनिर्माण क्षेत्र में चार साल तक मिलता है। यह योगदान उस शुरूआती लागत का कुछ हिस्सा कवर करता है, जो किसी कंपनी को नए कर्मचारी को रखने पर उठानी पड़ती है, खासकर तब जब ऑनबोर्डिंग और प्रशिक्षण चल रहा होता है और बिना किसी पिछले औपचारिक अनुभव वाला कर्मचारी, धीरे-धीरे कंपनी के लिए लाभप्रद हो रहा होता है। इस शुरूआती लागत को कम करके यह प्रावधान, योजना का दायरा रवि जैसे लोगों को काम पर रखने वाले छोटे व्यवसायों तक बढ़ाता है। उसकी जैसी विनिर्माण इकाईयों के लिए, चार साल की अवधि, जो सामान्य अवधि से दोगुनी है, कंपनियों को ऑटोमेशन में निवेश के साथ-साथ अपने कार्यबल का विस्तार करने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। भारत की जनसांख्यिकीय व्यवस्था को देखते हुए, युवा और बढ़ता कार्यबल 2047 तक 'विकसित भारत' की ओर बढ़ने के लिए रोजगार-आधारित विकास के जरिए आर्थिक विकास को रफ्तार देने का एक मौका देता है। कार्यबल में शामिल होने वाले नए लोग किस सीमा तक औपचारिक रोजगार में आते हैं, जहाँ उन्हें सामाजिक सुरक्षा और संस्थागत सुरक्षा मिलती है, यह इस बात पर भी असर डालेगा कि परिवारों और समुदायों में विकास का लाभ कैसे मिलता है। पीएम-वीबीआरवाई का मकसद 'स्वतंत्र भारत' से 'समृद्ध भारत' तक के सफर को मजबूत करना है और दो साल में 3.5 करोड़ से ज्यादा औपचारिक नौकरियाँ पैदा करने के लिए प्रोत्साहन देना है। इस योजना की शुरूआत से, 60 लाख नए कर्मचारी औपचारिक कार्यबल का हिस्सा बन चुके हैं। इनमें से 43.26 लाख (लगभग 71%) 18 से 30 साल की उम्र के हैं और 18.04 लाख (लगभग 30%) महिलाएं हैं, जो पहली बार औपचारिक रोजगार से जुड़ी हैं। ये कर्मचारी विशेष सेवाओं, इंजीनियरिंग, व्यापार, विनिर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, वस्त्र और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो दिखाता है कि कई तरह के औपचारिक संस्थानों में इसे अपनाया गया है। सिर्फ. प्रोत्साहन राशि के अलावा, पीएम-वीबीआरवाई से रवि को एक ईपीएफओ खाता और एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर मिला है। इससे वह एक ऐसी व्यवस्था का हिस्सा बन गए हैं, जो भविष्य निधि योगदान, बीमा सुरक्षा और कानूनी रोजगार लाभ भी देता है। उनके जैसे पहली बार औपचारिक रोजगार पाने वाले कई लोगों के लिए, यह सामाजिक सुरक्षा कवरेज और एक व्यवस्थित रोजगार से जुड़ने का एक बेहतर मौका है। लगातार छह महीने तक नौकरी करने की शर्त का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि इस योजना के तहत बनी नौकरियां असल करियर की नींव बनें। लंबे समय तक औपचारिक रोजगार से कई क्षेत्रों में नौकरियों में काम आने वाला कौशल विकसित होता हैं, पेशेवर तौर-तरीके सीखने को मिलते हैं और भविष्य में नौकरी पाने की क्षमता भी मजबूत होती है। इससे मिलने वाले फायदे योजना के तहत मिलने वाली मदद की अवधि के बाद भी बने रहते हैं। रोजगार के मौके पैदा करना एक अहम नीतिगत लक्ष्य है। उतना ही जरूरी यह सुनिश्चित करना भी है कि रवि जैसे कर्मचारी औपचारिक अर्थव्यवस्था में अपनी जगह बनाए रख सकें, जहाँ रोजगार के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा कवरेज और संस्थागत सुरक्षा भी मिलती है। जैसे-जैसे ज्यादा युवा कर्मचारी औपचारिक नौकरियों में छह महीने, एक साल और उससे ज्यादा समय बिताते हैं, कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आता है और छोटे संस्थान भी औपचारिक तरीके से लोगों को काम पर रखने की प्रक्रिया अपनाते हैं। इस योजना के तहत 3.5 करोड़ से ज्यादा नौकरियां मिलने का अनुमान है और औपचारिक अर्थव्यवस्था का यह धीरे-धीरे बढ़ता दायरा ही वह बदलाव है, जिसे तेजी से आगे बढ़ाने के लिए पीएम-वीबीआरवाई को लाया गया है।

(लेखक नीति आयोग के सदस्य हैं)

बृजभूषण शरण सिंह के बेटे को जान से मारने की धमकी, प्रतीक भूषण के फोन पर आई राजस्थान से कॉल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा से एक बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आई है. भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे व स्थानीय विधायक प्रतीक भूषण सिंह को जान से मारने की धमकी दी गई है, जिसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है.

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे और गोंडा से विधायक प्रतीक भूषण सिंह को जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है. बताया जा रहा है कि धमकी भरा फोन राजस्थान से आया था.

पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला दो दिन पुराना है जब विधायक प्रतीक भूषण सिंह के निजी मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई थी. फोन करने वाले व्यक्ति ने विधायक को सीधे तौर पर जान से मारने की धमकी दी. इस घटना के बाद विधायक के सुरक्षा घेरे और स्थानीय समर्थकों में चिंता बढ़ गई है.

पुलिस ने बताया कि विधायक प्रतिनिधि अजय सिंह ने इस पूरे मामले को लेकर गोंडा के कोतवाली नगर में लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसमें धमकी दिए जाने का साफ आरोप लगाया गया है. पुलिस की शुरुआती जांच में धमकी देने वाले मुख्य आरोपी की पहचान संदीप शर्मा के रूप में हुई है जो राजस्थान के अलवर जिले का निवासी बताया जा रहा है.

मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली नगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है. पुलिस प्रशासन इस वक्त आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रहा है और इसके साथ ही इस धमकी भरे फोन कॉल की तकनीकी सत्यता तथा विधायक को धमकी दिए जाने के मुख्य कारणों की भी बारीकी से जांच की जा रही है.

मां से प्रेम संबंध में बाधक बना 7 साल का बेटा, प्रेमी ने घर के बाहर से उठाकर नहर में फेंक दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। सैफपुर गांव में घर के बाहर खेल रहे एक सात वर्षीय बच्चे का अपहरण हो गया। सूचना पर पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बहसूमा थाना क्षेत्र में रामराज के पास फिरोजपुर, सैफपुर गांव में घर के बाहर खेल रहे एक सात वर्षीय बच्चे का अपहरण हो गया। सूचना पर पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने बताया कि बच्चे की मां से उसका प्रेम संबंध चल रहा था और बच्चा उसमें बाधक बना हुआ था। इसलिए उसका अपहरण करने के बाद उसे नहर में फेक दिया था। मंगलवार सुबह 11 बजे की मासूम अंगद घर के बाहर खेल रहा था। अचानक गायब होने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। अंगद के अपहरण की सूचना पर प्रशासन हरकत में आई और आसपास सीसीटीवी कमरों की जांच करते हुए 24 घंटे में ही आरोपी अर्पित शर्मा को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी ने क्या कहा?

पुलिस पूछताछ में आरोपी अर्पित शर्मा ने बताया कि अंगद की मां ओर उसके बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। अंगद उसमें बड़ी बाधा बना हुआ था। मंगलवार की सुबह वो कार लेकर प्रेमिका के घर पहुंचा, देखा कि अंगद बाहर खेल रहा है। उसे आवाज देकर बुलाया ओर चॉकलेट के बहाने कार में बिठाकर ले गया और उसकी हत्या करके उसके शव को नहर में फेक दिया।

आरोपी गिरफ्तार

एसपी देहात अभिजीत कुमार सिंह ने बताया कि गठित की गई पुलिस टीमों ने आरोपी अर्पित शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने बच्चे का अपहरण करने के बाद उसकी हत्या कर मवाना नहर में फेंक दिया। उन्होंने उल्टे भी बताया कि अंगद के पिता दुबई में नौकरी करते है, फिलहाल बच्चे का शव बरामद करने के लिए गोताखोरों की टीमें लगा रखी है।

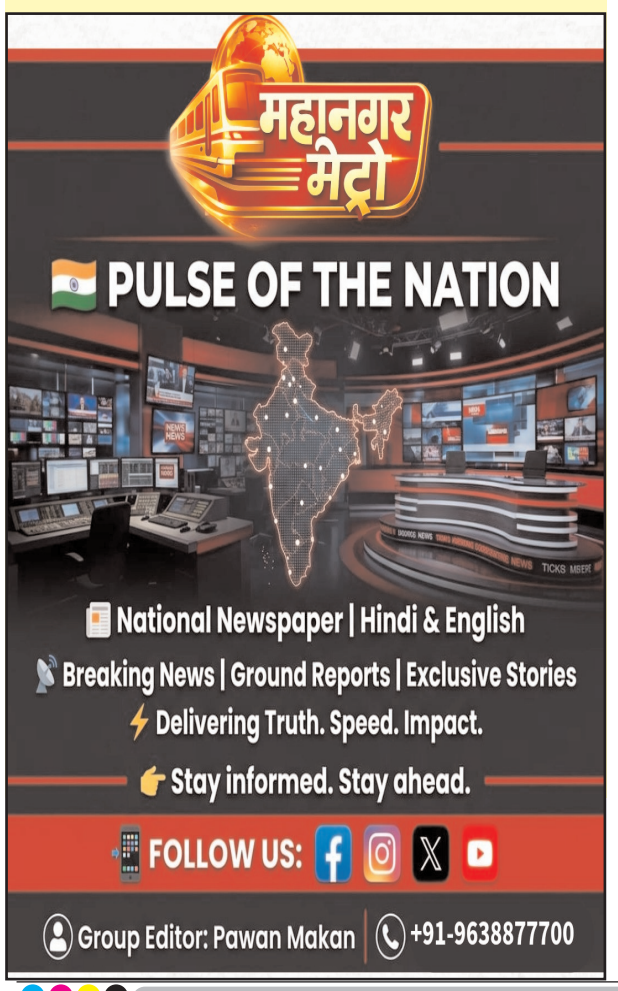

मूंग उतारकर खाली ट्रक छोड़ गए चोर, जबलपुर के पाटन कृषि मंडी में पहली बार हुई ऐसी चोरी, व्यापारी हैरान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित कृषि उपज मंडी से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। अज्ञात बदमाशों ने यहां मूंग की चोरी की है। 80 क्विंटल मूंग ट्रक में लदा हुआ था। इसकी कीमत करीब साढ़े चार लाख रुपए है। मूंग की चोरी के बाद चोर खाली ट्रक को छोड़ गया।

15-16 जून की दरमियानी रात घटी घटना

दरअसल, यह घटना 15 और 16 जून की रात की है। पाटन कृषि उपज मंडी में मूंग लदा ट्रक खड़ा था। अगली सुबह अनाज व्यापारी विकास अग्रवाल स्टॉक को लेकर जबलपुर ले जाने के लिए मंडी परिसर पहुंचे।

स्थानीय किसानों से की थी खरीदी

मिली जानकारी के अनुसार व्यापारी विकास अग्रवाल ने स्थानीय किसानों से मूंग की 134 बोरियां खरीदी थीं और उन्हें मंडी यार्ड के अंदर खड़े एक ट्रक में लोड किया था। अगले दिन से जबलपुर ले जाने की योजना थी। एहतियात के तौर पर वाहन को रात भर परिसर के अंदर ही छोड़ दिया। हालांकि जब मंगलवार 16 जून को वह मंडी पहुंचे तो उन्होंने पाया कि ट्रक उसी जगह पर खड़ा है लेकिन खाली था।

मंडी से बाहर निकला था ट्रक

वहीं, पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच और मंडी से मिले सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि दो-तीन अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर रात 1 से 2 बजे के बीच ट्रक को मंडी से बाहर निकाला था। पुलिस को शक है कि आरोपी वाहन को किसी सुनसान जगह पर ले गए, मूंग को दूसरे वाहन में उतारा और फिर खाली ट्रक को मंडी में वापस ले आए, ताकि चोरी का पता चलने में देरी हो। कई सीसीटीवी क्लिप की जांच की जा रही है और संदिग्धों की पहचान करने की कोशिशें जारी हैं। जीएस राजपूत, पाटन एसएचओ उन्होंने कहा कि फुटेज में कुछ लोग रात के समय ट्रक को मंडी से बाहर ले जाते हुए दिख रहे हैं। हम आस-पास के रास्तों की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग का विश्लेषण कर रहे हैं और तकनीकी सबूत इकट्ठा कर रहे हैं। मामला दर्ज कर लिया गया है

भोपाल में हर जगह 'वर्क इन प्रोग्रेस' 15 KM के दायरे में फैला मेट्रो और फ्लाइओवर का काम, सड़कों पर रेंग रहे वाहन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल इन दिनों बड़े बुनियादी ढांचागत विकास के दौर से गुजर रही है, लेकिन मानसून की आहट के बीच यही विकास आम जनता के लिए जी का जंजाल बन गया है। शहर में करीब 15 किलोमीटर के दायरे में मेट्रो रेल, सड़कों और फ्लाइओवर का काम सक्रिय रूप से चल रहा है। इस भारी निर्माण कार्य के कारण सबसे बड़ी समस्या विभिन्न जिम्मेदार विभागों जैसे मेट्रो कॉर्पोरेशन, नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस के बीच आपसी समन्वय की कमी के रूप में सामने आ रही है।

विभागों में आपस में मढ़ा जा रहा दोष

बीते मंगलवार को भेल क्षेत्र में लगे भीषण जाम को लेकर मेट्रो अधिकारियों और ट्रैफिक पुलिस के बीच तीखी बहस देखने को मिली। ट्रैफिक पुलिस ने जहां जाम के लिए मेट्रो निर्माण को जिम्मेदार ठहराया, वहीं एमपीएमआरसीएल के अधिकारियों ने इन आरोपों पर हैरानी जताई। मेट्रो अधिकारियों का दावा है कि वे 2 जून को लिखे पत्र और प्रशासन के साथ पूर्व में हुई बैठकों के अनुसार सभी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर का पूरी तरह पालन कर रहे हैं। वर्तमान में करौंद से मंडी, भदभदा से रंगमहल और रत्नगिरि से जेके रोड जैसे व्यस्त रूटों पर एलिवेटेड मेट्रो का काम चल रहा है। इसके साथ ही अयोध्या बायपास, कोलार और शाहपुरा क्षेत्रों में फ्लाइओवर और सड़कों के चौड़ीकरण का काम एक साथ चलने से पूरा शहर ट्रैफिक के मोर्चे पर ब्लॉक हो गया है। स्थानीय निवासी राजेश के मुताबिक, करौंद से ऑफिस पहुंचने में अब रोजाना 40 मिनट से ज्यादा का समय बर्बाद हो रहा है।

होटल में रेंजर की पत्नी की 'रेड', दरवाजा खुलते ही बाथरूम में भागी गर्लफ्रेंड

मध्यप्रदेश के रीवा के एक होटल में रेंजर बृजेंद्र पाण्डेय के अपनी कथित महिला मित्र के साथ ठहरने को लेकर विवाद हो गया. सूचना मिलने पर उनकी पत्नी होटल पहुंच गईं, जिसके बाद कमरे में मौजूद महिला और पत्नी के बीच बहस शुरू हो गई.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। एक होटल से जुड़ा मामला चर्चा का विषय बना हुआ है. यहां एक रेंजर अपनी कथित महिला मित्र के साथ होटल के कमरे में रुके हुए थे, तभी उनकी पत्नी वहां पहुंच गईं. इसके बाद होटल में काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही. मामले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. जानकारी के अनुसार, रेंजर बृजेंद्र पाण्डेय रविवार देर रात करीब 10:48 बजे रीवा के होटल रॉयल इन पहुंचे थे. बताया जा रहा है कि उन्होंने होटल के कमरा नंबर 206 को बुक कराया था. होटल के रिकॉर्ड में रेंजर ने अपना आधार कार्ड जमा कराया और आगंतुक रजिस्टर में अपना नाम दर्ज कराया. आरोप है कि उनके साथ मौजूद महिला का नाम होटल प्रबंधन ने रजिस्टर में दर्ज नहीं किया, जिसे लापरवाही माना जा रहा है.

बाथरूम में छिपी महिला

सोमवार दोपहर रेंजर की पत्नी को उनके होटल में ठहरने की जानकारी मिली. इसके बाद वह सीधे होटल पहुंचीं और उस कमरे तक पहुंच गईं, जहां उनके पति के ठहरने की सूचना थी. बताया जा रहा है कि पत्नी ने कमरे का दरवाजा खटखटाया. इसी दौरान कमरे में मौजूद महिला कथित तौर पर बाथरूम में चली गई. इसके बाद रेंजर की पत्नी और महिला के बीच बातचीत और बहस शुरू हो गई. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद बढ़ने के कारण होटल में हंगामे जैसी स्थिति बन गई. इस दौरान रेंजर माहौल को शांत कराने और महिला को वहां से हटाने की कोशिश करते रहे, जबकि उनकी पत्नी लगातार सवाल पूछती रहीं. बाद में रेंजर और उनके साथ मौजूद महिला होटल से बाहर निकल गए. बताया जा रहा है कि दोनों वहां से एक ट्रक में सवार होकर चले गए. मामले की सूचना मिलने के बाद चोरहटा थाना पुलिस ने पत्नी की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर लिया है. पुलिस होटल पहुंचकर जांच करेगी और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाने का प्रयास करेगी. जानकारी के अनुसार, रेंजर की पत्नी सतना जिले में पुलिस कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है.

मदद करो साब! झोली फैलाकर कलेक्टर के पैरों में गिरी मां-बेटी... जनसुनवाई में मचा हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर। कलेक्ट्रेट में चल रही जनसुनवाई में उस वक्त हंगामा हो गया जब न्याय की गुहार लगा रही महिला और उसकी बेटी कलेक्टर के पैरों में गिर पड़ीं. परेशान हाल महिला अपनी बेटी के साथ सुरक्षा की मांग को लेकर पिछले कई महीनों से पुलिस अधिकारियों के चक्कर काट रही है, लेकिन जब उसे न्याय नहीं मिला तो उसने जनसुनवाई में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के पैर पकड़ लिए.

एकाएक पैरों में गिर गईं मां- बेटी

अचानक हुए इस घटनाक्रम से कलेक्टर भी हैरान रह गए और उन्होंने तत्काल मौके पर मौजूद अधिकारियों को पीड़ित महिला की शिकायत पर कार्रवाई करने की आदेश दिए. दरअसल घमापुर क्षेत्र में रहने वाली पूजा दुबे पड़ोस की कुछ असामाजिक तत्वों से पिछले कई महीनों से परेशान है. पूजा दुबे का आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले कुछ लड़के उसकी बेटी को पिछले कई दिनों से परेशान कर रहे हैं. वे आए दिन छेड़छाड़ करते हैं और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देते हैं . इसकी शिकायत लेकर वह कई बार थाने पहुंची और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही. पीड़ित महिला का आरोप है कि उसके घर के पीछे भगवती बेन और उसके परिवार के सदस्य उसे अक्सर विवाद करते हैं. मारपीट करते हैं और गाली गलौज करके उसके परिवार को परेशान कर रहे हैं. उसकी बेटी से छेड़खानी की जाती है शिकायत के बावजूद भी पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही . पुलिस अधीक्षक के पास भी जनसुनवाई में शिकायत दी जा चुकी है लेकिन पुलिस अधीक्षक ने भी कोई कार्रवाई नहीं की इसलिए आज वह कलेक्टर जनसुनवाई में अपनी शिकायत लेकर पहुंची है. फिलहाल पीड़ित महिला की शिकायत पर कार्रवाई शुरू की जा चुकी है

'ड्यूटी पर रील मत बनाओ, सिस्टम पर उंगली उठती हैं', रीलबाज पुलिसवालों को सीएम योगी की नसीहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। लोकभवन में सीएम योगी ने कहा कि ड्यूटी पर रील बनाकर आप लोग हंसी का पात्र बनते हैं। लोगों को सिस्टम पर उंगली उठाने का मौका मिलता है, इसलिए ऐसा मत करिए। अक्सर आपने देखा होगा कि सोशल मीडिया पर कुछ सरकारी कर्मचारी या पुलिस के जवान रील बनाते हुए नजर आते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसा करने वाले सरकारी कर्मचारियों को नसीहत दी है। सीएम योगी ने कहा कि ड्यूटी के दौरान रील बनाना अनुशासनहीनता का ही एक हिस्सा है। ये सब नहीं करना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसा करने से आप लोग हंसी का पात्र बनते हैं, जो सही नहीं सीएम योगी ने ये बातें बुधवार को लखनऊ के लोक भवन में नवनियुक्त 930 कंप्यूटर ऑपरेटरों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कही। सीएम योगी ने कहा, 'अक्सर हम लोग देखते हैं कि ड्यूटी के दौरान बहुत सारे लोग रील बनाते रहते हैं। ये अनुशासनहीनता का ही एक पार्ट है। उस समय हमें अपनी ड्यूटी के प्रति सजग होना होगा, ना कि रील बनानी होगी। इस बात का हमें ध्यान रखना है कि जो हमारा काम है, उसके प्रति उतनी ही सतर्कता और गंभीरता भी होनी चाहिए, तभी वह काम गरिमापूर्ण तरीके से परिणाम दे पाएगा।' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी कर्मचारियों को नसीहत देते हुए कहा, 'हमें कोई ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए, जो अनावश्यक तौर पर हमें हंसी का पात्र बनाए। इससे सिस्टम पर अनावश्यक उंगली उठाने का प्रयास होता है। कुछ लोग अपने आप कुछ कर नही सकते, तो अनावश्यक सिस्टम पर उंगली उठाते हैं। जिसकी जहां ड्यूटी है, वह कार्य करेगा तो परिणाम अपने आप आएगा। उस परिणाम को लाने के लिए टीम भाव के साथ हम सबको आगे बढ़ना होगा।'

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर अखिलेश यादव का तंज, बोले- 'BJP के लिए धर्म का मतलब सिर्फ धन'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तरप्रदेश के लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार को घेरा है. उन्होंने अयोध्या में चढ़ावा चोरी के आरोपों पर तंज कसने के साथ ही गोरखपुर को लेकर कई चौंकाने वाले आंकड़े जारी किए हैं. समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को लखनऊ स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला. अखिलेश यादव ने अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले पर तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी के लिए धर्म का मतलब सिर्फ धन है. इसके साथ ही उन्होंने सपा द्वारा जारी 'ऑडिट 2' के तहत 'राम नगरी में गोरखधंधा' बुकलेट का हवाला देते हुए गोरखपुर में 500 प्राइमरी स्कूल बंद होने, दलितों के खिलाफ अपराध और पब्लिक हेल्थ से जुड़े गंभीर आंकड़े पेश कर सरकार को घेरा. अखिलेश यादव ने अयोध्या मामले पर चुटकी लेते हुए कहा कि जहां भी चुनावों में बेईमानी हुई थी, वहां सीसीटीवी नहीं मिले थे और यहां भी सीसीटीवी फुटेज गायब हो गए हैं. उन्होंने कहा कि सीसीटीवी से 'सीसी' का राज खुल जाएगा, जिसका मतलब 'चढ़ावा चोरी' और 'चंदा चोरी' है. सपा मुखिया ने आरोप लगाया कि कंडे तक में पैसे मिल रहे हैं और जब अयोध्या में दुकानें तोड़ी गई थीं, तब वहां के लोग हमारे पास आए थे क्योंकि सरकार ने किसी की नहीं सुनी थी. उन्होंने अभिनेता और सांसद रवि किशन को सपा की दोनों किताबें भिजवाने की बात भी कही. गोरखपुर को लेकर आंकड़े दिखाते हुए अखिलेश ने कहा कि वहां 500 प्राइमरी स्कूल बंद कर दिए गए, जिससे सीधे-सीधे 1500 लोगों की सरकारी नौकरी छीन ली गई. उन्होंने गोरखपुर में दलितों के खिलाफ अपराध और पब्लिक हेल्थ को लेकर भी डेटा दिखाया. सपा अध्यक्ष ने दावा किया कि गोरखपुर के नेताओं ने इस बार परिणाम बदलने का संकल्प लिया है.

तेंदुए से आधे घंटे तक लड़ा युवक, कुछ देर बाद हो गई तेंदुए की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

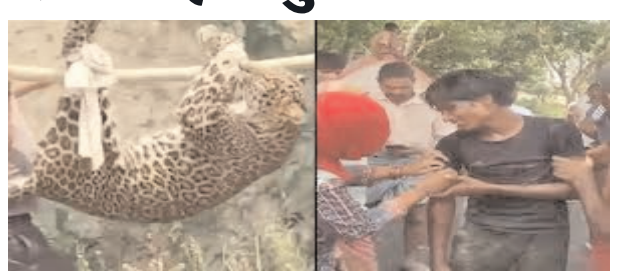

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में इंसान और तेंदुए के आमने-सामने आने की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. सिरसिया थाना क्षेत्र के विभूति नाथ मंदिर इलाके में मंगलवार को एक तेंदुए ने किशोर पर हमला कर दिया. जान बचाने की जद्दोजहद में किशोर ने करीब आधे घंटे तक तेंदुए का मुकाबला किया. इस संघर्ष में किशोर और तेंदुआ दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए. बाद में तेंदुए की मौत हो गई, जबकि किशोर का अस्पताल में उपचार चल रहा है. जानकारी के मुताबिक, घटना उस समय हुई जब क्षेत्र में अचानक तेंदुआ पहुंच गया. बताया जा रहा है कि भीषण गर्मी और पानी की कमी के कारण वह जंगल से निकलकर रिहायशी इलाके की ओर आ गया था. इसी दौरान उसकी किशोर से मुठभेड़ हो गई और उसने हमला कर दिया. मौजूद लोगों ने बताया कि तेंदुए के हमले के बाद किशोर ने हिम्मत नहीं हारी और खुद को बचाने के लिए लगातार संघर्ष करता रहा. शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके की ओर दौड़े. लोगों की भीड़ बढ़ती देख तेंदुआ किशोर को छोड़कर पास के एक खेत में जाकर बैठ गया. तब तक दोनों गंभीर रूप से घायल हो चुके थे. घटना की सूचना मिलते ही किशोर के परिजन मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया. प्राथमिक उपचार के बाद उसे भिनगा भेजा गया, जहां से डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे बहराइच रेफर कर दिया. फिलहाल उसका उपचार जारी है. सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और घायल तेंदुए का रेस्क्यू कर उसे पूर्वी सोहेलवा रेंज कार्यालय ले गई. हालांकि उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार मृत तेंदुआ करीब तीन वर्ष की मादा थी. प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) गौरव गर्ग ने बताया कि प्रारंभिक जांच में तेंदुए के शरीर पर फंगल संक्रमण के संकेत मिले हैं. आशंका जताई जा रही है कि बीमारी और कमजोरी के कारण उसका व्यवहार आक्रामक हो गया होगा. तेंदुए के नमूने लेकर जांच के लिए बरेली स्थित प्रयोगशाला भेजे गए हैं.

दिल्ली में बस हेल्पर की हत्या, लूट का विरोध करने पर चाकुओं से गोद डाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में लूट की कोशिश का विरोध करने पर राजस्थान के एक 25 वर्षीय बस हेल्पर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. अधिकारी के मुताबिक वह अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था. मृतक की पहचान मुशर्रफ के तौर पर हुई है, जो राजस्थान के अलवर जिले का रहने वाला था और दिल्ली में एक प्राइवेट बस में हेल्पर का काम करता था. उसके परिवार में माता-पिता और बहनें हैं, जो सभी आर्थिक रूप से उसी पर निर्भर थे. पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह घटना 14 और 15 जून की दरमियानी रात को हुई, जब मुशर्रफ घर लौट रहा था. बताया जा रहा है कि अज्ञात हमलावरों के एक समूह ने उसे रोका और लूटने की कोशिश की. एक सूत्र ने बताया कि जब पीड़ित ने लूट की कोशिश का विरोध किया, तो हमलावरों ने कथित तौर पर उसे कई बार चाकू मारा और मौके से भाग गए. बाद में मुशर्रफ खून से लथपथ हालत में मिला. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस उसे गुरु तेग बहादुर अस्पताल ले गई, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. सूत्र ने बताया कि आरोपियों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए आसपास के इलाके के CCTV फुटेज की जांच की जा रही है. अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है. यह हत्या उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में हुए एक और जानलेवा हमले के एक दिन बाद हुई है, जहां अज्ञात हमलावरों ने 40 वर्षीय राशिद पर कथित तौर पर करीब एक दर्जन राउंड गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौत हो गई. फिलहाल पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है. जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

'देश में बढ़ रही हुकूमशाही' 'ऑपरेशन टाइगर' पर अंबादास दानवे का हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र । राजनीति में 'ऑपरेशन टाइगर' को लेकर चल रही सियासी खींचतान के बीच शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता अंबादास दानवे ने बीजेपी और महायुति सरकार पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने विरोधी पक्ष पर केंद्रीय एजेंसियों और पैसों के बल पर सांसदों को डराने-धमकाने का गंभीर आरोप लगाया है. अंबादास दानवे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सांसदों को ऑफर दिए जाने की चर्चाएं पूरी तरह सही हो सकती हैं, क्योंकि विरोधी पक्ष के पास अब पैसों के अलावा और कुछ बचा ही नहीं है. उन्होंने तीखा तंज कसते हुए कहा कि जब जनता के बीच सीधे जाने का साहस नहीं है तो ऐसी राजनीति करने से अच्छा है कि राजनीति छोड़ दें. पार्टी के सांसदों के टूटने की खबरों के बीच लोकसभा अध्यक्ष को पत्र दिए जाने के मुद्दे पर दानवे ने स्थिति साफ की. उन्होंने कहा कि मौजूदा राजनीतिक माहौल को देखते हुए एहतियात के तौर पर यह कदम उठाना बेहद जरूरी था. हालांकि, अभी तक किसी भी सांसद का नाम नहीं लिया गया है और न ही किसी के खिलाफ कोई औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है. शिंदे गुट की नेता शाइना एनसी के 'ऑपरेशन टाइगर' सफल होने के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए दानवे ने कहा कि पहले ये स्पष्ट होना चाहिए कि शाइना एनसी आखिर किस पार्टी में हैं. उन्होंने कहा कि कभी बीजेपी की प्रवक्ता रहीं शाइना अब शिंदे गुट की तरफ से बोल रही हैं और उनकी बातों को ज्यादा महत्व देने की जरूरत नहीं है. सूत्रों के अनुसार, पत्र के बारे में अभी जानकारी उपलब्ध नहीं. पर संभावनाएं हैं कि उन्होंने एक अलग गुट बनाया है जो बाद में शिवसेना शिंदे में पार्टी का विलय करेगा. सूत्रों का कहना है

उद्धव की सेना फिर गई टूट, 6 बागी सांसदों ने शिंदे को माना नेता, लोकसभा स्पीकर को सौंपी चिट्ठी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। सियासत में एक बार फिर से उद्धव ठाकरे को बड़ा सियासी झटका लगा है. शिवसेना (यूबीटी) के 9 लोकसभा सांसदों में से 6 सांसदों ने उद्धव ठाकरे का साथ छोड़कर अलग अपना गुट बनाने का फैसला किया है. शिवसेना (यूबीटी) के 6 सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा कि उन्हें अलग समूह माना जाए. शिवसेना (यूबीटी) के जिन सांसदों ने स्पीकर को पत्र लिखा है, उसमें संजय जाधव , संजय देशमुख, नागेश पाटिल अष्टिकर , ओमराजे निंबालकर, भाऊसाहेब वाकचौरे और संजय दीना पाटिल शामिल हैं. महाराष्ट्र में भी उद्धव ठाकरे के साथ खेला हो गया है. शिवसेना (यूबीटी) के 9 में से 6 सांसदों ने बुधवार सुबह साढ़े 9 बजे स्पीकर को पत्र देकर एकनाथ शिंदे की पार्टी में विलय करने की मांग की है. उद्धव के 6 सांसदों ने अपना गुट बनाकर शिवसेना में विलय कर दिया है. उद्धव की पार्टी के 6 बागी सांसद बुधवार सुबह नांदेड़, पुणे और मुंबई से प्राइवेट प्लेन से दिल्ली पहुंचे. इस दौरान उनके साथ में एकनाथ शिंदे की शिवसेना के एक सीनियर नेता मौजूद थे, जिनके साथ दिल्ली आए और स्पीकर को अपने समर्थन का पत्र सौंपा है. यूबीटी में बगावत की अटकलों के बीच दिल्ली में संजय राउत के आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में अरविंद सावंत और चीफ व्हिप अनिल देसाई और नासिक के सांसद राजाभाऊ मौजूद थे. इस तरह शिवेसना (यूटीबी) के 9 में से 3 लोकसभा सांसद ही पहुंचे थे, 6 सांसद नहीं थे. इसके मतलब साफ है कि उद्धव की पार्टी में टूट का खतरा बना हुई है. वहीं, शिवेसना (यूबीटी) के टिकट पर जीतकर आए 9 सांसदों में से छह सांसद एक साथ आए गए हैं तो तीन सांसद अभी भी उद्धव ठाकरे के साथ खड़े हैं. उन्होंने कहा था कि सभी 9 सासंद हमारी पार्टी के टिकट पर जीतकर आए हैं. उद्धव ठाकरे ने उन्हें जिताने के लिए दिन-रात एक कर दिया. हमने उन्हें जितना हो सका संसाधन दिए.

मुंबई में गहराया जल संकट! कंस्ट्रक्शन साइट्स और स्विमिंग पूल में रुकी वाटर सप्लाई

बीएमसी ने कंस्ट्रक्शन साइट्स, स्विमिंग पूल, स्पोर्ट्स क्लब, फैक्ट्रियों और कमर्शियल जगहों पर पानी की सप्लाई में कटौती के नए नियम लागू किए हैं.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में 'अल नीनो' की वजह से इस बार मॉनसून के आने में काफी देरी हो गई है. हालात ये हैं कि शहर को पानी देने वाली 7 झीलों में अब सिर्फ 10.3' पानी ही बचा है. झीलों में पानी को सूखता देख बीएमसी यानी बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने एक बड़ा कदम उठाया है. बीएमसी ने मंगलवार को ऐलान करते हुए कहा कि वे कंस्ट्रक्शन साइट्स और स्विमिंग पूल में पानी की सप्लाई रोक रहा है. इसके साथ ही स्पोर्ट्स क्लबों, फैक्ट्रियों (इंडस्ट्रियल) और व्यापारिक (कमर्शियल) जगहों पर भी पानी की सप्लाई में 20' की कटौती की जाएगी. ये सभी नए नियम बुधवार से लागू हो चुके हैं. नगर निगम ने ये भी कहा है कि अगले आदेश तक निर्माण कंस्ट्रक्शन के लिए पानी का कोई भी नया कनेक्शन नहीं दिया जाएगा. कोल्ड ड्रिंक्स और पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर बनाने वाले प्लांटों को भी अब उतना ही पानी मिलेगा, जितना उनके कर्मचारियों के पीने के लिए जरूरी है. बीएमसी

प्रशासन ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि इन नियमों का पालन सख्ती से किया जाएगा. अगर कोई भी शख्स नगर निगम द्वारा सप्लाई किए गए पीने के पानी को बर्बाद या उसका गलत इस्तेमाल करते पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी. महाराष्ट्र सरकार के जल संसाधन विभाग के निर्देश के बाद ही बीएमसी ने पानी बचाने के लिए ये कदम उठाया है. इसके लिए नगर निगम के हाइड्रोलिक इंजीनियर विभाग ने बकायदा एक विस्तृत सर्कुलर जारी कर के सभी गाइडलाइंस की जानकारी दी है. फिलहाल, मुंबई शहर और उसके आस-पास के इलाकों को हर रोज करीब 4,664 मिलियन लीटर पानी की जरूरत होती है, लेकिन अभी मुंबई को सभी स्रोतों से मिलाकर रोज औसतन केवल 4,100 मिलियन लीटर पानी ही मिल पा रहा है. हालात को देखते हुए बीएमसी ने बचाव के तौर पर 15 मई से ही मुंबई में 10' पानी की कटौती लागू कर दी थी. मॉनसून में देरी की वजह से अब इस बचे हुए पानी को ज्यादा से ज्यादा दिनों तक चलाना नगर निगम के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है. नए सर्कुलर के मुताबिक, पब्लिक टॉयलेट्स चलाने वाली संस्थाओं को अब पीने के पानी की जगह टैंकर या बोरवेल के पानी का ज्यादा इस्तेमाल करना होगा. इसके अलावा, गाड़ियों को धोने, बगीचों में पेड़-पौधों को पानी देने और सड़कों की सफाई के लिए सिर्फ कुएं या बोरवेल के पानी का ही इस्तेमाल किया जा सकेगा. सेंट्रल रेलवे, वेस्टर्न रेलवे, नेवी, एचपीसीएल और बीपीसीएल जैसे बड़े सरकारी और औद्योगिक प्रतिष्ठानों को भी सख्त निर्देश दिए गए हैं. इन्हें अपने रोजमर्रा के बाकी कामों के लिए कोलाबा और अन्य सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से साफ किए गए (ट्रीटेड) पानी को दोबारा इस्तेमाल करने के लिए कहा गया है.

बागी सांसदों को गाली देने पर आई संजय राउत की सफाई, कहा- गलत क्या है, हम मराठी भाषा में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई/नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने पार्टी के सांसदों को तोड़ने की कोशिश का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि कुछ सांसदों को पाला बदलने के लिए 15 करोड़ रुपये तक की पेशकश की गई है। पार्टी ने संसदीय बैठक के लिए व्हिप जारी किया है और लोकसभा अध्यक्ष को भी पत्र लिखकर स्थिति से अवगत कराया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि बगावत करने वाले सांसदों को छोड़ा नहीं जाएगा। इस दौरान प्रेसवार्ता में यूबीटी से बगावत करने वाले सांसदों को अपशब्द कहने पर संजय राउत ने बेबाक राय रखी। राउत ने कहा कि इसमें गलत क्या है? गाली-गलौज पर संजय राउत ने कहा कि हम मराठी भाषा में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। बागी सांसदों के लिए इस्तेमाल की गई भाषा पर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने कहा कि हम मराठी भाषा में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। इसमें गलत क्या है? मुझे अच्छी तरह पता है कि कौन सी भाषा कब इस्तेमाल करनी है। जो भाषा कोई समझता हो, वही इस्तेमाल करनी चाहिए। मैंने पार्लियामेंट में ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं किया है। जो आदमी 15 करोड़ रुपये लेकर पार्टी छोड़ दे, उसके बारे में आप क्या कहेंगे? क्या

आप ऐसे आदमी पर फूल बरसाएंगे? इससे पहले मीडिया से बातचीत के दौरान कुछ सांसदों के बगावत करने संबंधी सवाल पर संजय राउत ने कहा कि फिलहाल मुझे लगता है कि सभी साथ हैं और पार्टी एकजुट है। मेरे पास किसी आधिकारिक इस्तीफे या पार्टी छोड़ने की कोई जानकारी नहीं है। हालांकि, मीडिया के जरिए हमें ऐसी खबरें मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे की अगुवाई में मातोश्री पर सांसदों की बैठक हुई थी, जिसमें कुछ सांसद व्यक्तिगत रूप से मौजूद थे, जबकि अन्य वर्चुअली शामिल हुए थे। राउत के अनुसार, बैठक में सभी सांसदों ने पार्टी और उद्धव ठाकरे के साथ रहने की बात कही थी। राउत ने कहा कि अगर इसके बावजूद कोई शिवसेना से बेइमानी करना चाहता है, तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। बगावत करने वाले सांसद शिवसेना (यूबीटी) के चुनाव चिह्न पर चुने गए हैं। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा गया है और पार्टी की बैठक भी बुलाई गई है। राउत ने कहा कि जो सांसद पाला बदलना चाहते हैं, उन्हें पहले इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में सांसदों की खरीद-फरोख्त की जा रही है और भाजपा शिवसेना को तोड़ने का प्रयास कर रही है। हालांकि, भाजपा की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। राउत ने यह भी दावा किया कि कुछ सांसदों तक 15-15 करोड़ रुपये रात को ही पहुंचाए जा चुके हैं और वे चार्टर्ड विमान से रवाना हुए हैं। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। सांसद संजय राउत ने आगे कहा कि ये सभी हमारी पार्टी के सदस्य, सांसद और प्रतिनिधि हैं, जिनके लिए हमारे कार्यकर्ताओं ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में बहुत लगन और त्याग के साथ काम किया है। हमने उन्हें टिकट दिए, चुनाव के लिए आर्थिक मदद की और अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव कोशिश की। इतनी कोशिशों के बाद भी अगर उनके बारे में ऐसी खबरें आ रही हैं, तो उन्हें सामने आकर साफ तौर पर इनका खंडन करना चाहिए।

महाराष्ट्र में खुलेंगे नए RTO और SRTO कार्यालय, विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को मिली सैद्धांतिक मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। राज्य में बढ़ती वाहन संख्या और नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने नए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) और उप-क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय खोलने की दिशा में कदम बढ़ाया है। परिवहन विभाग की विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को मंजूरी देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं-

महाराष्ट्र में कितने आरटीओ कार्यालय?

वर्तमान में राज्य में 60 आरटीओ कार्यालय कार्यरत हैं। हालांकि, कई क्षेत्रों में लोगों को वाहन संबंधी कामों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इसे देखते हुए सरकार ने ऐसे क्षेत्रों को प्राथमिकता देने का फैसला किया है, जो मौजूदा आरटीओ कार्यालय से 50 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित हैं।परिवहन विभाग के अधिकारी के अनुसार, नए कार्यालय खुलने से नागरिकों को वाहन पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन फिटनेस जांच,

कर भुगतान और अन्य सेवाएं अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हो सकेंगी। इससे लोगों का समय और खर्च दोनों बचेंगे। नए आरटीओ के लिए तय किए गए मानदंड विशेषज्ञ समिति ने नए आरटीओ कार्यालयों की स्थापना के लिए कुछ मानदंड तय किए हैं। प्रस्तावित कार्यालय के कार्यक्षेत्र में कम से कम चार तहसीलें होनी चाहिए। इसके अलावा उस क्षेत्र में पांच लाख से अधिक वाहन, सात लाख से अधिक आबादी और सालाना 100 करोड़ रुपये से ज्यादा राजस्व होना आवश्यक होगा। वाहन संख्या, जनसंख्या, राजस्व, भौगोलिक दूरी और उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं को भी ध्यान में रखा जाएगा। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और समय पर सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि राज्य में वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है, इसलिए परिवहन विभाग की व्यवस्था को और मजबूत करना जरूरी हो गया है। नए आरटीओ कार्यालय शुरू होने से नागरिकों की परेशानी काफी हद तक कम होगी।

WhatsApp पर आया CEO का मैसेज, कंपनी ने भेज दिए 11 करोड़... फिर दिल्ली में खुली साइबर ठगों की पूरी चेन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। कल्पना कीजिए, आप किसी बड़ी कंपनी के अकाउंट्स विभाग में काम करते हैं. अचानक आपके फोन पर कंपनी के CEO का मैसेज आता है. मैसेज में लिखा होता है कि एक जरूरी और गोपनीय ट्रांजेक्शन करना है. सब कुछ सामान्य लगता है, क्योंकि मैसेज भेजने वाले का नाम भी CEO का ही होता है. लेकिन आपको नहीं पता कि फोन के दूसरी तरफ कोई CEO नहीं, बल्कि एक साइबर ठग बैठा है. मुंबई में कुछ ऐसा ही हुआ. और इसी कहानी की डोर दिल्ली तक पहुंची, जहां पुलिस ने एक ऐसे साइबर सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है, जो करोड़ों की ऑनलाइन ठगी की रकम को बैंक खातों से निकालकर आगे पहुंचाने का काम करता था. कहानी की शुरुआत होती है मुंबई से. पुलिस के मुताबिक, 3 जून से 15 जून 2026 के बीच एक निजी कंपनी को WhatsApp पर CEO बनकर मैसेज भेजे गए. मैसेज इतने भरोसेमंद थे कि कंपनी के कर्मचारियों को जरा भी शक नहीं हुआ. नतीजा यह हुआ कि अलग-अलग बैंक खातों में कुल 63 ट्रांजेक्शन किए गए और करीब 10.40 करोड़ रुपये साइबर ठगों के नेटवर्क में पहुंच गए. आमतौर पर लोग सोचते हैं कि साइबर ठगी करने वाला ही सबसे बड़ा अपराधी होता है. लेकिन असलियत में

ऐसे मामलों में एक पूरी चेन काम करती है. कोई फर्जी पहचान बनाता है, कोई बैंक खाते उपलब्ध कराता है, कोई रकम ट्रांसफर कराता है और कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनका काम सिर्फ पैसा निकालकर आगे पहुंचाना होता है. दिल्ली पुलिस के हत्थे ऐसे ही लोग चढ़े हैं. दरअसल, जसोला स्थित एक बैंक शाखा के मैनेजर को कुछ ट्रांजेक्शन संदिग्ध लगे. बैंक को शक हुआ कि खातों में आने वाली रकम सामान्य नहीं है. सूचना पुलिस तक पहुंची और फिर शुरू हुई जांच. पुलिस ने खातों की पड़ताल की तो पैसों का एक ऐसा जाल सामने आया, जिसकी कड़ियां मुंबई की करोड़ों की साइबर ठगी से जुड़ती चली गईं. जांच के आधार पर पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. इनकी पहचान 22 वर्षीय विकास, 21 वर्षीय वंश, 22 वर्षीय फैयाज आलम, 28 वर्षीय अमित और 23 वर्षीय बलवीर कुमार के रूप में हुई है. सभी आरोपी दिल्ली के रहने वाले हैं. पुलिस का आरोप है कि ये लोग कमीशन के आधार पर साइबर ठगी की रकम को बैंक खातों से निकालते थे. यानी ठगी कोई और करता था, लेकिन पैसे को सिस्टम से बाहर निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाने का जिम्मा इन लोगों पर था. पुलिस की मानें तो इनकी गिरफ्तारी से करीब 9 लाख रुपये की संदिग्ध रकम की निकासी भी रोकी जा सकी. अगर समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो यह रकम भी नेटवर्क के दूसरे हिस्सों तक पहुंच जाती. जांच में सामने आया है कि यह कोई छोटा-मोटा गिरोह नहीं, बल्कि एक संगठित साइबर नेटवर्क है. दिल्ली पुलिस अब 10 करोड़ रुपये से ज्यादा के फाइनेंशियल ट्रेल की जांच कर रही है. यह पता लगाया जा रहा है कि रकम किन खातों में गई, किसने निकाली और आखिरकार उसका अंतिम ठिकाना कहां था. इस कहानी के कई किरदार अभी भी पर्दे के पीछे हैं. गिरफ्तार आरोपी नेटवर्क का सिर्फ एक हिस्सा बताए जा रहे हैं. पुलिस का दावा है कि गिरोह के कई सदस्य अब भी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है. मुंबई की 10.40 करोड़ रुपये की ठगी और दिल्ली में हुई इन गिरफ्तारियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है

तूफान में भी नहीं फटेगा तिरंगा: सरकार कराएगी फैब्रिक की साइंटिफिक स्टडी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कुछ दिन पहले 100 किमी/घंटे से भी अधिक रफ्तार से आए तूफान में कई जगहों पर लगे तिरंगे झंडे फट गए थे। राष्ट्रीय ध्वज को फटने से रोकने के लिए सरकार ने अब झंडे के फैब्रिक की स्टडी कराने का प्लान बनाया है। दिल्ली के कुछ टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के इंजीनियरों को सरकार ने ऐसे कपड़े से झंडा बनाने का सुझाव मांगा है, जो आंधी तूफान में भी क्षतिग्रस्त न हों। ध्वज बनाने में ऐसे कपड़े का इस्तेमाल हो जो आंधी-तूफान में भी न फटेः प्रवेश दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के अनुसार, यह फैसला किया गया कि राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण में ऐसे कपड़े का इस्तेमाल किया जाए, जो आंधी-तूफान में भी न फटे। इसके अलावा बार-बार धुलाई करने पर भी धागों या सिलाई पर कोई असर न हो। इसके लिए दिल्ली के कुछ टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के इंजीनियरों को कपड़ों के फाइबर (रेशों) से लेकर धागा और तैयार कपड़ा बनाने की पूरी प्रक्रिया से संबंधित मिकैनिकल, केमिकल और डिजाइन की वैज्ञानिक स्टडी करने के लिए कहा गया है। आंधी में तिरंगे को फटने से बचाने के लिए सरकार झंडे के फैब्रिक की वैज्ञानिक स्टडी कराएगी। कुछ दिन पहले 100 किमी/घंटे से अधिक की रफ्तार वाले तूफान में कई जगहों पर तिरंगे फट गए थे। दिल्ली के PWD मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के अनुसार, झंडे के लिए ऐसा कपड़ा चाहिए जो आंधी-तूफान में न फटे। इसमें कपड़े का जीएसएम (ग्राम प्रति वर्ग मीटर) तय करने के लिए कहा गया है, ताकि उसी हिसाब से तय किया जा सके कि राष्ट्रीय ध्वज के लिए कितने जीएसएम का कपड़ा हो। इसके अलावा धागे से लेकर स्टिचिंग तक सबके बारे में पूरी जानकारी मांगी गई है।

नाबालिग लड़की को भगाने वाले व्यक्ति को नहीं मिलेगी जमानत, अदालत ने दो टूक में समझा दिया कानून

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की एक अदालत ने 25 साल के उस व्यक्ति की जमानत अर्जी खारिज कर दी है, जिस पर दिल्ली से 13 साल की लड़की को अगवा करने, उसे सूरत ले जाने और फिर जबरदस्ती शादी करने का आरोप है। अदालत ने इसे लेकर आरोपी पक्ष को दो टूक में कानून समझा दिया। अदालत ने बताया आखिर उसे क्यों जमानत नहीं मिल सकती है।

जमानत नहीं मिलने की वजह

एडिशनल सेशंस जज हरगुरवरिंदर सिंह जग्गी ने कहा कि ऐसे गंभीर अपराधों में नाबालिग की सहमति की कोई कानूनी अहमियत या वैधता नहीं होती है। इसलिए इस मामले में फिलहाल कोई जमानत नहीं मिलेगी। बता दें कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 और भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होते हैं। कानूनन, विवाह के लिए लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और लड़के की 21 वर्ष होनी चाहिए। अदालत ने पाया कि पीड़िता 17 से 26 फरवरी के बीच आरोपी के साथ रही थी और आरोपों को बेहद परेशान करने वाली घटना बताया, जिसके कारण आरोपी को हिरासत में रखना जरूरी है। लड़की के पिता ने बताया कि 13 साल की लड़की 17 फरवरी को नेब सराय स्थित अपने घर से अपनी मां के काम की जगह के लिए निकली थी, लेकिन न तो वहां पहुंची और न ही वापस लौटी। पुलिस को पता चला कि यूपी के मैनपुरी का रहने वाला आरोपी मोहित ठाकुर एक कार्यक्रम के सिलसिले में पीड़िता के इलाके में आया था और कथित तौर पर उसे अपने साथ ले गया था। 22 फरवरी को पिता ने ठाकुर के नंबर से मिली एक तस्वीर पेश की, जिसमें लड़की सिंदूर और मंगलसूत्र पहने हुए दिख रही थी। अदालत ने आगे कहा कि यह एक स्थापित सिद्धांत है

त्योहारों और खास मौकों पर 'म्यूजिकल' होंगी दिल्ली की सड़कें, पहली बार EMI मॉडल पर बदली जाएंगी 1 लाख स्ट्रीट लाइट्स

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कहीं आपको संगीतमय रोशनी वाली स्ट्रीट लाइट्स दिखें, तो चौंकने की जरूरत नहीं। दिल्ली सरकार पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर लगी एक लाख स्ट्रीट लाइट्स को बदलकर नए किस्म की आधुनिक स्ट्रीट लाइट्स लगाने की योजना बना रही है। सरकार पहली बार मंथली इंस्टॉलमेंट मॉडल अपना रही है। इसके तहत लाइट्स लगाने वाली एजेंसी को हर महीने भुगतान किया जाएगा। कहीं कोई लाइट खराब होती है, तो उसे 48 घंटे में बदलना भी होगा। कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के अनुसार, देश भर में किसी प्रोजेक्ट का भुगतान सरकारी एजेंसियां ओपन टेंडर, बीओटी (बिल्ड, ऑपरेट एंड ट्रांसफर), ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन) या फिर हाइब्रिड एन्युटी मॉडल के तहत करती हैं भुगतान की इस पुरानी प्रक्रिया को छोड़कर सरकार पहली बार ईएमआई मॉडल अपना रही है इसके तहत दिल्ली की 1400 किमी लंबी सड़कों पर लगी एक लाख स्ट्रीट लाइट्स बदली जाएंगी किसी एक एजेंसी को स्ट्रीट लाइट्स बदलने का ठेका दिया जाएगा और 60 किस्तों में उसका भुगतान किया जाएगा जो एजेंसी स्ट्रीट लाइट लगाएगी, उसे ही पांच साल तक उनका मेंटेनेंस भी करना होगा। अगर किसी सड़क पर कोई लाइट नहीं जल रही है, तो एजेंसी को उसे 48 घंटे में बदलना होगा 48 घंटे में बदलनी होगी खराब लाइट, लापरवाही बरतने पर एजेंसी को रोज देना होगा 2000 रुपये जुर्माना 60 इंस्टॉलमेंट में कुल ?450 करोड़ का भुगतान किया जाएगा कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि अगर एजेंसी तय समय में लाइट नहीं बदलती है, तो उसे प्रति लाइट, प्रति दिन 2000 रुपये का जुर्माना भी देना होगा।द्वमंत्री का कहना है कि दिल्ली में पहली बार आधुनिक संगीतमय स्ट्रीट लाइट्स लगाने की योजना है, जिन्हें किसी खास अवसर पर सेलिब्रेशन के लिए संगीतमय तरीके से जलाया और बुझाया जा सकेगा।स्ट्रीट लाइट प्रोजेक्ट की लागत 450 करोड़ रुपये है।

गुजरात के सरकारी स्कूलों के लाखों गरीब स्टूडेंट्स बिना किताबों के पढ़ने को मजबूर!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एक तरफ़, राज्य सरकार एजुकेशन में बड़े सुधारों और स्टेट करिकुलम फ्रेमवर्क के बड़े लॉन्च के दावे कर रही है, वहीं दूसरी तरफ़, गुजरात में एजुकेशन की एक बहुत कड़वी सच्चाई सामने आई है। नया एकेडमिक सेशन शुरू हुए 10 दिन से ज़्यादा बीत चुके हैं, फिर भी राज्य के सरकारी स्कूलों के लाखों गरीब स्टूडेंट्स अभी भी बिना किताबों के पढ़ने को मजबूर हैं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्पोक्सपर्सन श्री हेमांग रावल ने राजीव गांधी भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके टेक्स्टबुक बोर्ड की गंभीर लापरवाही को डॉक्यूमेंट्री सबूतों के साथ उजागर किया है। कांग्रेस प्रवक्ता हेमांग रावल ने ऑफिशियल डेटा शीट जारी करते हुए कहा कि 16 जून 2026 तक क्लास 9 से 12 तक की फ्री किताबों के बंटवारे में बहुत देरी हुई है। राज्य में कुल 208 सप्लाई रूट में से सिर्फ 15 रूट पर किताबें भेजी गई हैं, जबकि 193 रूट पर अभी तक किताबें नहीं पहुंची हैं। इस वजह से, राज्य भर में 400 से ज़्यादा सरकारी डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर अभी खाली हैं। खासकर क्लास 9 और 11 के गरीब स्टूडेंट्स किताबों का इंतज़ार कर रहे हैं। मार्केट में बिकने वाली किताबें तो मिल रही हैं, क्या सिर्फ गरीबों के लिए किताबों की प्रिंटिंग बाकी है? रिपोर्ट में सबसे चौंकाने वाला आरोप यह लगाया गया है कि जो किताबें मार्केट से पैसे देकर खरीदी जानी हैं, वे समय पर प्रिंट होकर प्राइवेट बुकस्टोर तक पहुंच गई हैं.

NEET एग्जाम से पहले केंद्र सरकार का बड़ा कदम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली. देश के सबसे चर्चित और विवादित NEET एग्जाम को लेकर एक बहुत ही सनसनीखेज और बड़ी खबर सामने आई है। पेपर लीक और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही डिटेल्स को रोकने के लिए सख्त कदम उठाते हुए, केंद्र सरकार ने पॉपुलर मैसेजिंग ऐप Telegram को 22 जून तक भारत में पूरी तरह से बैन कर दिया है! सरकार के इस अचानक और चौंकाने वाले फैसले से सोशल मीडिया यूजर्स और स्टूडेंट्स में भारी हंगामा मच गया है।

NEET एग्जाम दोबारा कराने को लेकर सरकार ने लिया बड़ा फैसला

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सरकार ने 21 जून को दोबारा होने वाले NEET एग्जाम में किसी भी तरह की गड़बड़ी, पेपर लीक या अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए एहतियात के तौर पर यह बड़ा फैसला लिया है। हालांकि, सरकार के इस चौंकाने वाले फैसले के खिलाफ Telegram कंपनी भी एक्शन मोड में आ गई है। टेलीग्राम ने तुरंत दिल्ली हाई कोर्ट में स्पेशल अपील फाइल की है, जिसमें सरकार के बैन ऑर्डर को गैर-कानूनी बताया गया है।

क्या ऐप बंद करने से पेपर लीक रुकेंगे? जनता का ज्वलंत सवाल

सरकार के इस तानाशाही कदम की सोशल मीडिया पर कई एकेडेमिक्स और आम लोग कड़ी आलोचना कर रहे हैं। लोग गुस्से में कह रहे हैं, 'सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए ऐसे जल्दबाजी में फैसले ले रही है।

लेह में ड्यूटी के दौरान पंजाब का जवान शहीद, 5 महीने पहले हुई थी शादीम

लेह (एजेंसी)। लेह में देश की सेवा करते हुए पंजाब के एक वीर जवान नायक सरबजीत सिंह शहीद हो गए। वे पंजाब आर्मर्ड रेजिमेंट का हिस्सा थे और लद्दाख के ऊंचाई वाले क्षेत्र में तैनात थे। जानकारी के अनुसार, ड्यूटी के दौरान अचानक ऑक्सीजन की कमी के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिससे उन्होंने वीरगति प्राप्त की। फतेहगढ़ साहिब जिले के गांव बिंदरख निवासी नायक सरबजीत सिंह पुत्र दर्शन सिंह का विवाह इसी वर्ष 25 जनवरी को ही हुआ था। शादी के मात्र पांच महीने बाद उनके शहीद होने की खबर से पूरा परिवार गहरे सदमे में है। इस दुखद समाचार के बाद गांव बिंदरख सहित पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। शहीद के ताऊ सुखविंदर सिंह ने बताया कि सरबजीत सिंह का पार्थिव शरीर जल्द ही उनके पैतृक गांव लाया जाएगा, जहाँ पूर्ण राजकीय और सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। देश की रक्षा में दिए गए इस सर्वोच्च बलिदान पर विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए वीर सपूत को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

राम मंदिर ट्रस्ट के दस्तावेजों में चौंकाने वाला खुलासा : दान से ज्यादा ब्याज, बेहिसाब खर्च

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के दस्तावेजों से चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। बीते 11 महीनों में मंदिर को श्रद्धालुओं से जितना चढ़ावा मिला है, उससे अधिक बैंक में जमा ट्रस्ट के फंड पर ब्याज मिल गया है। यह खुलासा ट्रस्ट की वित्तीय पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। दस्तावेजों से सामने आया है कि गड़बड़ियां केवल चढ़ावे तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये उन बेहिसाब खर्चों तक फैली हुई हैं जिनकी पूरी जानकारी ट्रस्ट के कुछ सदस्यों और पदेन पदाधिकारियों को कभी नहीं दी गई।

अमरनाथ यात्रा में आने वाले लाखों श्रद्धालु कश्मीर के मेहमान: महबूबा

-3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगी यात्रा

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अमरनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को कश्मीर का मेहमान बताया है। उन्होंने पहलगाम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर कहा कि यह यात्रा भारत में कश्मीर के बारे में फैली घृणा और अविश्वास को समाप्त करने का मौका है। मुफ्ती ने सुरक्षा बलों के साथ-साथ पूरे कश्मीरी लोगों से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और यात्रियों के प्रति प्यार, सौहार्द और अतिथि सत्कार की भावना दिखाने की अपील की। उनके अनुसार, प्रत्येक श्रद्धालु के साथ मानवीय व्यवहार ही कश्मीर और मुसलमानों के विरुद्ध गलतफहमियों का मुकाबला कर सकता है और कश्मीरियत की भावना को दिखा सकता है।

करोड़ों शिव भक्तों की आस्था का केंद्र श्री बाबा अमरनाथ की यात्रा भारत की एकता-अखंडता की प्रतीक है। इस पवित्र गुफा की पुनर्खोज बूटा मोहम्मद नामक एक नेक दिल मुस्लिम गुज्जर ने की थी, और आज भी चढ़ावे का एक हिस्सा उनके परिवार को दिया जाता है, जो गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है।

इस वर्ष यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त को सम्पन्न होगी, जो कुल 57 दिनों तक चलेगी। श्रद्धालु अनंतनाग जिले के पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे 'नुनवान-पहलगाम मार्ग' और गांदरबल जिले के 14 किलोमीटर लंबे 'बालटाल मार्ग' का उपयोग करने वाले है। यह यात्रा जम्मू-कश्मीर के सभी धर्मों के लोगों को एक भावात्मक बंधन में बांधने व भाईचारा मजबूत करने के साथ स्थानीय लोगों जैसे घोड़े, पिट्ठू, पालकी वालों, शिकारा चलाने वालों और होटल मालिकों के लिए कमाई का प्रमुख साधन भी है। इससे राज्य सरकार को भी करोड़ों रुपयों की आय होती है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में नई दिल्ली में हुई उच्च स्तरीय बैठक में यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने यात्रा मार्ग के अलावा प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी मजबूत सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इसके लिए पोर्टेबल जैमर, डीप सर्च मैटल डिटैक्टर और विस्फोटक डिटैक्टर जैसे अत्याधुनिक उपकरण तैनात किए हैं। अतीत में हुए आतंकवादी हमलों को देखकर इस वर्ष सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। आशा है कि महबूबा मुफ्ती के इन उद्गारों के अनुरूप इस वर्ष की यात्रा शांति और सफलता के साथ सम्पन्न होगी।

राहुल गांधी मानहानि केस : सुल्तानपुर एमपी-एमएलए कोर्ट में बहस टली, अब 29 जून को होगी अगली सुनवाई

सुलतानपुर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जुड़े बहुचर्चित मानहानि मामले में बुधवार को सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में होने वाली बहस टल गई है। अब इस मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने 29 जून की तारीख तय की है। मामले की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान परिवादी (शिकायतकर्ता) पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने अदालत को सूचित किया कि राहुल गांधी के वॉयस सैंपल (आवाज के नमूने) संबंधी अर्जी को खारिज किए जाने के खिलाफ एक पुनरीक्षण याचिका सत्र न्यायालय में विचाराधीन है। इस कानूनी प्रक्रिया के चलते बुधवार को मामले में आगे बहस नहीं हो सकी, जिसके बाद अदालत ने 29 जून की नई तिथि नियत कर दी। यह पूरा विवाद साल 2018 का है, जब कर्नाटक के बंगलुरू में आयोजित एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी से आहत होकर भाजपा नेता विजय मिश्र ने सुल्तानपुर की अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। इस मानहानि वाद में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले ही सुल्तानपुर की अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होकर जमानत (ठंपस) करा चुके हैं। इसके साथ ही दंड प्रक्रिया संहिता के तहत अदालत में उनका बयान भी दर्ज किया जा चुका है। अब सभी की नजरें 29 जून को होने वाली अगली सुनवाई और बहस पर टिकी हैं।

राम मंदिर के बाद अब श्रीकृष्ण जन्मस्थान में दान घोटाले का आरोप

मथुरा (एजेंसी)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के एक सदस्य ने मथुरा स्थित मंदिर में दान के प्रबंधन में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए बुधवार को मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की

और दावा किया कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान से जुड़े कथित गबन जैसी स्थिति यहां भी हो सकते हैं। ये आरोप ऐसे समय सामने आए हैं, जब अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान के कथित गबन के मामले में तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच कर रहा है। हालांकि श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान ने आरोपों को निराधार करार दिया है।

दिनेश फलाहारी महाराज ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में आरोप लगाया कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई जाने वाली दान राशि और आभूषणों का वर्षों से दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दान की गिनती के दौरान सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए जाते हैं। उनका दावा है कि समिति के कुछ सदस्यों ने निजी संपत्ति अर्जित की है, जिससे श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। फलाहारी महाराज ने कहा कि हमें आशंका है कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान में भी इसी (श्रीराम जन्मभूमि मंदिर) तरह की अनियमितताएं हो रही हैं। मामले की सीबीआई जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि उनकी मांग स्वीकार नहीं की गई तो वह इलाहाबाद उच्च न्यायालय का रुख करेंगे।

इस बीच, आरोपों को खारिज करते हुए श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने कहा कि मंदिर में दान के प्रबंधन के लिए पूरी तरह पारदर्शी व्यवस्था अपनाई जाती है और संस्थान किसी भी जांच के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ये आरोप निराधार हैं। हम किसी भी जांच के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि दान की गिनती की प्रक्रिया तीन कर्मचारियों की मौजूदगी में सीसीटीवी निगरानी के तहत की जाती है और इस कार्य में लगे कर्मचारियों की समय-समय पर अदला-बदली भी की जाती है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखी जाती है। उन्होंने कहा कि हम व्यवस्था को और आधुनिक बना रहे हैं तथा सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को लंबे समय तक सुरक्षित रखने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर के बाहर कोई दान काउंटर नहीं है और सारा चढ़ावा मंदिर परिसर के भीतर ही स्वीकार किया जाता है।

यूबीटी के 6 सांसदों के एकनाथ शिंदे गुट में शामिल होने की अटकलों के बीच संजय राउत ने सांसदों को खरीदने का लगाया आरोप, किया दावा

-हर सांसद को दिए जा रहे 15 करोड़ एडवांस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एक बार फिर से उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) को बड़ा झटका लगने की खबरें सामने आ रही है। पिछले कुछ दिनों से ऐसी चर्चा है कि यूबीटी के सात लोकसभा सांसद पाला बदल सकते हैं। ये सांसद एकनाथ शिंदे की शिवसेना के नेताओं के संपर्क में हैं और जल्द ही शिंदे दोबारा से उद्धव गुट पर सर्जिकल स्ट्राइक कर सकते हैं। इसे ऑपरेशन टाइगर नाम दिया गया है। इस बीच यूबीटी के सांसद संजय राउत का बयान सामने आया है, जिसमें एक बड़ा दावा किया जा रहा है।

संजय राउत का कहना है कि महाराष्ट्र के सांसदों को पाला बदलने के लिए 15-15 करोड़ रुपए ऑफर किए जा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा 'अपना सपना मनी मनी! महाराष्ट्र के सांसदों को खरीदने के लिए हर एक को 15-15 करोड़ रुपए एडवांस दिए जा रहे हैं। यह जानकारी चौंकाने वाली और घिनौनी है!। सांसद ने इस पोस्ट को

बीजेपी नेता और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फणडवीस को टैग भी किया है।

राउत के दावे से पाला बदलने की अटकले तेज

खास बात ये है कि संजय राउत लगातार इस बात का खंडन कर रहे थे कि पार्टी के सभी सांसद एकजुट हैं और कोई कहीं नहीं जा रहा है। उन्होंने कहा था कि हम ऑपरेशन वुल्फ करेंगे। उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन टाइगर महज एक अफवाह है। लेकिन अब राउत की इस पोस्ट से साफ जाहिर हो रहा है कि राज्य में कुछ बड़ा खेला होने वाला है। पार्टी भले ही एकजुटता की बात करे लेकिन हकीकत कुछ और ही है।

उद्धव के सांसद दिल्ली में मौजूद

इस बीच खबर है कि शिवसेना प्रमुख और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुंबई से दिल्ली पहुंच गए हैं। ऑपरेशन टाइगर की चर्चाओं के बीच शिंदे का दिल्ली दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इधर उद्धव गुट के भी कुछ सांसद दिल्ली में दिल्ली पहुंच गए हैं। जानकारी के अनुसार भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे शिरडी से दिल्ली आए हैं। बताया जा रहा है कि कल ही उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र का दौरा किया था और संगमनेर में आयोजित सप्ताह कार्यक्रम में भी मौजूद रहे थे। हालांकि अचानक दिल्ली रवाना होने के बाद उनके दौरे को लेकर कई तरह की राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही हैं।

6 सांसदों के अलग गुट बनाने की चर्चा

वहीं शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के तीन सांसद अनिल देसाई, संजय राउत और अरविंद सावंत भी दिल्ली पहुंचे हैं। खबर है कि आज तीनों सांसद मीडिया से बात करेंगे। वहीं उद्धव ठाकरे के सांसद नागेश आस्तिकार भी दिल्ली आ गए हैं। वहीं परभणी सांसद संजय उर्फ बंधु जाधव और यवतमाल वाशिम सांसद संजय देशमुख के भी दिल्ली आने की खबर है। सूत्रों के मुताबिक यूबीटी के 9 में से 6 सांसद अलग गुट बनाएंगे। खबर है कि ये सांसद एकनाथ शिंदे की पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

रांची में संघ कार्यालय पर बदमाशों ने फेंके पेट्रोल बम, एक फटा, घटना कैमरे में कैद

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के दफ्तर पर हमला हुआ है। यहां बदमाशों ने पेट्रोल बम से हमला किया और भाग गए। इस घटना की तस्वीर सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। बदमाशों की तस्वीर से उनकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है। इस घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि अपराधियों ने कार्यालय में दो पेट्रोल बम फेंका जिसमें एक फटा। इस वारदात को अंजाम देकर अपराधी फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी खंगाल रही है। फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति जाते दिखा। इस मामले पर बात करते हुए झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आरएसएस के दफ्तर में रात साढ़े 12 बजे 2 लड़के 2 बार आते हैं एक बार ऊपर पेट्रोल बम फेंकते हैं जो फटता है, और फिर नीचे चलाते हैं। फिर आराम से लौट जाते हैं। मरांडी ने कहा कि मामला गंभीर है। संघ के ऑफिस में इस प्रकार से हमला होना एक प्रकार से बड़ी घटना को राज्यभर में अंजाम देने की तैयारी थी। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

अकाल तख्त के फैसले के बाद भगवंत मान पर गहराया नैतिक संकट, इस्तीफे की मांग तेज

राज्यसभा सांसद तरुण चुघ, मान को अपने पद रहने का नैतिक अधिकार नहीं

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर वीडियो विवाद को लेकर गहरा नैतिक संकट छा गया है, जिसमें सिख धर्म और उसकी सम्मानित हस्तियों का कथित तौर पर अनादर हुआ है। इस मामले में सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा दिए गए फैसले के बाद बीजेपी ने उनके इस्तीफे की मांग की है। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद तरुण चुघ ने कहा है कि मान को अपने पद पर रहने का नैतिक अधिकार नहीं है।

सांसद चुघ ने याद दिलाया कि जब यह वीडियो कई महीने पहले पहली बार सामने आया था, तब मुख्यमंत्री मान ने वीडियों को बनावटी बताकर खारिज किया था। उन्होंने दावा किया था कि इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके बनाया गया है। सीएम मान ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार के सामने पेश होकर चुनौती दी थी कि किसी सक्षम एजेंसी से वीडियो की जांच कराई जाए, क्योंकि उनका मानना था कि यह नकली है। इस तरह मान ने अपनी विश्वसनीयता को इस जांच के नतीजे पर टिका दिया था।

हालांकि, 15 जून को पंथिक हस्तियों,

संस्थाओं और सिख संगठनों के साथ हुई बातचीत में सारी सच्चाई सामने आ गई। चुघ के अनुसार, वीडियो को देश की दो मान्यता प्राप्त फोरेंसिक प्रयोगशालाओं में जांच के लिए भेजा गया था, और दोनों ने बिना किसी संदेह के यह निष्कर्ष निकाला कि वीडियो पूरी तरह असली था, उसमें किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की गई थी और वह एआई से नहीं बनाया गया था। इस तरह जिस जांच के लिए भगवंत मान ने खुद कहा था, वहीं आज उनके अपने ही आचरण के खिलाफ एक गंभीर आरोप बन गया है। इन नतीजों के आधार पर, सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था ने मान को गुरु-द्रोही और पंथ-विरोधी करार दिया। साथ ही, सिख संगत को उनका सामाजिक बहिष्कार करने की सलाह दी। इस अभूतपूर्व निंदा ने दुनिया भर में नानक नाम लेवा संगत की अंतरात्मा को झकझोर दिया है और एक ऐसी नैतिक व राजनीतिक स्थिति पैदा कर दी है जिसका सामना पहले किसी मुख्यमंत्री को नहीं करना पड़ा था।

भारत की अफगानिस्तान को मानवीय मदद, 'पाकिस्तान समर्थक तिलमिलाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अपने पड़ोसी अफगानिस्तान को बड़ी मदद की है। संकटग्रस्त अफगानिस्तान को भारत से 5 टन आवश्यक दवाइयों की एक और खेप काबुल पहुंची है। एक मित्र राष्ट्र के तौर पर भारत द्वारा दी जा रही मदद की सोशल मीडिया पर व्यापक सराहना की जा रही है। हालांकि, कुछ पाकिस्तान समर्थक तत्वों को यह मानवीय कार्य रास नहीं आ रहा है, जिससे वे अपनी कुंठा सोशल मीडिया पर निकाल रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस सहायता की जानकारी साझा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्वीट किया, दूर के दोस्त ना रहें, पड़ोसी रहने चाहिए सबसे पहले, इस भावना को उजागर कर भारत ने अफगानिस्तान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। इस पहल को ज्यादातर सोशल मीडिया यूजर्स ने खूब सराहा है, जहां सैयद गुलाम रिजवी जैसे हैंडल ने पड़ोसियों के साथ मजबूत संबंधों की वकालत की है, वहीं कई अन्य ने भारत के इस कदम को बहुत अच्छे, जरूरतमंदों की मदद करते रहें जैसे शब्दों से सराहा है। हालांकि, भारत की मानवीय पहल से कुछ पाकिस्तान समर्थक लगने वाले लोग बेहद

नाखुश हैं। सोशल मीडिया पर हैंडल ने भारत पर इसके माध्यम से दक्षिण एशिया में आतंकवाद को संरक्षण देने तक का आरोप लगाया, और लिखा कि सत्ता की भूख ने भारतीयों को बहुत ही नीचे गिरा दिया है।

भारत अपनी नेबरहुड फर्स्ट नीति पर लगातार काम कर रहा है और अफगानिस्तान के साथ-साथ नेपाल, मालदीव, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे पड़ोसियों के संकट में भी हमेशा खड़ा रहा है। अफगानिस्तान के लिए यह केवल नवीनतम सहायता है। इसी महीने भारत ने वहां के स्वास्थ्य तंत्र के लिए वेंटिलेटर, कार्डियोग्राफ और नवजात शिशुओं की देखभाल से जुड़े डायग्नोस्टिक व उपचार उपकरण भेज दिए थे। पिछले महीने 33 टन बीसीजी, टिटनेस और डिप्थीरिया वैक्सीन की सामग्रियां भेजी गई थीं, जिसने बच्चों के टीकाकरण अभियान को मजबूत किया। हाल ही में अप्रैल में, बाढ़ राहत के लिए किचेन सेट, हाइजिन किट और स्लीपिंग बैग सहित 3 टन विशेष सामग्री भी पहुंचाई गई थी।

पेपर लीक का धंधा अरबों रुपयों का, इसका पैसा ऊपर तक पहुंचता है: केजरीवाल

-टेलीग्राम बंद करना...क्या इन कदमों से पेपर लीक रुकेंगे? बिल्कुल नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएमए अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने टेलीग्राम पर पाबंदी और परीक्षा के पेपर हवाई मार्ग से पहुंचाने के लिए भारतीय सेना के इस्तेमाल को सरकार के बेतुके कदम बताया। उन्होंने सवाल किया कि सेना के विमानों से पेपर पहुंचाना, टेलीग्राम बंद करना...क्या इन कदमों से पेपर लीक रुकेंगे? बिल्कुल नहीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केजरीवाल ने आरोप लगाया कि पेपर लीक का धंधा कई अरब रुपयों का रैकेट है। इसका पैसा सबसे ऊपर तक पहुंचता है। अगर पेपर लीक रुक गए, तो सांसद और विधायकों को खरीदने के लिए पैसा कहां से आएगा? नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 22 जून 2026 तक टेलीग्राम के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। इसमें नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा और उसके ठीक बाद का समय भी शामिल था। इस रोक का मकसद उस तरीके को रोकना था जिसके तहत राष्ट्रीय परीक्षाओं में पेपर लीक के झूठे सबूत गढ़े जाते थे।

टेलीग्राम के सीईओ पावेल दुरोव ने इस अस्थायी रोक की आलोचना करते हुए कहा कि इससे लाखों आम यूज़र्स को बिना वजह सजा मिलती है, जबकि लीक को रोकने में भी यह नाकाम रही है, क्योंकि पेपर लीक अब दूसरे ऐप्स पर हो रहे हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि भारत के आईटी मंत्रालय ने एक हफ़्ते के लिए टेलीग्राम पर रोक लगा दी क्योंकि कुछ यूज़र्स ने परीक्षा के लीक हुए सवाल शेयर किए थे।

एनटीए ने साफ किया कि प्लेटफ़ॉर्म-लेवल पर यह पाबंदी लगाई गई थी। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय ने टेलीग्राम को निर्देश दिया कि वह भारत में पहले से पोस्ट किए गए मैसेज के लिए मैसेज-एडिटिंग फ़ीचर को 30 जून 2026 तक बंद कर दे।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (गुरुवार)
18 जून 2026

स्पेसएक्स के डील के बाद भारतीय मूल के अमन सांगर की संपत्ति 5.5 अरब डॉलर पहुंची

नई दिल्ली।

स्पेसएक्स ने एआई-आधारित कोडिंग प्लेटफॉर्म कर्सर की मूल कंपनी एनीस्फीयर इंक के अधिग्रहण के लिए 60 अरब डॉलर के शेयर खरीदने का समझौता किया है। इस सौदे के बाद कंपनी के सह-संस्थापक भारतीय मूल के 25 वर्षीय अमन सांगर की अनुमानित संपत्ति 5.5 अरब डॉलर तक पहुंच गई है।सांगर ने वर्ष 2022 में मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी) को अपने तीन सहपाठियों के साथ छोड़कर उस कंपनी की शुरुआत की थी, जो आगे चलकर कर्सर के रूप में विकसित हुई। वह वर्तमान में एनीस्फीयर में मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) के पद पर कार्यरत हैं। लिंक्डइन पर सांगर ने अपने मिशन को ÷सॉफ्टवेयर निर्माण की सभी बाधाओं को खत्म करना÷ बताया है।कई रिपोर्टों के अनुसार, इस स्टार्टअप ने शुरुआत में मैकेनिकल इंजीनियरिंग उद्योग के लिए एआई-आधारित सहायक विकसित करने पर काम किया था। बाद में कंपनी ने अपना फोकस बदलकर ऐसी एआई-आधारित कोडिंग प्रणाली विकसित की, जो पूरे कोडबेस का विश्लेषण कर जटिल समाधान तैयार कर सकती है।

न्यूयॉर्क में जन्मे अमन सांगर ने 14 वर्ष की उम्र में कोडिंग शुरू कर दी थी। एमआईटी में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई के दौरान उनकी मुलाकात सह-संस्थापकों माइकल ट्रुएल, सुलेह आसिफ और आर्विड लुनेमार्क से हुई थी। एनीस्फीयर में माइकल ट्रुएल मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं, जबकि सुलेह आसिफ उत्पाद प्रमुख की भूमिका निभा रहे हैं। अमन सांगर ने कंपनी की उत्पाद रणनीति, विस्तार और समुदाय निर्माण का नेतृत्व किया है।नवंबर 2025 में कर्सर की वार्षिक आय 1 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गई थी। जून 2026 की शुरुआत तक कंपनी की वार्षिक आय लगभग 4 अरब डॉलर तक पहुंच चुकी थी।एनवीडिया, एडोबी, उबर, शॉपिफाई और पेपाल जैसी करीब 50,000 कंपनियों के लाखों सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कोड तैयार करने और उसमें बदलाव करने के लिए कर्सर का उपयोग करते हैं।स्पेसएक्स के अधिग्रहण की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए अमन सांगर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷कुछ बेहद शक्तिशाली मॉडल को प्रशिक्षित करने को लेकर उत्साहित हूं।÷स्पेसएक्स को उम्मीद है कि यह विलय वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा हो जाएगा।यह अधिग्रहण घोषणा स्पेसएक्स के रिकॉर्डतोड़ नैस्डैक प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के केवल चार दिन बाद आई है। शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के पहले ही दिन स्पेसएक्स दुनिया की छठी सबसे अधिक मूल्य वाली सार्वजनिक कंपनी बन गई थी।कंपनी के शेयर पहले दिन 160.95 डॉलर पर बंद हुए, जिससे स्पेसएक्स का बाजार पूंजीकरण लगभग 2.2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया। इसके साथ ही रॉकेट निर्माता कंपनी के संस्थापक एलन मस्क दुनिया के पहले खरबपति (ट्रिलियनेयर) बन गए।

होर्मुज में बढ़ी जहाजों की आवाजाही, ईरान के तीन तेल टैंकरों ने अमेरिकी नाकेबंदी को किया पार

तेहरान।

होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बढ़ने लगी है। मैरीटाइम एनालिसिस फर्म विंडवर्ड ने बताया कि मंगलवार को 14 जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरे, जो इस महीने का सबसे बड़ा दैनिक आंकड़ा है। जो इस महीने का अब तक का सबसे बड़ा दैनिक आंकड़ा है। इस बढ़ोतरी को शिपिंग कंपनियों के बीच धीरे-धीरे लौटते भरोसे के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत सूचीबद्ध एक जहाज 'सोफिया 1' ने भी होर्मुज स्ट्रेट को पार किया। इसे पहले अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा ईरान के तेल परिवहन नेटवर्क से जुड़े जहाजों में शामिल किया गया था और इस पर द्वितीयक प्रतिबंध भी लगाए गए थे। समुद्री गतिविधियों पर नजर रखने वाली संस्था टैंकरट्रैकर्स के मुताबिक, पीस डील ऐलान के बाद से ईरान का तीसरा तेल टैंकर अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी को पार कर गया। टैंकरट्रैकर्स ने बताया कि नेशनल ईरानियन टैंकर कंपनी (एनआईटीसी) का टैंकर सोनिया-1 करीब 10 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर रवाना हुआ था। इससे पहले इसी सप्ताह एनआईटीसी के दो टैंकर डायोना और हीरो-2 भी अमेरिकी नाकाबंदी पार कर निकले थे। इन दोनों जहाजों में कुल 38 लाख बैरल ईरानी कच्चा तेल लदा था। हालांकि, मौजूदा ट्रैफिक अभी भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी कम है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, संघर्ष शुरू होने से पहले इस होर्मुज से औसतन करीब 130 जहाज प्रतिदिन गुजरते थे। विंडवर्ड ने कहा कि कई शिपिंग कंपनियां अभी भी पूरा भरोसा जुटा नहीं पाई हैं, वो इंतजार कर रही हैं। जहाज मालिकों का कहना है कि वे तब तक होर्मुज से जहाज नहीं भेजेंगे, जब तक जहाजों पर हमले का खतरा पूरी तरह से खत्म नहीं हो जाता। रविवार को ही अपने 80वें जन्मदिन पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पीस डील का ऐलान करते हुए ।

अमेरिका-ईरान समझौते की उम्मीद से 80 डॉलर से नीचे फिसला ब्रेंट क्रूड, रुपए को भी मिला सपोर्ट

नई दिल्ली।

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को करीब 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, क्योंकि निवेशक और कारोबारी इस संभावना का आकलन कर रहे हैं कि ईरान से जुड़ा संघर्ष समाप्त हो सकता है और होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल सकता है। अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.72 प्रतिशत गिरकर 78.39 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड लगभग 1 प्रतिशत फिसलकर 75.35 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के अंतरिम समझौते से जुड़ी जानकारी सामने आने के बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि तेहरान परमाणु हथियार हासिल नहीं करेगा, जबकि एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद ईरान को तेल बेचने की अनुमति दी जाएगी। इस सप्ताह हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के तहत अप्रैल में घोषित युद्धविराम को 60 दिनों के लिए और बढ़ा दिया गया है, ताकि दोनों पक्ष स्थायी शांति समझौते पर बातचीत कर सकें। समझौते के अनुसार अमेरिका ईरान के बंदरगाहों पर लगाया गया अपना प्रतिबंध हटाएगा, जबकि तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों और अन्य समुद्री यातायात को गुजरने की अनुमति देगा। अमेरिका और इजरायल द्वारा 28 फरवरी को हमले शुरू किए जाने के बाद से ईरान ने इस मार्ग को प्रभावी रूप से बाधित कर रखा था। इस बीच भारतीय रुपया भी मजबूत हुआ। बुधवार को घरेलू मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 31 पैसे की बढ़त के साथ 94.29 पर कारोबार कर रही थी, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 94.56 पर बंद हुई थी। विशेषज्ञों के अनुसार एक और सकारात्मक संकेत विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी में कमी आना है।

एक्स डाउन यूजर्स ने आउटेज की रिपोर्ट की, ऐप और वेबसाइट पर लॉगिन और फीड में आईं दिक्कतें

नई दिल्ली।

एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) की सर्विस में बुधवार को रुकावट आई। सुबह करीब 8ः30 बजे सर्विस ठप होने की सबसे अधिक शिकायतें मिलीं।आउटेज ट्रैक करने वाले प्लेटफ़ॉर्म %डाउनडिटेक्टर% के अनुसार, लगभग 40 प्रतिशत यूजर्स ने ऐप में दिक्कतों की शिकायत की, जबकि 29 प्रतिशत ने फीड और टाइमलाइन में समस्याओं की बात कही। वहीं, 18 प्रतिशत यूज़र्स ने वेबसाइट पर रुकावटों की सूचना दी। पिछले 24 घंटों में यह दूसरी बार है जब सर्विस में रुकावट आई है। इससे पहले मंगलवार शाम को भी यूजर्स ने समस्याओं की रिपोर्ट की थी।इससे पहले इस साल मई में प्लेटफ़ॉर्म में भारत समेत दुनिया भर में आउटेज (सेवा में रुकावट) की समस्या आई थी, जिसके कारण यूजर्स न तो नई पोस्ट लोड कर पा रहे थे और न ही अपने अकाउंट में लॉग-इन कर पा रहे थे। हजारों यूजर्स को एक्स के वेबपेज एक्सेस करने में परेशानी हुई, जबकि कई लोगों ने ऐप और लॉग-इन पेज में भी दिक्कतों की शिकायत की।उस आउटेज के दौरान, 41 प्रतिशत यूजर्स ने कहा कि वे लॉग इन नहीं कर पा रहे थे, जबकि उतने ही यूज़र्स ने एक्स ऐप में भी दिक़्क़तों की बात कही।

टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध से भारत के 15 करोड़ से अधिक यूजर्स प्रभावित- पावेल डुरोव

नई दिल्ली।

टेलीग्राम के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पावेल डुरोव ने कहा है कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले भारत में मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध से 15 करोड़ से अधिक यूजर्स प्रभावित हुए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में डुरोव ने कहा कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक सप्ताह के लिए टेलीग्राम पर प्रतिबंध लगाया, क्योंकि कुछ यूजर्स कथित तौर पर परीक्षा के लीक हुए प्रश्न साझा कर रहे थे। इससे भारत में टेलीग्राम के 15 करोड़ से अधिक यूजर्स प्रभावित हुए। उन्होंने आगे कहा कि टेलीग्राम ने पिछले कुछ हफ्तों में सैकड़ों ऐसे चैनलों को हटा दिया है, जिन पर भारत में कथित रूप से परीक्षा से संबंधित लीक सामग्री साझा करने और उससे जुड़े घोटाले चलाने के आरोप थे। डुरोव ने यह भी कहा कि कंपनी संदेशों पर दिखाई देने वाले %एडिटेड% लेबल को और अधिक स्पष्ट बनाने पर काम कर रही है, ताकि पुराने समय की मुहर (टाइमस्टैम्प) बदलकर किए जाने वाले धोखाधड़ी और सामग्री में हेरफेर को रोका जा सके। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत सरकार ने 21 जून को होने वाली नीट-यूजी 2026 पुनर्परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए 22 जून तक टेलीग्राम सेवाओं पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। यह पुनर्परीक्षा 3 मई को आयोजित मूल परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बाद कराई जा रही है। यह प्रतिबंध राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सिफारिशों के आधार पर लगाया गया था। एनटीए ही देश भर के मेडिकल स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट परीक्षा आयोजित करती है।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से आईओसीएल बीपीसीएल और एचपीसीएल के शेयरों में आई जोरदार तेजी

मुंबई।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट और भू-राजनीतिक तनाव कम होने के संकेतों के बीच बुधवार को सरकारी तेल विपणन कंपनियों के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली। दिन के कारोबार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का शेयर 2 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 410.50 रुपए के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। इसी तरह भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के शेयर 2.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 319.50 रुपए के इंट्रा-डे हाई तक पहुंच गया। वहीं, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के शेयर में भी 1.61 प्रतिशत की तेजी आई और यह 147.47 रुपए के दिन के उच्च स्तर पर पहुंच गए। तेल विपणन कंपनियों के शेयरों में यह तेजी ऐसे समय आई है जब कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। बाजार को उम्मीद है कि अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित समझौते के बाद ईरान का तेल निर्यात बढ़ सकता है, जिससे वैश्विक बाजार में आपूर्ति संबंधी चिंताएं कम होंगी। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई और यह पिछले तीन महीनों के निचले स्तर के आसपास कारोबार कर रही थी। पिछले कुछ कारोबारी सत्रों में इसमें तेज गिरावट देखने को मिली है। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल भी लगभग 1 प्रतिशत गिरकर 75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था। रिपोर्टों के अनुसार, अंतरिम समझौते के तहत ईरान को फिर से कच्चे तेल की बिक्री की अनुमति मिल सकती है। साथ ही यह समझौता दोनों पक्षों के बीच व्यापक बातचीत का रास्ता भी तैयार करेगा, जिसका उद्देश्य संघर्ष समाप्त करना और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी चिंताओं का

समाधान निकालना है। इसके अलावा, इस प्रस्तावित व्यवस्था से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह खोलने में मदद मिलने की उम्मीद है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग माना जाता है। इसके खुलने से क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों की आवाजाही भी आसान हो जाएगी। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले पांच दिनों में ब्रेंट क्रूड की कीमत में लगभग 16 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह करीब 79 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है। इससे भारत के लिए बढ़ते भुगतान संतुलन (बीओपी) घाटे की बड़ी चिंता काफी हद तक कम हो गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार के नजरिए से एक और सकारात्मक संकेत विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली में कमी आना है। यह रुझान आगे भी जारी रह सकता है क्योंकि भारतीय रुपया लगातार मजबूत हो रहा है और उसमें आगे भी मजबूती आने की संभावना है। बुधवार को ऊर्जा कीमतों को लेकर चिंता कम होने और वैश्विक निवेशकों के बेहतर रुख के कारण लगातार चौथे कारोबारी सत्र में घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ कारोबार करता दिखाई दिया और हरे निशान में बंद होने में सफल रहा।

खाद्यान्न भंडारण के लिए सरकार लॉन्च करेगी स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम मजबूत होगी देश की खाद्य सुरक्षा

नई दिल्ली।

सरकार खाद्यान्न भंडारण के लिए स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम लॉन्च करने जा रही है। यह कदम आधुनिक, तकनीक-सक्षम और अधिक कुशल सार्वजनिक भंडारण व्यवस्था के जरिए देश की खाद्य सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) 18 जून को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम का शुभारंभ करेगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी मौजूद रहेंगे। स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम को एक एकीकृत तकनीक-आधारित समाधान के रूप में विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य गोदाम प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत बनाना और खाद्यान्न भंडारण से जुड़े कार्यों की दक्षता बढ़ाना है। इस पहल से एक आधुनिक भंडारण तंत्र विकसित होने की उम्मीद है, जो खाद्यान्न प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाएगा और लंबे समय तक देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगा। मंत्रालय के अनुसार, यह पहल डिजिटल इंडिया, इंडिया एआई मिशन, पीएम गतिशक्ति और आत्मनिर्भर भारत जैसे सरकारी अभियानों की सोच के अनुरूप है। कार्यक्रम के दौरान विभाग केंद्रीय भंडारण निगम (सीडब्ल्यूसी) और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के उन गोदामों को सम्मानित करेगा, जिन्होंने डिपो दर्पण मूल्यांकन ढांचे के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), स्वचालन और डेटा विश्लेषण जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग किया जाएगा, जिनके जरिए गोदाम संचालन को बेहतर बनाया जाएगा और निगरानी व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस प्रणाली के जरिए प्रवेश द्वार और वजन पुल (वेटब्रिज) संचालन का स्वचालन, डिजिटल प्रवेश प्रबंधन, गोदामों की स्थिति की स्मार्ट निगरानी, स्टॉक की बेहतर दृश्यता और एकीकृत डैशबोर्ड के माध्यम से रियल टाइम में संचालन की निगरानी संभव हो सकेगी। यह पहल खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के व्यापक सुधार कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला में डिजिटल परिवर्तन और आधुनिकीकरण को बढ़ावा देना है। पिछले कुछ वर्षों में खरीद, भंडारण और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने, कार्यकुशलता सुधारने और सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

भारत और मोनाको के संबंध आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छुएंगे पीयूष गोयल

नीस/नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि उन्होंने मोनाको के प्रिंस अल्बर्ट II से मुलाकात की और स्थिरता, ब्लू इकोनॉमी, नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में भारत-मोनाको साझेदारी के विस्तार पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि उन्होंने नीस में आयोजित प्रमुख 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी, जिसने भारत के जीवंत प्रौद्योगिकी और नवाचार इकोसिस्टम को प्रदर्शित किया तथा वैश्विक सहयोग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ÷मुझे विश्वास है कि भारत-मोनाको संबंध आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छुएंगे।÷ इससे पहले, पीयूष गोयल ने नीस में आयोजित 'भारत इनोवेट्स 2026' के समापन समारोह को संबोधित किया और पिछले तीन दिनों में प्राप्त उपलब्धियों पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां भारत-फ्रांस नवाचार साझेदारी की अपार संभावनाओं को दर्शाती हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के प्रेरणादायक नेतृत्व तथा 'भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026' के तहत उनकी साझा दृष्टि ने उस मजबूत नींव का निर्माण किया, जो आज एक वास्तविक परिवर्तनकारी मंच के रूप में उभरकर सामने आई है।

नेपाल विवादों में घिरे पोखरा एयरपोर्ट से जल्द शुरू होगी दैनिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

काठमांडू। चीन की फंडिंग से बने पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को आखिरकार एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा मिलने जा रही है। दुबई स्थित एयरलाइन फ्लाईदुबई ने घोषणा की है कि वह 23 सितंबर से दुबई और पोखरा के बीच दैनिक सीधी उड़ानें शुरू करेगी। यह पहली बार होगा जब पोखरा हवाई अड्डे से किसी अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन द्वारा नियमित दैनिक सेवाएं संचालित की जाएंगी। 1 जनवरी 2023 को इसका औपचारिक उद्घाटन किया गया था, लेकिन अब तक इसे नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें नहीं मिल पाई थीं। इससे पहले हिमालय एयरलाइंस, जो नेपाल-चीन संयुक्त उद्यम का प्रतिफल है, ने मार्च 2025 में पोखरा-ल्हासा रूट पर साप्ताहिक उड़ानें शुरू की थीं, लेकिन इसी वर्ष मार्च में यह सेवा बंद हो गई थी, जिससे एयरपोर्ट फिर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से खाली हो गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब इस परियोजना को लेकर भ्रष्टाचार के आरोप भी सामने आए हैं। नेपाल की भ्रष्टाचार निरोधक संस्था कमिशन फॉर इंवेस्टिगेशन ऑफ अब्युज ऑफ अथॉरिटी (सीआईएए) ने इस हवाई अड्डे के निर्माण में कथित अनियमितताओं को लेकर कई पूर्व मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना चीन के एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक से मिले 215.96 मिलियन डॉलर की फंडिंग से बनी थी और इसे चीन सीएएमसी इंजीनियरिंग कंपनी ने पूरा किया था। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) के अनुसार, फ्लाईदुबई को शुरुआत में एक महीने के लिए प्रायोगिक आधार पर दैनिक उड़ानों की अनुमति दी गई है। इस दौरान सेवा की व्यावसायिक और तकनीकी व्यवहार्यता का आकलन किया जाएगा। सीएएएन ने उम्मीद जताई है कि यदि यह सेवा सफल रहती है ।

जी7 समिट में पीएम मोदी ने की इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप बनाने की अपील

एवियन ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी7 समिट में वैश्विक एकजुटता को मजबूत करने की बात कही। बुधवार को उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के कारण ईंधन, उर्वरक और खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएं पैदा हो रही हैं, जिसका असर लंबे समय तक वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) पर पड़ता रहेगा। फ्रांस के एवियन में आयोजित ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) शिखर सम्मेलन के 'संतुलित, साझा और सतत आर्थिक विकास' विषय पर आउटरीच सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संबोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि विकास का वास्तविक सवाल यह नहीं है कि जीडीपी कितनी है, बल्कि यह है कि विकास किसके लिए, किसके साथ और किस दिशा में हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा समावेशिता, पैमाने और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण पर आधारित है, जो ÷सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास÷ के सिद्धांत से प्रेरित है। उन्होंने यह भी कहा कि यह दृष्टिकोण भारत की जी20 अध्यक्षता और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) जैसी पहलों में दिखाई देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हो रही हैं, और ऐसे समय में कमजोर देशों को अकेले इन झटकों का बोझ नहीं उठाना चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से विकासशील देशों को आर्थिक झटकों से बचाने के लिए मजबूत सहायता तंत्र विकसित करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि कई देश वृद्ध होती आबादी का सामना कर रहे हैं, जबकि भारत और वैश्विक दक्षिण के देशों के पास युवा प्रतिभा और कौशल की बड़ी ताकत है। इस संतुलन का लाभ उठाने के लिए उन्होंने ÷ग्लोबल स्किल्स पार्टनरशिप÷ की आवश्यकता बताई।

भू-राजनीतिक तनाव कम होने से बीएसई लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप फिर 5 ट्रिलियन डॉलर के पार

मुंबई।

बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बुधवार को 5 ट्रिलियन डॉलर के स्तर को पार कर गया, जो लगभग छह सप्ताह बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा है। घरेलू शेयर बाजार में तेजी, भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने इस बढ़त को समर्थन दिया। पिछले कुछ कारोबारी सत्रों में बाजार में मजबूत रिकवरी देखने को मिली है। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते से जुड़ी सकारात्मक प्रगति और वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट के बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ा है, जिससे बाजार को मजबूती मिली है।

विश्लेषकों के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में कमी और बाजार की अस्थिरता दर्शाने वाले संकेतकों में गिरावट से निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता बढ़ी है, जिसका फायदा शेयर बाजार को मिला।

इसके अलावा, पिछले चार कारोबारी सत्रों में बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार मूल्य में 6 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। व्यापक बाजार सूचकांकों ने भी प्रमुख सूचकांकों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। अप्रैल से अब तक सेंसेक्स में जहां सीमित बढ़त देखने को मिली है, वहीं मिडकैप, स्मॉलकैप और माइक्रोकैप शेयरों ने अधिक मजबूत रिटर्न दिया है। इससे यह संकेत मिलता है कि मौजूदा बाजार तेजी में निवेशकों की भागीदारी व्यापक स्तर पर बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने से भारत की अर्थव्यवस्था को राहत मिल सकती है। इससे महंगाई, चालू खाते के घाटे और कंपनियों की आय पर पड़ने वाला दबाव कम होगा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के बावजूद घरेलू शेयर बाजार मजबूत बना हुआ है, जिसका मुख्य कारण घरेलू निवेशकों की ओर से लगातार हो रहा निवेश है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि विदेशी निवेश का प्रवाह भी सुधरता है तो आने वाले महीनों में बाजार की धारणा को और मजबूती मिल सकती है। उन्होंने भारत की दीर्घकालिक विकास संभावनाओं पर भी भरोसा जताया है।

उनके अनुसार संरचनात्मक सुधार, कंपनियों की मजबूत बैलेंस शीट और बढ़ता पूंजीगत व्यय बाजार के प्रमुख विकास कारक हैं।

रायपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान विमान से पक्षी टकराया सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली।

दिल्ली से रायपुर पहुंचे एयर इंडिया का एक विमान बुधवार सुबह रायपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान बर्ड हिट (पक्षी टकराने) की घटना का शिकार हो गया। हालांकि, विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और इस घटना में किसी यात्री या चालक दल के सदस्य के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। रायपुर एयरपोर्ट प्राधिकरण के अनुसार, विमान रनवे पर उतरने के दौरान एक पक्षी से टकरा गया। घटना के बाद एयर इंडिया ने निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत विमान की तकनीकी जांच और सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक निरीक्षण कराए। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि विमान की विस्तृत जांच स्थापित विमानन सुरक्षा मानकों के अनुरूप की गई और सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद उसे आगे के परिचालन के लिए मंजूरी दे दी गई। इसके बाद विमान अपने निर्धारित गंतव्य के लिए रवाना हो गया।

अधिकारियों के मुताबिक, बर्ड हिट विमानन क्षेत्र में होने वाली सामान्य घटनाओं में शामिल है और ऐसे मामलों में विमान की विस्तृत जांच के बाद ही उसे दोबारा सेवा में लगाया जाता है। फिलहाल इस घटना में किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है। इस बीच, इसी महीने की शुरुआत में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 7 जून को दिल्ली हवाई अड्डे पर प्रतिकूल मौसम के कारण एयर इंडिया के तीन विमानों को हुए नुकसान की घटना की जांच शुरू की थी। डीजीसीए के अनुसार, 7 जून को दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 पर खड़े एयर इंडिया के तीन ए320 विमानों को तेज हवाओं और खराब मौसम के दौरान ग्राउंड इक्विपमेंट तथा विदेशी मलबे (फॉरेन ऑब्जेक्ट डेब्रिस) से नुकसान पहुंचा था। जांच और रखरखाव के लिए तीनों विमानों को ग्राउंड कर दिया गया था।

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियां आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में मां अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घूमने का प्लान बना सकती हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ों वाली जगह पर हर चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

बजट में घूमने के लिहाज से टूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम सकेंगे।

दूसरे शहर में कम खर्चे के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देगी।

देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्टी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून

देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को आकर्षित करती है। जिन लोगों ने पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरूआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैंपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्नत में आने का होगा एहसास

समर वेकेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूंढ पा रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेकेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्यारी - अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूंढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्यारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्यारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्यारी काफी ऊंचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्यारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगता है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

ऐसे पहुंचे मुनस्यारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्यारी के लिए बस ले सकते हैं।

इसके साथ ही मुनस्यारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें।

आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्यारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13-14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्यारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से सोकर बीतेगा।

मुनस्यारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को ‘भारत का मिनी इज़राइल’ भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इज़राइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत

कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।

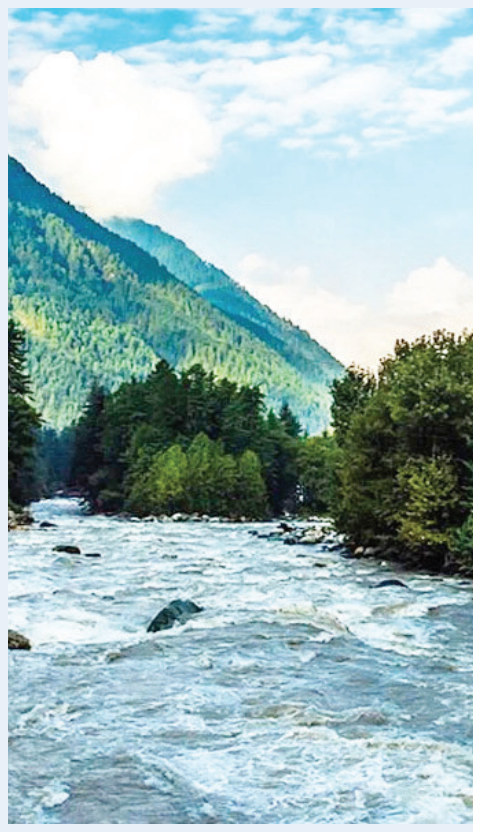

प्रमुख आकर्षण

1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

3. चालल गाँव

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

4. इज़राइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इज़राइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन)
कैम्पिंग और बोनफायर
रिवर साइड कैफ़े में समय बिताना
स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को समझना
हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी
यात्रा का उत्तम समय
मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।
सितंबर से नवंबर- मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।
दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।
कैसे पहुँचे कसोल?
हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है।
रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।
सड़क मार्ग- दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।
कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ - कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।

फीफा विश्व कप 2026

200 वें मैच में मेसी का जादुई शो

पहली विश्व कप हैट्रिक से अर्जेंटीना को दिलाई जीत

कैनसस सिटी। फीफा विश्व कप 2026 में लियोनल मेसी ने एक ऐसी रात को यादगार बना दिया, जिसे अर्जेंटीना के फुटबॉल फैंस शायद कभी नहीं भूलेंगे। अल्जीरिया के खिलाफ ग्रुप-जे के मुकाबले में मेसी ने अपने विश्व कप करियर की पहली हैट्रिक लगाई और अर्जेंटीना को 3-0 की शानदार जीत दिलाई। इसके साथ ही उन्होंने जर्मनी के दिग्गज मिरोस्लाव क्लोज के विश्व कप में सर्वाधिक 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली।कैनसस सिटी के एरोहेड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना शुरू से ही हावी रहा। कप्तान मेसी ने पहले हाफ में टीम को बढ़त दिलाई और फिर दूसरे हाफ में दो और गोल दागकर मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। उनकी हैट्रिक की बदौलत मौजूदा विश्व चैंपियन ने अपने खिताब बचाने के अभियान की दमदार शुरुआत की।

हालंद और एमबाप्पे पर भारी पड़े मेसी

विश्व कप के छठे दिन एरलिंग हालंद और किलियन एमबाप्पे ने भी दो-दो गोल किए थे, लेकिन सारी सुर्खियां मेसी के नाम रहीं। हालंद ने नॉर्वे की ओर से इराक के खिलाफ दो गोल दागे, जबकि एमबा पे ने सेनेगल के खिलाफ फ्रांस की जीत में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, मेसी की हैट्रिक और रिकॉर्ड की बराबरी ने इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया। 80वें मिनट में जब मेसी को मैदान से बाहर बुलाया गया तो पूरा स्टेडियम खड़ा हो गया। यह सिर्फ एक हैट्रिक नहीं थी, बल्कि फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक के करियर का एक और सुनहरा अध्याय था।

20 साल बाद रचा इतिहास

यह उपलब्धि इसलिए भी खास रही क्योंकि मेसी ने अपना पहला विश्व कप मैच 2006 में सर्बिया और मोंटेनेग्रो के खिलाफ खेला था। ठीक 20 साल बाद उन्होंने उसी मंच पर पहली विश्व कप हैट्रिक लगाकर इतिहास रच दिया। वह विश्व कप के पांच अलग-अलग संस्करणों में गोल करने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए। इस सूची में उनके साथ केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम शामिल है।

विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	देश	गोल
मिरोस्लाव क्लोज	जर्मनी	16
लियोनल मेसी	अर्जेंटीना	16*
रोनाल्डो	ब्राजील	15
किलियन एमबाप्पे	फ्रांस	14
गेर्ड मुलर	जर्मनी	14
जस्ट फोंटेन	फ्रांस	13
पेले	ब्राजील	12

क्लोज के रिकॉर्ड की बराबरी

विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले मेसी के नाम विश्व कप में 13 गोल थे। अल्जीरिया के खिलाफ तीन गोल दागकर उन्होंने अपना आंकड़ा 16 तक पहुंचा दिया।इसके साथ ही उन्होंने मिरोस्लाव क्लोजे के सर्वाधिक विश्व कप गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अभी टूर्नामेंट के कई मैच बाकी हैं और ऐसे में मेसी के पास इस रिकॉर्ड को तोड़ने का सुनहरा मौका होगा।

एमबाप्पे फ्रांस के लिए बने सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी

न्यू जर्सी। कायलियन एमबाप्पे के दम पर फ्रांस ने ग्रुप आई के मुकाबले में सेनेगल को 3-1 से हराकर फीफा विश्व कप में विजयी आगाज किया। फ्रांस के लिए एमबाप्पे ने दो गोल दागे। एमबाप्पे इसके साथ ही फ्रांस की ओर से विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने। दोनों टीमें पहले हाफ तक कोई गोल नहीं कर सकीं, लेकिन दूसरे हाफ में कप्तान कायलियन एमबाप्पे ने टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद ब्रैडली बारकोला ने गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। निर्धारित 90 मिनट के बाद फ्रांस 2-0 से आगे था। हालांकि, आठ मिनट के इंजरी समय के दौरान सेनेगल के लिए इब्राहिम मबाये ने गोल दागा। लेकिन इसके चंद सेकेंड बाद ही एमबाप्पे ने एक और गोल कर फ्रांस को 3-1 से आगे कर दिया।

इंग्लैंड को लगा झटका, लिवरामेंटो चोट के कारण विश्व कप से हुए बाहर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के फुल बैक टिनो लिवरामेंटो पिंडली की चोट के कारण फुटबॉल विश्व कप से बाहर हो गए जिससे कोच थॉमस ट्यूशेल को क्रोएशिया के खिलाफ अपनी टीम के पहले मैच से ठीक पहले टीम में बदलाव करना पड़ा। चेल्सी के डिफेंडर ट्रेवो चालोबाह को उनकी जगह बुलाया गया है और वे कैनसस सिटी में इंग्लैंड के ट्रेनिंग शिविर में शामिल होने वाले हैं।

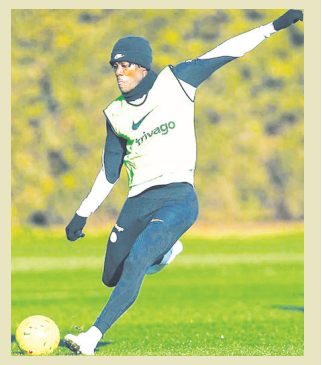

ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हुए थे लिवरामेंटो- इंग्लिश फुटबॉल संघ ने बताया कि न्यूकासल के डिफेंडर लिवरामेंटो रविवार को ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। एक बयान के अनुसार, 'सोमवार को हुए स्कैन और मेडिकल जांच से दुर्भाग्य से पुष्टि हुई कि वह (लिवरामेंटो) टूर्नामेंट में आगे इंग्लैंड की ओर से हिस्सा नहीं ले पाएंगे।' लिवरामेंटो को मुख्य रूप से उनकी बहुमुखी प्रतिभा के कारण चुना गया था क्योंकि वह राइट-बैक और लेफ्ट-बैक दोनों पोजीशन पर सहज थे। उन्हें मुख्य रूप से राइट-बैक पोजीशन पर अक्सर चोटिल होने वाले रीस जेम्स के बैकअप के तौर पर देखा जा रहा था। चालोबाह ने हाल के सत्र में चेल्सी के लिए अधिकतर सेंटर-बैक के तौर पर खेला है लेकिन उन्हें राइट-बैक के तौर पर खेलने का भी अनुभव है। इंग्लैंड गुरुवार को क्रोएशिया के खिलाफ अपने पहले ग्रुप मैच के लिए डलास जा रहा है। टीमें अपने पहले मैच की शुरुआत से 24 घंटे पहले तक चोटिल खिलाड़ियों की जगह दूसरे खिलाड़ियों को बुला सकती हैं।

खिताबी सूखे को समाप्त करने उतरेगा इंग्लैंड

डिफेंस में दोनों तरफ खेलने वाले टीनो लिवरामेंटो जांघ की चोट के कारण टूर्नामेंट में पूरी तरह मैच-फिट नहीं थे। वह फ्लोरिडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले के दूसरे हाफ में खेले थे, लेकिन कोस्टा रिका के विरुद्ध टीम के आखिरी वर्ल्ड कप वार्म-अप मैच के दौरान बेंच पर ही रहे। इंग्लैंड ने साल 1966 में अपना एकमात्र फीफा विश्व कप खिताब जीता था। यह टीम इस साल छह दशक के सूखे को समाप्त करने उतरेगी।

भारत ने अफगानिस्तान को 403 रनों का विशाल लक्ष्य दिया

गिल और किशन ने खेली शानदार शतकीय पारी

लखनऊ, एजेंसी। भारत बनाम अफगानिस्तान तीन मैच की एकदिवसीय शृंखला का दूसरा मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम ने दूसरे वनडे में अफगानिस्तान को 403 रन का लक्ष्य दिया। 49.5 ओवर में टीम इंडिया 402 रन पर सिमट गई। पहले खेलते हुए भारत की शुरुआत खास नहीं रही और यशस्वी जायसवाल 4 रन पर आउट हुए। उसके बाद रोहित शर्मा ने बेहतरीन 48 रन बनाए और कप्तान गिल व इशान किशन ने ताबड़तोड़ शतकीय पारियां खेलीं। शुभमन गिल ने 154 और इशान किशन ने 125 रन बनाए। वहीं रोहित शर्मा ने भी 48 रन की पारी खेली। भारत ने वनडे इंटरनेशनल में 8वीं बार 400 रनों का आंकड़ा पार किया है। अफगानिस्तान के लिए खरोटे ने 4 और राशिद खान ने 3 विकेट झटके।

शुभमन गिल भारत में सबसे तेज एक हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बने, कोहली का रिकॉर्ड टूटा

भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में विराट कोहली और शिखर धवन का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। गिल अब भारत में इनिंग के हिसाब से सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। गिल ने लखनऊ के एकाना स्टेडियम में ना सिर्फ यह रिकॉर्ड बनाया और बल्कि शतक भी लगाया। गिल ने भारत में 19 इनिंग्स में एक हजार वनडे रन पूरे किए हैं। इससे पहले भारत में सबसे तेज एक हजार वनडे रन का रिकॉर्ड कोहली और धवन के नाम था जिन्होंने संयुक्त रूप से 24 इनिंग्स में यह कमाल किया है। लिस्ट में तीसरे नम्बर पर नवजोत सिंह सिद्धू और श्रेयस अय्यर हैं, इन दोनों ने 25 इनिंग्स में ऐसा किया है। इस लिस्ट में चौथे स्थान पर ईशान किशन हैं जिन्होंने 26 इनिंग्स में भारत में एक हजार रन पूरे किए हैं।

चार साल बाद ग्रैंड स्लैम खेलेंगी सेरेना विंबलडन में बहन वीनस के साथ दिखेंगी

लंदन (एजेंसी)। टेनिस जगत की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स करीब चार साल बाद किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में वापसी करने जा रही हैं। 44 वर्षीय अमेरिकी स्टार विंबलडन 2026 में अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ महिला युगल वर्ग में खेलती नजर आएंगी। टूर्नामेंट आयोजकों ने मंगलवार को महिला युगल के लिए वाइल्ड कार्ड प्राप्त जोड़ियों की घोषणा की, जिसमें विलियम्स बहनों का नाम भी शामिल है।

विंबलडन महिला युगल वाइल्ड कार्ड जोड़ियां

- केटी बोल्टर / हीदर वॉटसन (ब्रिटेन)
- मेडेलीन ब्रूक्स / अमेलिया राजेकी (ब्रिटेन)
- जोडी बरेज / मिका स्टोजसाव्लजेविक (ब्रिटेन)
- फ्रेया क्रिस्टी / ईडन सिल्वा (ब्रिटेन)
- हैरियट डार्ट / माया लुम्सडेन (ब्रिटेन)
- एलिसिया डुडने / मिमी शू (ब्रिटेन)
- सेरेना विलियम्स / वीनस विलियम्स (अमेरिका)

चार साल बाद ग्रैंडस्लैम में वापसी

सेरेना विलियम्स ने आखिरी बार किसी ग्रैंड स्लैम में यूएस ओपन 2022 के दौरान हिस्सा लिया था। उस टूर्नामेंट में उनका सफर तीसरे दौर में समाप्त हो गया था, जहां उन्हें अजला टोम्लजानोविच के खिलाफ तीन सेटों तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से उन्होंने किसी भी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया। अब विंबलडन 2026 के जरिए सेरेना एक बार फिर सबसे बड़े मंच पर वापसी करने जा रही हैं। उनकी वापसी ने टेनिस प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है।

हाल ही में की थी प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी

सेरेना ने हाल ही में क्वींस क्लब चैंपियनशिप में वापसी की थी। उन्होंने कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ युगल मुकाबले में जीत हासिल कर शानदार शुरुआत की थी। उनकी जोड़ी ज्यादा आगे नहीं बढ़ सकी क्योंकि म्बोकोदौरान चोटिल हो गई थीं। इसके बावजूद सेरेना की वापसी ने यह संकेत दे दिया था कि वह एक बार फिर बड़े टूर्नामेंटों में खेलने के लिए तैयार हैं।

वीनस-सेरेना की जोड़ी पर रहेंगी नजरें

वीनस और सेरेना विलियम्स महिला टेनिस इतिहास की सबसे सफल जोड़ियों में से एक रही हैं। दोनों बहनों ने साथ मिलकर कई ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीते हैं और ओलंपिक स्वर्ण पदक भी अपने नाम किए हैं। लंबे समय बाद दोनों को एक बार फिर विंबलडन के कोर्ट पर साथ खेलते देखना प्रशंसकों के लिए खास मौका होगा।

विंबलडन में आकर्षण का केंद्र रहेंगी बहनें

विंबलडन 2026 में कई युवा सितारों के अलावा अनुभवी खिलाड़ियों पर भी नजरें रहेंगी, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा सेरेना और वीनस की जोड़ी को लेकर होने की उम्मीद है। टेनिस इतिहास की दो महान खिलाड़ियों की यह वापसी न सिर्फ प्रशंसकों के लिए यादगार होगी, बल्कि महिला युगल प्रतियोगिता की प्रतिस्पर्धा को भी और रोमांचक बना देगी।

रोहित को लेकर जोंटी बोले-

उन्हें जन्म से ही कोई खास टैलेंट नहीं मिला

केपटाउन। जोंटी रोड्स का मानना है कि भले ही रोहित शर्मा को जन्म से ही कोई असाधारण टैलेंट नहीं मिला था लेकिन अपने काम करने के तरीके में निरंतरता (कंसिस्टेंसी) की वजह से उन्होंने जबरदस्त सफलता हासिल की। रोहित क्रिकेट जगत में एक बड़ा नाम हैं और इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में भी कप्तान के तौर पर उनका करियर शानदार रहा है। रोहित अभी अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेल रहे हैं। रोड्स ने मुंबई इंडियंस के साथ फील्डिंग कोच के तौर पर बिताए अपने समय को याद किया, जब उन्होंने बहुत करीब से देखा था कि रोहित अपने खेल पर कैसे काम करते थे। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व क्रिकेटर के मुताबिक रोहित की खासियत यह है कि वह मुश्किल चीजों को भी आसान बना देते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं पत्रकारों से हमेशा कहता रहता हूं कि मेरे पास दुनिया का सबसे अच्छा काम था। मुझे रोहित शर्मा को प्रैक्टिस करते हुए देखने का मौका मिला।

पुरुषों में प्रदीप शीर्ष पर रहे

किरण ने जीती महिलाओं की 400 मीटर दौड़

सूरत। इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के 12वें चरण में हरियाणा की इंटरनेशनल रनर किरण पहल ने मंगलवार को महिलाओं की 400 मीटर दौड़ जीती। सूरत में आयोजित प्रतियोगिता में 25 वर्षीय किरण ने 53.49 सेकेंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। इस सीजन किरण पहल का बेस्ट 52.89 सेकेंड रहा है, जो हाल ही में इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के लुधियाना चरण में दर्ज किया गया था। उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक गेम्स में हिस्सा लिया था। 400 मीटर दौड़ में उनका पर्सनल बेस्ट 50.92 सेकेंड है। 48.41 सेकेंड का समय लेकर तमिलनाडु के प्रदीप एस. ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ का खिताब अपने नाम किया। हरियाणा के नवीन कुमार डागर ने लंबे समय बाद प्रतियोगिता में वापसी करते हुए पुरुषों की 3,000 मीटर स्टीपलचेज दौड़ 9:09.80 सेकेंड में जीती। दिल्ली की चारू शौकीन ने महिलाओं की 100 मीटर दौड़ 12.29 सेकेंड में अपने नाम की।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप: आयरलैंड को हराकर इंग्लैंड ने दर्ज की दूसरी जीत

लंदन। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मेजबान इंग्लैंड ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आयरलैंड को चार विकेट से हरा दिया। पहले गेंदबाजों ने आयरलैंड को 20 ओवर में 118/9 पर रोक दिया, फिर कप्तान नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट की अहम साझेदारी की बदौलत लक्ष्य हासिल कर लिया। हालांकि जीत के बीच इंग्लैंड को अपनी कप्तान की फिटनेस को लेकर चिंता भी सताने लगी है। 119 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और टीम ने शुरुआती तीन विकेट जल्दी गंवा दिए। इसके बाद नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट ने पारी संभाली और 64 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

नैट 37 गेंदों में 48 रन बनाकर खेल रही थीं, लेकिन 16वें ओवर में उनकी पुरानी पिंडली (काफ) की चोट फिर उभर आई। इसके चलते उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा और मैच अधिकारियों ने उन्हें रिटायर्ड आउट घोषित किया। वह अपने अर्धशतक से सिर्फ दो रन दूर रह गईं। मैच के बाद नैट ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगली बार वह उन दो रनों का इंतजार जरूर करेंगी।

हीदर नाइट ने दिया फिटनेस अपडेट

मैच के बाद हीदर नाइट ने बताया कि नैट को उसी काफ में हल्का खिंचाव महसूस हुआ, जिसमें पहले भी चोट लगी थी। उन्होंने कहा, 'उन्हें एहतियात के तौर पर मैदान से बाहर भेजा गया। अगले कुछ दिनों में उनकी जांच होगी और उम्मीद है कि वह जल्द फिट हो जाएंगी।'

क्या स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलेंगी नैट?

इंग्लैंड का अगला मुकाबला 20 जून को स्कॉटलैंड से है। नैट की फिटनेस को देखते हुए इस मैच में उनका खेलना फिलहाल तय नहीं माना जा रहा है। यदि वह उपलब्ध नहीं होती हैं तो चार्ली डीन टीम की कप्तानी संभाल सकती हैं। हालांकि इंग्लैंड चाहेगा कि 24 जून को वेस्टइंडीज के खिलाफ अहम मुकाबले तक उनकी कप्तान पूरी तरह फिट हो जाएं।

गेंदबाजों ने आयरलैंड को किया बेबस

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत शानदार रही। लिन्सी स्मिथ ने पहले ही ओवर में एमी हंटर को आउट किया, जबकि लॉरेन बेल ने कप्तान गैबी लुईस को गोल्डन डक पर चलता किया। आयरलैंड की टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और 10वें ओवर तक 57 रन पर पांच विकेट खो चुकी थी। आखिर में लुईस लिटल ने 15 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाकर टीम को 118/9 तक पहुंचाया।

नैट की पारी ने दिलाई जीत

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने पांच ओवर के भीतर दोनों ओपनरों एमी जोन्स और डैनी वायट-हॉज के विकेट गंवा दिए। एलिस कैप्सी भी सस्ते में आउट हो गई और स्कोर 35/3 हो गया। इसके बाद नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट ने पारी संभाली। हीदर ने 23 गेंदों में 26 रन बनाए, जबकि नैट ने 48 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। उनके रिटायर्ड आउट होने के बाद कुछ और विकेट गिरे, लेकिन चार्ली डीन और डेनिएल गिब्सन ने 18वें ओवर में इंग्लैंड को जीत दिला दी। इस जीत के साथ इंग्लैंड ग्रुप-बी में लगातार दूसरी जीत दर्ज कर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

'जीवन भीमा योजना' में पहली बार दोहरी भूमिका निभाएंगे अरशद वारसी

अभिनेता अरशद वारसी एक डार्क कॉमेडी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'जीवन भीमा योजना' लेकर आ रहे हैं। फिल्म का पहला पोस्टर आज सामने आया है। इस फिल्म में अरशद वारसी डबल रोल में नजर आएंगे। अपने करियर में पहली बार अरशद किसी फिल्म में दोहरी भूमिका निभाएंगे। आज फिल्म का टीजर रिलीज किा गया है। जानिए कब रिलीज होगी अरशद की ये फिल्म?

1 मिनट 16 सेकंड के इस टीजर में कॉमेडी और ड्रामा की पूरी झलक दिखती है। साथ ही दिखता है कि कैसे कॉमेडी ऑफ इरर्स से होता है पूरा हंगामा। टीजर की शुरुआत में दिखाया जाता है कि अरशद वारसी के एक किरदार की सड़क दुर्घटना में मौत हो जाती है। फिर अरशद का दूसरा किरदार अपने हमशक्ल की मौत का फायदा उठाकर बीमा की रकम हासिल करने की कोशिश करता है। लेकिन ये इतना आसान नहीं रहने वाला है।

ऐसी है कहानी

अरशद वारसी इस फिल्म में दो हमशक्ल व्यक्तियों की भूमिका निभा रहे हैं। उनकी जिंदगी अप्रत्याशित और खतरनाक तरीके से एक-दूसरे से जुड़ जाती है। इसके बाद शुरू होती है अपराध, धोखे और डार्क ह्यूमर से भरपूर घटनाएं। 'जीवन भीमा योजना' लालच, मजबूरी, प्यार और एक गलत फैसले के दूरगामी परिणामों की कहानी है। फिल्म जीवन और उसकी पत्नी योजना के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। उनकी जिंदगी में तब बड़ा मोड़ आता है, जब उन्हें भीमा नाम का एक व्यक्ति मिलता है, जो हूबहू जीवन जैसा दिखता है। दोनों एक ऐसी योजना बनाते ,हैं जिसमें जीवन की मौत का नाटक कर बीमा की रकम हासिल की जा सके। लेकिन यह आसान योजना तब बुरी तरह उलझ जाती है, जब मरा समझा गया व्यक्ति हीरे की तस्करी से जुड़े एक खतरनाक गिरोह से संबंध रखता हुआ निकलता है।

अभिषेक डोगरा द्वारा निर्देशित 'जीवन भीमा योजना' अंशु मिश्रा द्वारा स्टार बीम वेंचर्स लिमिटेड के बैनर तले निर्मित है। इस फिल्म में अरशद वारसी के अलावा संजीदा शेख, विजय राज, पूजा चोपड़ा और बिजेंद्र काला जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। यह फिल्म मानसून 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

कृति सेनन की बड़ी प्रॉपर्टी डील!

कास्टिंग डायरेक्टर को बेचे अंधेरी के 4 अपार्टमेंट

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने अपनी बहन नुपुर सेनन और मां गीता सेनन के साथ मिलकर मुंबई के अंधेरी वेस्ट में स्थित चार अपार्टमेंट कुल 8.9 करोड़ में बेच दिए हैं। प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन दस्तावेजों के अनुसार, इन फ्लैट्स को फिल्ममेकर और कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने खरीदा है।

इतने करोड़ का हुआ फायदा

सेनन परिवार ने इन चारों अपार्टमेंट्स को 2013 से 2017 के बीच करीब 4.31 करोड़ में खरीदा था। अब 8.9 करोड़ में बिक्री के साथ उन्हें लगभग 4.6 करोड़ का फायदा हुआ है, यानी करीब 107% का मुनाफा, जो 9 से 13 साल की अवधि में मिला। रहेजा क्लासिक में मौजूद दो बड़े अपार्टमेंट बेचे दस्तावेजों के मुताबिक, यह बिक्री चार अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए की गई, जो 24 अप्रैल 2026 को रजिस्टर हुए। अंधेरी वेस्ट के रहेजा क्लासिक में मौजूद दो बड़े अपार्टमेंट 3.23 करोड़-3.23 करोड़ में बेचे गए। इनका बिल्ट-अप एरिया 654.23 स्क्वायर फीट है और हर फ्लैट के साथ एक कार पार्किंग भी शामिल है। दोनों डील्स पर 19.41 लाख की स्टांप ड्यूटी और 30,000-30,000 का रजिस्ट्रेशन चार्ज लगा। इसी बिल्डिंग में मौजूद बाकी दो छोटे अपार्टमेंट 1.21 करोड़-1.21 करोड़ में बेचे गए। इनका बिल्ट-अप एरिया 246.06 स्क्वायर फीट है। इन पर 7.29 लाख की स्टांप ड्यूटी और 30,000 प्रति यूनिट रजिस्ट्रेशन चार्ज लगा।

कब खरीदे थे ये अपार्टमेंट

स्क्वायर याईस के अनुसार, गीता सेनन ने जुलाई 2013 में दो बड़े अपार्टमेंट 1.40 करोड़ में खरीदे थे, जबकि कृति और नुपुर सेनन ने जून 2017 में बाकी दो फ्लैट्स 2.90 करोड़ में खरीदे थे। इस तरह परिवार का कुल निवेश करीब 4.31 करोड़ था।

पहली बार खलनायक बनेंगी शबाना आजमी

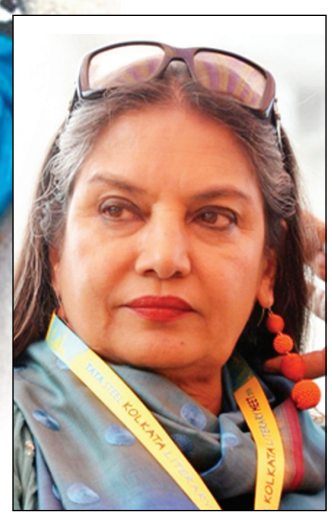

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री शबाना आजमी अपनी आने वाली फिल्म 'आवारापन 2' में पहली बार एक खलनायक की भूमिका में नजर आने वाली हैं। फिल्म में उनके किरदार का नाम नफीसा होगा। फिल्म के प्रोड्यूसर विशेष भट्ट ने इंस्टाग्राम पर शबाना आजमी के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए इस बात की घोषणा की। उन्होंने बताया कि शबाना आजमी जैसी दिग्गज अभिनेत्री का इस फिल्म से जुड़ना उनके लिए बड़े सम्मान की बात है और उनके आने से कहानी को एक नया मोड़ मिलेगा।

नए कलाकारों के साथ 'ताल 2' बनाने की सोच रहे हैं सुभाष घई

बॉलीवुड निर्देशक सुभाष घई की मशहूर फिल्म 'ताल' आज भी लोगों को बहुत पसंद है। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय और अक्षय खन्ना ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। सुभाष घई इस सुपरहिट रोमांटिक फिल्म का दूसरा भाग यानी 'ताल 2' बनाने की सोच रहे हैं। सुभाई ने सोशल मीडिया पर लोगों से पूछा कि क्या वह नए कलाकारों के साथ 'ताल 2' देखना चाहेंगे?

सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर ताल का एक पोस्टर हाथ में पकड़े हुए तस्वीर शेयर की है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि फिल्म की तारीफ रोजर एबर्ट ने की थी। इसी के साथ उन्होंने प्रशंसकों से पूछा कि क्या उन्हें इसे नए कलाकारों और निर्देशक के साथ 'ताल 2' बनानी चाहिए।

अपनी पोस्ट में सुभाष घई ने यह भी बताया कि उन्हें इस फिल्म के लिए सबसे बड़ी तारीफ किससे मिली थी। साल 2005 में शिकागो के 'एबर्टफेस्ट' में फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान हॉलीवुड के मशहूर फिल्म समीक्षक रोजर एबर्ट ने फिल्म 'ताल' की तारीफ की थी।

रोजर एबर्ट ने 'ताल' को 'शुद्ध मनोरंजन' और 'मासूमियत से भरी' फिल्म बताया था। उन्होंने कहा था कि इस फिल्म में हॉलीवुड के पुराने दौर के क्लासिक संगीत जैसा जादू है, जो अब अमेरिकी फिल्मों से गायब हो चुका है। वह फिल्म के गानों, डांस और ऐश्वर्या राय की एक्टिंग से बहुत प्रभावित हुए थे। फिल्म 'ताल' 1999 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अनिल कपूर, ऐश्वर्या राय और अक्षय खन्ना ने मुख्य भूमिका निभाई है। अमरीश पुरी और आलोक नाथ सहायक भूमिकाओं में दिखें। इस फिल्म का संगीत ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान ने दिया था, जिसके गाने आज भी लोग गुनगुनाते हैं।

टाइटल विवाद के बीच मनोज बाजपेयी का बड़ा बयान

मनोज बाजपेयी की फिल्म 'घूसखोर पंडत' अपने टाइटल को लेकर काफी विवादों में रही थी। इसी वजह से फिल्म रिलीज नहीं हो पाई। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि आखिर कितनी सावधानी जरूरी है, तो उन्होंने कहा, 'बहुत ध्यान रखना पड़ता है। बातचीत में मनोज बाजपेयी ने फिल्म को लेकर बातचीत में कहा कि आज के समय में लोग बहुत जल्दी आहत हो जाते हैं। उन्होंने कहा, 'हम ऐसे दौर में जी रहे हैं, सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में। हर कोई जैसे तैयार बैठा है कि कोई उसे आहत करे। जैसे कोई कह रहा हो- 'आओ मुझे ऑफेंड करो, मैं सुबह से बैठा हूं।' उन्होंने आगे कहा कि जब लोग इतने संवेदनशील हो जाते हैं, तो फिल्ममेकर्स को और ज्यादा सतर्क रहना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'आप नहीं चाहते कि जिस फिल्म को बनाने में इतनी मेहनत लगी है, उसे बेवजह विवादों में घसीटा जाए। फिल्म सिर्फ एक इंसान की मेहनत नहीं होती, इसमें कई लोगों की मेहनत और करियर जुड़ा होता है।' बात को सकारात्मक अंदाज में खत्म करते हुए मनोज ने कहा, 'हम ऐसे समय में हैं जहां हमें सोच-समझकर काम करना पड़ता है। लेकिन हम एक ऐसे समय की उम्मीद जरूर करते हैं, जब कोई भी बात पर आहत न हो।'

बड़े बजट की रोमांस थ्रिलर फिल्म से जुड़ सकती हैं कीर्ति सुरेश

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कीर्ति सुरेश के अगले प्रोजेक्ट को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह एक बड़े बजट की रोमांस-थ्रिलर फिल्म के लिए बातचीत कर रही हैं। हालांकि, फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार, कीर्ति एक प्रमुख फिल्मकार की नई फिल्म से जुड़ सकती हैं। बताया जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है और इसमें कीर्ति को ऐसे जॉनर में देखने का मौका मिल सकता है, जिसमें उन्होंने अब तक बहुत ही कम काम किया है। कीर्ति सुरेश पिछले कुछ वर्षों में तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी फिल्मों में लगातार सक्रिय रही हैं। उन्होंने व्यावसायिक फिल्मों के साथ-साथ अभिनय प्रधान भूमिकाओं में भी अपनी पहचान बनाई है। ऐसे में रोमांस और थ्रिलर के मिश्रण वाली कहानी में उनका चयन दिलचस्प माना जा रहा है।

अपनी पीढ़ी की सबसे अंडररेटेड अभिनेत्रियों में से हैं कृति खरबंदा

जिस इंडस्ट्री में, अक्सर शोर, सुर्खियों और दिखावे को सफलता का पैमाना माना जाता है, वहां कुछ कलाकार ऐसे भी हैं, जो बिना ज्यादा प्रचार के अपनी निरंतरता, बहुमुखी प्रतिभा और अपने काम के प्रति समर्पण के दम पर मजबूत करियर बनाते हैं और कृति खरबंदा इसी श्रेणी की अभिनेत्री हैं। वर्षों से कृति ने हिंदी, तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा में सफलतापूर्वक काम करते हुए अलग-अलग इंडस्ट्री, जॉनर और दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाई है।

अपनी मजबूत फिल्मोग्राफी के बावजूद उन्हें अपनी पीढ़ी की सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों की चर्चा में वह जगह नहीं मिली, जिसकी वे हकदार रही हैं। शायद यही वजह है कि 'राणा नायडू 2' में उनकी परफॉर्मेंस, सीरीज़ की रिलीज़ के एक साल बाद भी, चर्चा का केंद्र बनी हुई है।

गौरतलब है कि आलिया ओबेरॉय के किरदार में कृति ने भारत की सबसे चर्चित स्ट्रीमिंग फ्रेंचाइज़ी में कदम रखा और अपने साथ एक ताजगी भरी ऊर्जा लेकर आईं। यह किरदार उन भूमिकाओं से काफी अलग था, जिनसे दर्शक अब तक उन्हें जोड़ते आए थे। हालांकि महत्वाकांक्षा, भावनात्मक जटिलताओं, संवेदनशीलता और मजबूती से पिरोए गए इस किरदार को निभाना उनके लिए बेहद मुश्किल था, लेकिन इसे उन्होंने एक चुनौती की तरह लिया और सच कर दिखाया।

सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने दमदार व्यक्तित्वों और प्रभावशाली परफॉर्मेंस से भरी कहानी में भी अपनी अलग मौजूदगी बनाए रखी। जहां शो में हाई-स्टेक ड्रामा और बड़े किरदारों का दबदबा था, वहीं कृति की परफॉर्मेंस कभी भी दबती हुई महसूस नहीं हुई। उन्होंने संयम और आत्मविश्वास के साथ अपने किरदार को निभाते हुए यह साबित किया कि प्रभाव छोड़ने के लिए हमेशा ऊंची आवाज़ या अत्यधिक नाटकीयता की जरूरत नहीं होती।

'राणा नायडू 2' ने कृति की उस खासियत को भी सामने लाया, जो शुरुआत से उनकी पहचान रही है, और वह थी खुद को हर परिस्थिति और किरदार के अनुसार ढाल लेने की क्षमता। बहुत कम कलाकार ऐसे होते हैं जो इतनी सहजता से भाषाओं, जॉनर और फॉर्मेट्स के बीच बदलाव कर पाते हैं। रोमांटिक एंटरटेनर्स और कॉमेडी फिल्मों से लेकर थ्रिलर्स और अब एक रॉ और ग्रिटी स्ट्रीमिंग ड्रामा तक, कृति ने लगातार खुद को नए रूप में पेश किया है, बिना अपनी सच्चाई और सहजता खोए। शायद यही कारण है कि कृति आज भी इंडस्ट्री की सबसे अंडररेटेड परफॉर्मर्स में से एक मानी जाती हैं।

उन्होंने कभी किसी एक इमेज या तय फॉर्मूले पर निर्भर रहने की कोशिश नहीं की। इसके बजाय, उन्होंने चुपचाप एक विविधतापूर्ण फिल्मोग्राफी तैयार की, जहां हर किरदार खुद उनके काम की गवाही देता है। हालांकि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते प्रभाव ने दर्शकों को पारंपरिक लेबल्स से आगे बढ़कर कलाकारों को नए नजरिए से देखने का अवसर दिया है, और इसी के साथ 'राणा नायडू 2' ने एक बार फिर कृति की रेंज और स्क्रीन प्रेजेंस की याद दिलाई। इसने एक ऐसी अभिनेत्री को सामने रखा, जो जोखिम लेने से नहीं डरती, चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को अपनाती है और मनोरंजन जगत के बदलते दौर के साथ लगातार खुद को विकसित करती रहती है।

यही वजह है कि एक साल बाद भी 'राणा नायडू 2', कृति खरबंदा के करियर का एक अहम पड़ाव बना हुआ है, इसलिए नहीं कि इसने उन्हें दर्शकों से परिचित कराया, बल्कि इसलिए कि इसने सभी को फिर याद दिलाया कि वह क्या करने में सक्षम हैं। और अगर उनके हालिया प्रोजेक्ट्स कोई संकेत देते हैं, तो संभव है कि उनके करियर के सबसे बेहतरीन अध्याय अभी बाकी हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूएस-ईरान समझौते के बाद होर्मुज से जल्द निकलेंगे 34 भारतीय जहाज, करोड़ों किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित होगी। इसका असर भी दिखना शुरू हो गया है। दरअसल तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) ला रहे भारतीय टैंकर दिशा ने सुरक्षित होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर लिया है। भारत आ रहे 34 अन्य जहाजों के भी जल्द होर्मुज पार करने की उम्मीद है। ये जहाज पश्चिम एशिया संकट के चलते होर्मुज में फंसे हैं। होर्मुज में फंसे 34 जहाजों में से 16 जहाज ऐसे हैं, जो फर्टिलाइजर लेकर भारत आ रहे हैं। अगर समझौते के तहत सबकुछ सही रहता है और होर्मुज खुलता है तो जल्द ही भारत के करोड़ों किसानों को खेती के लिए फर्टिलाइजर मिल सकते हैं। हालांकि अभी हालात सामान्य होने में वक्त लग सकता है। पश्चिम एशिया में युद्ध के दौरान ऊर्जा केंद्रों को निशाना बनाया गया। पश्चिम एशिया की कई अहम रिफाइनरियां और गैस प्लांट हमलों में बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं। जिससे युद्ध समाप्त होने के बाद भी आपूर्ति सामान्य होने में कई महीनों का वक्त लग सकता है। कतर का रास लफ्फान प्लांट हमले में बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है और वहां से ईंधन आपूर्ति सामान्य होने में कई महीने लग सकते हैं। भारत के इस गैस प्लांट से एलपीजी आपूर्ति का कॉन्ट्रैक्ट है, ऐसे में हालात सामान्य होने में अभी वक्त लगेगा।

स्विट्जरलैंड हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी को तैयार

बर्न, एजेंसी, एजेंसी। स्विट्जरलैंड ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) का स्वागत किया है। साथ ही इसे पश्चिम एशिया में तनाव कम करने और क्षेत्रीय स्थिरता स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। साथ ही उसने इस सप्ताह के अंत में प्रस्तावित औपचारिक हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी करने की पेशकश की है। बयान में स्विस विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि निकट और मध्य पूर्व में शांति और सुरक्षा स्विट्जरलैंड की विदेश नीति की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। स्विस संघीय विदेश विभाग (एफडीएफए) ने बताया कि वह अमेरिका, ईरान, पाकिस्तान और कतर के साथ लगातार संपर्क में है, ताकि इस सप्ताह के अंत में स्विट्जरलैंड में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके।

ब्रिटेन में 16 साल की उम्र से पहले बच्चे नहीं चला सकेंगे सोशल मीडिया, प्रस्ताव से 10 में से 9 अभिभावक खुश

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में 16 साल से छोटे बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर बैन लगेगा। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को इसकी घोषणा की। संबंधित नियम इस साल दिसंबर तक बन जाएंगे और 2027 मार्च- अप्रैल तक लागू होने की उम्मीद है। सरकार का तर्क है कि एल्गोरिदम आधारित प्लेटफॉर्म बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, पढ़ाई और सामाजिक विकास पर नकारात्मक असर डाल रहे हैं। प्रस्ताव के तहत सोशल मीडिया के उपयोग से पहले उम्र सत्यापन सख्ती से लागू होगा और नियम पालन कराने की जिम्मेदारी कंपनियों पर होगी। बैन एप में स्नैपचैट, टिकटॉक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म शामिल होंगे। वॉट्सएप और सिग्नल जैसी मैसेजिंग सेवाएं फिलहाल प्रतिबंध में शामिल नहीं होंगी। ब्रिटिश सरकार के एक सर्वे में 10 में से 9 अभिभावकों ने इस प्रतिबंध का स्वागत किया है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी फॉर पब्लिक हेल्थ द्वारा 14-24 वर्ष के युवाओं के बीच किए सर्वे के मुताबिक स्नैपचैट, फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम से डिप्रेशन, चिंता, अपने शरीर को लेकर हीन भावना और अकेलेपन में बढ़ोतरी होती है। अमेरिकी सर्जन जर्नल के मुताबिक रोज 3 घंटे से ज्यादा सोशल मीडिया पर बिताने वाले किशोरों में मानसिक समस्याओं का खतरा दोगुना होता है। अमेरिका में एक परीक्षण में पाया गया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बंद करने से युवाओं में खुशी, जीवन से संतुष्टि बढ़ी, डिप्रेशन-एंग्जाइटी में सुधार हुआ। 25 से ज्यादा देश किशोरों-बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन करने की पहल कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में साल भर पहले प्रतिबंध लागू किया गया था। मलेशिया, इंडोनेशिया और ब्राजील में भी इस साल की शुरुआत से प्रतिबंध लागू हो चुके हैं। नॉर्वे, फ्रांस, अमेरिका, चीन जैसे कई देशों में बच्चों के लिए सोशल मीडिया से जुड़े नियम सख्त किए जा रहे हैं।

अमेरिका का बी-52 बॉम्बर उड़ान भरने के तुरंत बाद हुआ क्रैश, हादसे में आठ लोगों की मौत

एडवर्ड्स , एजेंसी। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया स्थित मोजावे रेगिस्तान में स्थित एक वायुसेना अड्डे पर बी-52 स्ट्रैटोफोर्टेस बमवर्षक विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि विमान ने एयरबेस से उड़ान भरी थी, लेकिन टेकऑफ के तुरंत बाद वह दुर्घटना का शिकार हो गया। न्यूज एजेंसी एपी ने वायु सेना के हवाले से बताया कि कैलिफोर्निया के एक सैन्य अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हुए बी-52 बमवर्षक विमान में सवार आठ लोगों की मौत हो गई है। अमेरिकी सेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि विमान सुबह करीब 11:20 बजे एडवर्ड्स वायुसेना अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके बाद आपातकालीन राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए। लॉस एंजिलिस के उत्तर में स्थित एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस ने सोशल मीडिया पर कहा, 'प्रारंभिक संकेत बताते हैं कि इस दुर्घटना में जीवित बचना संभव नहीं था।' अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

इलाके में दिखा धुएं का गुबार : चालक दल के सदस्यों के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है, हालांकि हवाई दृश्यों में विमान का मलबा लगभग पूरी तरह नष्ट दिखाई दिया। दुर्घटनाग्रस्त के बाद वायुसेना के अड्डे के एक रनवे के निकट रेगिस्तानी क्षेत्र में आग लगने से काला धुआं उठता दिखाई दिया और आसपास कई आपातकालीन वाहन तैनात थे। सेना ने यह नहीं बताया है कि बमवर्षक विमान हथियारों से लैस था या नहीं। अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि आपातकालीन राहत कार्यों पर पूरा ध्यान केंद्रित करने के लिए एयरबेस पर गैर-व्यावसायिक आगंतुकों के प्रवेश पास अस्थायी रूप से निलंबित कर दिए गए हैं। एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस अमेरिकी वायुसेना के विमान परीक्षण और विकास कार्यक्रमों का प्रमुख केंद्र है। यह लॉस एंजिलिस से लगभग 161 किलोमीटर उत्तर में स्थित है।

एयरबेस पर होते हैं विमानों और हथियारों के परीक्षण : इस बेस का संचालन करने वाला 412वां टेस्ट विंग वायुसेना के सभी विमानों, हथियार प्रणालियों, सॉफ्टवेयर और अन्य उपकरणों का खरीद से पहले तथा उनके पूरे सेवा काल के दौरान परीक्षण करता है। यही वह सैन्य अड्डा है जहां 1947 में वायुसेना के परीक्षण पायलट चक येगर ने मैक 1.05 की गति हासिल कर आवाज की स्पीड को पहली बार पार किया था। विमानन सुरक्षा विशेषज्ञ जेफ गुजेट्टी का मानना है कि विमान का उड़ान भरने के तुरंत बाद, बिना अधिक ऊंचाई हासिल किए दुर्घटनाग्रस्त होना किसी उड़ान नियंत्रण प्रणाली में खराबी की ओर संकेत कर सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। उनके अनुसार, यह संभव है कि रखरखाव के बाद नियंत्रण प्रणाली में कोई त्रुटि रह गई हो, इंजन में गंभीर खराबी आई हो या परीक्षण किए जा रहे किसी उपकरण में विफलता हुई हो।

बीते साल टला था एक बड़ा हादसा : एडवर्ड्स वायुसेना अड्डा एक विशाल रेगिस्तानी सैन्य ठिकाना है, जहां 1947 में चक येगर ने पहली बार ध्वनि की गति को पार किया था। यह अड्डा लॉस एंजिलिस से लगभग 100 मील (161 किलोमीटर) उत्तर में स्थित है। यह दुर्घटना ऐसे समय हुई है, जब लगभग एक वर्ष पहले जुलाई 2025 में नॉर्थ डकोटा के ऊपर उड़ान भर रहे एक क्षेत्रीय यात्री विमान के पायलट को संभावित टक्कर से बचने के लिए अचानक तेज मोड़ लेना पड़ा था। उस समय उसके उड़ान मार्ग में एक सैन्य बी-52 बमवर्षक विमान आ गया था।

बी-52 बॉम्बर क्यों है खास : बी-52 स्ट्रैटोफोर्टेस दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और लंबे समय से सेवा में बने हुए सामरिक बमवर्षक विमानों में से एक है। इसका विकास शीत युद्ध के दौर में किया गया था, लेकिन आधुनिक तकनीकों के समावेश के कारण यह आज भी कई देशों की वायु सेनाओं के लिए अध्ययन और रणनीतिक महत्व का विषय बना हुआ है। यह विमान लंबी दूरी तक बिना रुके उड़ान भरने की क्षमता रखता है, जिससे इसे अंतरमहाद्वीपीय अभियानों में प्रभावी माना जाता है। बी-52 की सबसे बड़ी विशेषता इसकी भारी हथियार वहन क्षमता है। यह पारंपरिक और आधुनिक दोनों प्रकार के हथियारों को ले जाने में सक्षम है। इसके विशाल पंख और शक्तिशाली इंजन इसे लंबे समय तक हवा में बने रहने की क्षमता प्रदान करते हैं। आवश्यकता पड़ने पर यह हवा में ही ईंधन भरकर अपनी उड़ान अवधि को और बढ़ा सकता है। उन्नत रडार, नेविगेशन प्रणाली और संचार उपकरणों से लैस होने के कारण यह विभिन्न मौसम परिस्थितियों में भी मिशन पूरा करने में सक्षम है।

अमेरिका के साथ समझौते पर बोले ईरान के शीर्ष नेता, राष्ट्रपति ने सुप्रीम लीडर को दिया श्रेय, स्पीकर ने बताया ऐतिहासिक जीत

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक बड़े समझौते के बाद ईरान के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान और संसद के स्पीकर मोहम्मद बग़र ग़ालिबाफ़ ने इस समझौते को देश के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम बताया है। राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर देश को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा ख़ामेनेई ने इस समझौते में 'देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने वाले प्रावधानों को शामिल कराने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है।' उन्होंने आगे लिखा, 'अगर सभी प्रावधानों को सही ढंग से लागू किया जाता है, तो इसे देश के लिए गौरवान्वित करने वाला दस्तावेज़ माना जा सकता है।' गौरतलब है कि इस साल मार्च में सर्वोच्च नेता (सुप्रीम लीडर) का पद संभालने के बाद से मोजतबा ख़ामेनेई सार्वजनिक रूप से नज़र नहीं आए हैं और इस समझौते पर अभी तक उनकी ओर से कोई सीधा बयान नहीं आया है। दूसरी ओर, इस पूरी बातचीत में शीर्ष वार्ताकार की भूमिका निभाने वाले ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बग़र ग़ालिबाफ़ ने इसे ईरान की 'अंतिम जीत की ओर एक बड़ा क़दम' करार दिया है। उन्होंने ईरान की जनता के ऐतिहासिक प्रतिरोध (की सराहना करते हुए 'एक्स' पर लिखा कि जनता के दृढ़ व्यवहार और 'उन ताकतों के ख़िलाफ़ सशस्त्र बलों की बहादुरी, जो इस राष्ट्र का अस्तित्व मिटाना चाहते थे', ने ही ईरान को इस मकाम तक पहुँचाया है।

गहरी खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस, 30 से अधिक लोगों की दर्दनाक मौत

अदीस अबाबा, एजेंसी। इथियोपिया के उत्तरी अमहारा क्षेत्र में एक भीषण हादसा हो गया है। इस हादसे में कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग घायल हैं। ये इलाका संघर्ष से प्रभावित है और हादसे के बाद आपातकालीन सेवाओं में देरी से स्थिति और गंभीर हो गई। बता दें कि ये हादसा सोमवार की सुबह उस समय हुई जब एक खचाखच भरी बस डेसी क्षेत्र से राजधानी अदीस अबाबा की तरफ जा रही थी। पुलिस ने बताया कि इसी दौरान बस अचानक सड़क से फिसल गई और एक गहरी खाई में जा गिरी।

बचाव कार्य में देरी : हादसे के बाद आपातकालीन सेवाओं की प्रतिक्रिया में देरी की वजह भी सामने ई है। जिस इलाके में ये हादसा हुआ, वहां बुनियादी ढांचे की भारी कमी है और एम्बुलेंस सेवाओं का भी अभाव है। यही कारण है कि घायलों को निजी वाहनों में अस्पताल ले जाना पड़ा। इस दौरान घायलों की हालत और बिगड़ने की आशंका है।

इथियोपिया में क्यों होते हैं ज्यादा सड़क हादसे : इथियोपिया दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों की दर काफी अधिक है। इसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं, जिनमें खराब सड़क ढांचा, वाहनों की जर्जर स्थिति और यातायात नियमों का प्रभावी ढंग से पालन न होना प्रमुख हैं। देश के कई ग्रामीण और पहाड़ी इलाकों में सड़क नेटवर्क पर्याप्त विकसित नहीं है। संकरी और खराब सड़कों के कारण वाहन अक्सर नियंत्रण खो देते हैं और गहरी खाइयों में गिर जाते हैं। इसके अलावा, गलत तरीके से मोड़ लेना, खतरनाक ओवरटेकिंग करना, वाहनों के बीच पर्याप्त दूरी न रखना और निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाना आम समस्याएं हैं। हादसों की एक बड़ी वजह बसों और ट्रकों की खराब तकनीकी स्थिति भी है। कई वाहन क्षमता से अधिक यात्रियों या माल को ढोते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। वहीं, सड़कों पर फुटपाथ और जेब्रा क्रॉसिंग जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण पैदल यात्रियों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है।

'अफगानिस्तान में रोकें महिलाओं पर कार्रवाई', संयुक्त राष्ट्र का तालिबान से आग्रह

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें अफगानिस्तान के तालिबान शासकों से महिलाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों को शीघ्र वापस लेने और देश में सक्रिय उन उग्रवादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने का आह्वान किया है। इस प्रस्ताव को प्रायोजित करने वाले चीन के संयुक्त राष्ट्र राजदूत फू कोंग ने कहा कि उम्मीद है कि अफगान सरकार मानवाधिकारों, विशेष रूप से महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए अधिक सक्रिय कदम उठाएगी और खुलेपन, समावेशिता तथा जिम्मेदारी की छवि पेश करेगी।

प्रस्ताव के तहत अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के राजनीतिक मिशन की अवधि 17 जून 2027 तक बढ़ा दी गई है। साथ ही मिशन को बिना किसी भेदभाव के मानवीय सहायता पहुंचाने तथा राष्ट्रीय और स्थानीय प्रशासन को बढ़ावा देने का अधिकार दिया गया है, जिसमें लिंग, धर्म या जातीयता के आधार पर कोई भेदभाव न हो और महिलाओं, अल्पसंख्यकों, युवाओं तथा दिव्यांग व्यक्तियों की पूर्ण, समान, सार्थक और सुरक्षित भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

यह प्रस्ताव ऐसे समय पारित किया गया है जब इस महीने पश्चिमी अफगानिस्तान के हेरात शहर में तालिबान के सख्त ड्रेस कोड के कथित उल्लंघन के आरोप में कम से कम 30 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया था। संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) के अनुसार, इन गिरफ्तारियों के विरोध में हुए एक दुर्लभ प्रदर्शन को तालिबान पुलिस ने बलपूर्वक तितर-बितर कर दिया था। इस दौरान गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। तालिबान 2021 से अफगानिस्तान पर शासन कर रहा है, जब अमेरिका के नेतृत्व वाली सेनाओं की वापसी के बाद उसने सत्ता संभाली थी। इसके बाद से उसने शरीयत की कड़ी व्याख्या लागू की है, जिसके तहत महिलाओं और लड़कियों पर कई कठोर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इनमें प्राथमिक स्तर से आगे की शिक्षा और अनेक नौकरियों पर रोक शामिल है। इन नीतियों का असर अल्पसंख्यक समुदायों पर भी पड़ा है।

प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र मिशन को तालिबान, क्षेत्रीय देशों और व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच संवाद को सुगम बनाने का भी अधिकार दिया गया है। अमेरिका की उप राजदूत जेनिफर लोसेट्ज़ा ने कहा, 'इस राजनीतिक प्रक्रिया की सफलता के लिए तालिबान को कदम उठाने होंगे। उसे आतंकवाद-रोधी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना होगा, अफगानिस्तान के अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का सम्मान करना होगा, बंधक कूटनीति समाप्त करनी होगी और महिलाओं एवं लड़कियों के मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन बंद करने होंगे।'

पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान पर उन उग्रवादियों को शरण देने का आरोप लगाता रहा है, जो उसकी सीमा के भीतर घातक हमले करते हैं। हालांकि तालिबान इन आरोपों से इनकार करता है। फरवरी में पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के भीतर किए गए हवाई हमलों के जवाब में अफगानिस्तान ने कार्रवाई की थी, जिसके बाद से दोनों देशों के बीच संघर्ष में सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

समझौता ईरान के लिए अमेरिका के साथ खराब हो चुके रिश्तों को सुधारने का मौका : वेंस

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का स्वागत करते हुए उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने कहा कि इससे तेहरान को वाशिंगटन के साथ अपने 47 साल के नाकाम रिश्तों में एक नई शुरुआत करने का मौका मिला है.

सीबीएस न्यूज और एबीसी न्यूज से बातचीत में वेंस ने कहा कि इस शांति समझौते की दो मुख्य उपलब्धियां हैं - यह पक्का करता है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे, और अगर ईरान समझौते में तय शर्तों का पालन करता है, तो उसके लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में शामिल होने के रास्ते खुल जाएंगे.

वेंस ने सीबीएस न्यूज से कहा, 'इस समझौते के असल में दो पहलू हैं – एक तरफ, यह पक्का करता है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे और साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य को भी खोलता है... यह असल में ईरान की तरफ दोस्ती का हाथ भी बढ़ाता है और कहता है, 'देखिए, अगर आप अपनी जिम्मेदारियां निभाने को तैयार हैं, अगर आप अपने परमाणु कार्यक्रम की असल जांच-पड़ताल की इजाजत देने को तैयार हैं, तो हम दुनिया की अर्थव्यवस्था में आपका फिर से स्वागत करेंगे'.'

उपराष्ट्रपति ने कहा, 'मुझे लगता है कि राष्ट्रपति अमेरिका और ईरान के बीच 47 साल से चले आ रहे नाकाम रिश्ते के अध्याय में नयी शुरुआत करना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि ईरानी भी समझौते के तहत अपनी जिम्मेदारियां पूरी करें.'

वेंस ने कहा कि ईरान के साथ हुआ समझौता 'प्रदर्शन पर आधारित' है. वेंस ने कहा कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने की अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करता है, तो उसे 300 अरब अमेरिकी डॉलर के पुनर्निर्माण निधि तक पहुंच मिल जाएगी, लेकिन यह पैसा अमेरिका से नहीं आएगा.

वेंस ने 'सीबीएस मॉर्निंग्स' को निधि के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'यह एक ऐसी चीज है, जिसका फायदा उन्हें मिल सकता है, और इसके लिए (खाड़ी सहयोग परिषद) से राशि मिलेगी, बशर्ते वे अपनी जिम्मेदारियां पूरी करें.' वेंस ने कहा, 'हम निश्चित रूप से (खाड़ी सहयोग परिषद) देशों द्वारा ईरान के पुनर्निर्माण में निवेश करने के लिए तैयार हैं, लेकिन केवल तभी जब ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम बंद कर दे।

नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस के बेटे को रेप केस में 4 साल की जेल

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट के बेटे मारियस बोर्ग होइबी (29) को ओस्लो डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने रेप, घरेलू हिंसा और अन्य अपराधों में दोषी ठहराते हुए 4 साल की जेल की सजा सुनाई है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब मेटे-मैरिट भी दिवंगत अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से अपने पुराने संबंधों को लेकर विवादों में हैं।

अदालत ने होइबी को दो रेप मामलों में दोषी ठहराया, जबकि दो अन्य रेप आरोपों से बरी कर दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 2018 से 2024 के बीच उन्होंने कई महिलाओं का यौन शोषण किया, जिनमें कुछ महिलाएं सो रही थीं या प्रतिरोध करने की स्थिति में नहीं थीं। होइबी, क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट और क्राउन प्रिंस हाकोन के साथ शाही माहौल में बड़े हुए हैं। हालांकि, उनके पास कोई शाही उपाधि नहीं है और वे राजपरिवार की ओर से कोई आधिकारिक भूमिका नहीं निभाते। अदालत ने उन्हें अपनी पूर्व प्रेमिका के साथ दुर्व्यवहार, दूसरी साथी पर हमला, ड्रग्स से जुड़े अपराध और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के मामलों में भी दोषी पाया। होइबी ने रेप के आरोपों से इनकार किया था, लेकिन कोकीन के इस्तेमाल और मारपीट की बात स्वीकार की थी। नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट के बेटे मारियस बोर्ग होइबी (29) को ओस्लो डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने रेप, घरेलू हिंसा और अन्य अपराधों में दोषी ठहराते हुए 4 साल की जेल की सजा सुनाई है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब मेटे-मैरिट भी दिवंगत अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से अपने पुराने संबंधों को लेकर विवादों में हैं। अदालत ने होइबी को दो रेप मामलों में दोषी ठहराया, जबकि दो अन्य रेप आरोपों से बरी कर दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 2018 से 2024 के बीच उन्होंने कई महिलाओं का यौन शोषण किया, जिनमें कुछ महिलाएं सो रही थीं या प्रतिरोध करने की स्थिति में नहीं थीं। होइबी, क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट और क्राउन प्रिंस हाकोन के साथ शाही माहौल में बड़े हुए हैं। हालांकि, उनके पास कोई शाही उपाधि नहीं है और वे राजपरिवार की ओर से कोई आधिकारिक भूमिका नहीं निभाते।

अदालत ने उन्हें अपनी पूर्व प्रेमिका के साथ दुर्व्यवहार, दूसरी साथी पर हमला, ड्रग्स से जुड़े अपराध और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के मामलों में भी दोषी पाया। होइबी ने रेप के आरोपों से इनकार किया था, लेकिन कोकीन के इस्तेमाल

ट्रंप की डील पर भड़का इजरायल, रक्षा मंत्री बोले- हम ट्रंप के गुलाम नहीं, अपने फैसले लेने के लिए स्वतंत्र

तेलअवीव, एजेंसी। अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम करने और युद्ध समाप्त करने के लिए शांति समझौते पर सहमति बनने के बाद इजरायल की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। इजरायल के रक्षामंत्री इतामार बेन-ग्विर ने सोमवार को स्पष्ट किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मध्यस्थता में हुई डील इजरायल पर लागू नहीं होगी। उन्होंने बताया कि इजरायल अपने फैसले लेने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है।

इजरायल की तरफ से यह बयान अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और अस्थायी संघर्षविराम पर शुरुआती सहमति बनने के बाद सामने आया। दोनों देशों के बीच हुए समझौते पर आधिकारिक

ट्रंप ने किया ऐलान : ईरान के साथ समझौते होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ डील अब पूरी हो गई है। सभी को बधाई। मैं इसके जरिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी रोक-टोक के खोलने और साथ ही अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को तुरंत हटाने की मंजूरी देता हूं। दुनिया भर के जहाजों, अपने इंजन चालू करो। तेल की सप्लाई शुरू होने दो।

पाकिस्तान ने किया स्वागत : ईरान-अमेरिका के बीच समझौत का पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्वागत किया है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट में

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। दोनों पक्षों ने लेबनान समेत सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई को तुरंत और हमेशा के लिए रोकने का ऐलान किया है।

'यह केवल 60 दिनों के लिए युद्धविराम' : युद्ध खत्म

सिक्योरिटी एंड फॉरेन अफेयर्स के डायरेक्टर जनरल और डायरेक्टर ऑफ कम्युनिकेशंस, सागीव स्टीनबर्ग कहते हैं, राष्ट्रपति ट्रंप ने कल ट्वीट किया कि हमारे पास एक शांति समझौता है। लेकिन जहां तक मैं देख पा रहा हूं, यह कोई शांति पब्लिश नहीं हुआ है। आगे उन्होंने कहा कि समझौते की डिटेल जानने के लिए हमें शुक्रवार तक इंतजार करना होगा।

ट्रंप और मेरी राय एक जैसी नहीं: नेतन्याहू : प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों और इस डील पर मतभेदों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि ट्रंप और मैं साझेदार हैं और हम अक्सर कई मुद्दों पर एक-दूसरे से सहमत होते हैं, लेकिन कभी-कभी हमारी राय पूरी तरह एक जैसी नहीं होती। यह बयान उस समय आया है जब वाशिंगटन और तेहरान के बीच दशकों पुरानी दुश्मनी को खत्म करने की कोशिशें की जा रही हैं। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि ईरान के अलग हो सकता है।

पीछे नहीं हटेगा इजरायल : नेतन्याहू ने एक बार फिर दोहराया कि इजरायल की सर्वोच्च प्राथमिकता ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना है। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि समझौता हो या न हो, ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे। उन्होंने आगे कहा कि इजरायल ने खुद को विनाश से बचा लिया है, लेकिन उनकी जंग अभी खत्म नहीं हुई है। इजरायली पीएम के मुताबिक, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को विफल करने के लिए जो भी आवश्यक कदम होंगे, इजरायल उन्हें उठाने से पीछे नहीं हटेगा। क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा करते हुए नेतन्याहू ने बताया कि इजरायली सेना ने उन

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.